@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 28 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 220 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

लिफ्ट में हुई देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे की मुलाकात

मुंबई, 27 जून। महाराष्ट्र की राजनीति में नई चर्चाओं को बल मिला है। ऐसा इसलिए क्योंकि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना-यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की गुरुवार को संयोगवश विधानसभा की लिफ्ट में मुलाकात हुई। महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के ठीक एक दिन पहले फडणवीस और ठाकरे एक साथ लिफ्ट का इंतजार कर रहे थे। इस दौरान दोनों नेताओं बीच बातचीत भी हुई। इसे लेकर महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कयासों का दौर शुरू भी हो गया। हालांकि, शिवसेना-यूबीटी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने इन कयासों पर विराम लगाते हुए कहा 'लोगों को 'ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे' गीत याद आ रहा होगा लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।' ठाकरे ने आगे कहा कि लिफ्ट के कान नहीं होते और इस तरह की मुलाकात होना एक अच्छी बात है। यह एक अप्रत्याशित मुलाकात थी और इसका कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए। जिस समय लिफ्ट में लिफ्ट में फडणवीस और ठाकरे की मुलाकात हुई, उस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक प्रवीण दारेकर भी वहीं मौजूद थे। उन्होंने कहा कि लिफ्ट का दरवाजा खुलते ही देवेंद्र फडणवीस सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यालय की ओर बढ़ गए और उद्धव ठाकरे विपक्षी पार्टी कार्यालय की ओर चले गए। दारेकर ने कयासों पर विराम लगाते हुए कहा कि उद्धव का सत्तारूढ़ दल के साथ जुड़ने का कोई इरादा नहीं है। उधर शिवसेना नेता संजय शिरसाट का कहना है कि ठाकरे और फडणवीस के बीच मुलाकात दर्शाती है कि भले ही दोनों के बीच राजनीतिक दूरियां हों लेकिन दुश्मनी नहीं है।

जनता ने तीसरी बार स्पष्ट जनादेश दिया: राष्ट्रपति

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 27 जून। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को अपने अभिभाषण में कहा कि भारत के लोगों ने मोदी सरकार को तीसरी बार स्पष्ट और स्थिर जनादेश दिया है। इसके अलावा, उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों को सबसे ज्यादा मतदान करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में वोटिंग के अनेक दशकों के रिकॉर्ड टूटे हैं। बता दें, मुर्मू ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित सरकार की प्राथमिकताओं को सामने रखा। नई लोकसभा का पहला सत्र गत सोमवार को शुरू हुआ था। इसके अलावा राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून से शुरू होगा। राष्ट्रपति ने दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया आयोजित करने के लिए चुनाव आयोग की सराहना भी की। इसके अलावा उन्होंने कहा, मैं 18वीं लोकसभा के सभी नव निर्वाचित सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। आप सभी यहां मतदाताओं का भरोसा जीतकर आए हैं। देश सेवा और जन सेवा का मौका बहुत कम लोगों को मिलता है। उन्होंने आगे कहा, ये दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। करीब 64 करोड़ मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ अपना कर्तव्य निभाया है। इस बार भी महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर मतदान में हिस्सा लिया है। इस चुनाव की बहुत सुखद तस्वीर जम्मू-कश्मीर से भी सामने आई है। कश्मीर घाटी में वोटिंग के अनेक दशकों के रिकॉर्ड टूटे हैं। उन्होंने कहा, पिछले चार दशकों में, हमने कश्मीर में हड़तालों और बंद के बीच केवल कम मतदान देखा। भारत के दुश्मन इसे जम्मू-कश्मीर की राय के तौर पर वैश्विक मंच पर पेश करते थे। इस बार जम्मू-कश्मीर के लोगों ने ऐसी ताकतों को करारा जवाब दिया है। मुर्मू ने कहा कि पूरी दुनिया 2024 के चुनावों के बारे में बात कर रही है। उन्होंने कहा कि देश में छह दशक के बाद पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार बनी है। लोगों ने इस सरकार पर तीसरी बार भरोसा जताया है। लोग जानते हैं कि सिर्फ यही सरकार उनकी आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है। उन्होंने कहा कि 18वीं लोकसभा कई मायनों में ऐतिहासिक लोकसभा है। इस लोकसभा का गठन अमृतकाल के शुरुआती वर्षों में हुआ था। यह लोकसभा देश के संविधान को अपनाने के 56वें वर्ष की भी साक्षी बनेगी। राष्ट्रपति ने कहा, यह सेवा और सुशासन के मिशन के लिए

अनुमोदन की मुहर है, जिसे मेरी सरकार पिछले 10 वर्षों से चला रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव में जम्मू कश्मीर में उच्च मतदान प्रतिशत पर बात की। उन्होंने कहा कि पिछले कई दशकों के मतदान रिकॉर्ड को तोड़ते हुए कश्मीर ने भारत के शत्रुओं को करारा जवाब दिया। दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अनुच्छेद 370 के कारण कश्मीर की स्थिति पहले कुछ और थी, लेकिन इसके हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर में संविधान पूरी तरह से लागू हो गया है। बता दें कि अनुच्छेद-370 जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था, लेकिन केंद्र ने इसे 2019 में इसे हटा लिया और पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया। राष्ट्रपचि मुर्मू ने कहा, कश्मीर घाटी ने कई दशकों के मतदान प्रतिशत के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। पिछले चार दशकों में हमने कश्मीर में बंद और हड़तालों के बीद बहुत कम मतदान देखा है। भारत के दुश्मन वैश्विक मंचों पर दुष्प्रचार कर रहे हैं। लेकिन इस बार कश्मीर ने दुश्मनों को करारा जवाब दिया है। चुनाव आयोग के अनुसार, कश्मीर घाटी की तीन सीटों में श्रीनगर में 38.49 फीसदी, बारामूला में 59.1 फीसदी और अनंतनाग-राजौरी में 53 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

टीएमसी विधायकों को शपथ लेने से नहीं रोक सकते राज्यपाल: ममता बनर्जी

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 27 जून। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर हंगामा मचा हुआ है। इस लेकर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्यपाल के पास शपथ ग्रहण प्रक्रिया को रोकने का कोई अधिकार नहीं है। इसके साथ ही टीएमसी प्रमुख ने कहा कि उन्हें एक महिला से कुछ शिकायतें मिलीं हैं। महिला ने दावा किया है कि कुछ घटनाएं सामने आने के बाद उन्हें राजभवन जाने में असुरक्षित महसूस होता है। ममता बनर्जी ने कहा 'एक महीना बीतने को है लेकिन मेरी पार्टी के विधायकों सायंतिका बंदोपाध्याय और रेयात हुसैन सरकार शपथ नहीं ले पा रहे हैं। राज्यपाल द्वारा शपथ ग्रहण में बाधा डाली जा रही है। विधायकों को जनता ने चुना है ना कि राज्यपाल ने। राज्यपाल के पास विधायकों को शपथ लेने से रोकने का कोई अधिकार नहीं है।' ममता बनर्जी ने कहा कि हर किसी को राजभवन जाने की क्या

आवश्वयकता है? राज्यपाल द्वारा विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को शपथ ग्रहण के लिए अधिकृत किया सकता है। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि कुछ महिलाओं द्वारा जानकारी दी गई है कि हाल ही में घटी कुछ घटनाओं की की वजह से उन्हें राजभवन जाने में डर लगता है। आपको बता दें कि कुछ समय पहले राजभवन में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया था कि उनके साथ छेड़छाड़ की कोशिश की गई। दरअसल टीएमसी के नव-निर्वाचित विधायकों (बारानगर से निर्वाचित विधायक सायंतिका बंदोपाध्याय और भगबानगोला से निर्वाचित हुए रायत हुसैन सरकार) के शपथ ग्रहण समारोह स्थल को लेकर विवाद हो गया था। इस वजह से दोनों ही शपथ नहीं ले पाए थे। राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने दोनों विधायकों को राजभवन में शपथ लेने को कहा था जिसे विधायकों द्वारा अस्वीकार कर दिया था। दोनों विधायक चाहते थे कि उनका शपथ ग्रहण समारोह विधानसभा में हो। इसके बाद दोनों विधायक विधानसभा परिसर में बी आर आंबेडकर की प्रतिमा के सामने बैठ गए। उन्होंने कहा कि परंपरा के अनुसार उपचुनाव जीतने वाले उम्मीदवार के मामले में राज्यपाल द्वारा विधानसभा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को शपथ दिलाने का काम सौंपा जाता है।

वोक्कालिगा महंत ने सिद्धरमैया से पद छोड़ने की अपील की

बंगलूरू, 27 जून। सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर जारी सत्ता संघर्ष के बीच वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखने वाले एक महंत ने सार्वजनिक रूप से कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से पद छोड़ने और राज्य के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को सत्ता सौंपने का आग्रह किया। महंत की यह अपील ऐसे समय में आई है, जब सिद्धरमैया मंत्रिमंडल में तीन और उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग बढ़ रही है। मांग की जा रही है कि वीरशैव-लिंगायत, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों से एक-एक उपमुख्यमंत्री बनाया जाए। विश्व वोक्कालिगा महासमस्तन मठ के महंत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी ने बेंगलुरू के संस्थापक केम्पेगौड़ा की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री की मौजूदगी में शिवकुमार के पक्ष में आवाज उठाई। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष और राज्य के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से हैं। यह समुदाय राज्य के दक्षिणी भागों में एक प्रमुख समुदाय है। चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी ने कहा, राज्य में हर कोई मुख्यमंत्री बन गया है और सत्ता का सुख सभी ने भोगा है, लेकिन हमारे डी के शिवकुमार अभी तक मुख्यमंत्री नहीं बन पाए हैं, इसलिए अनुरोध है कि सिद्धरमैया कृपया हमारे डी के शिवकुमार को सत्ता सौंप दें और उन्हें आशीर्वाद दें। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, सिद्धरमैया अगर मन बना लें तो ही यह संभव है, अन्यथा नहीं, इसलिए नमस्कार के साथ मैं सिद्धरमैया से अनुरोध करता हूं कि वह डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाएं। सिद्धरमैया ने बाद में संवाददाताओं से बातचीत में महंत की अपील पर पूछे गए सवाल पर कहा, कांग्रेस में आलाकमान होता है और जो भी आलाकमान कहेगा

उद्धव ने किसानों का कर्ज माफ करने की मांग की

कौमी संवाददाता

मुंबई, 27 जून। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसको लेकर सियासी हलचल जारी है। इस बीच, कांग्रेस ने जहां अपने दो नेताओं को पार्टी से निलंबित कर दिया। वहीं उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) वाली शिवसेना ने कृषि ऋण को पूरी तरह से माफ करने की मांग की है। महाराष्ट्र कांग्रेस ने विजय देवताले और असावरी देवताले को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित किया। दोनों चंद्रपुर जिले के नेता हैं और लोकसभा चुनाव में कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। वहीं, उद्धव बालासाहेब ठाकरे वाली शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को महाराष्ट्र सरकार से मांग की कि इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले किसानों का कर्ज को पूरी तरह से माफ किया जाए और इसे लागू किया जाए। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने गुरुवार को शुरू हुए राज्य विधानमंडल

के मानसून सत्र को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार का विदाई सत्र बताया। उन्होंने कहा कि तुरंत पूरी तरह किसानों का कर्ज माफ किया जाना चाहिए और इसे राज्य चुनावों से पहले लागू किया जाना चाहिए। राज्य सरकार शुक्रवार को अपना बजट पेश करेगी। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के पहले दिन विपक्ष ने किसानों और नीट के मुद्दों पर विधान भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। नीट परीक्षा और अयोध्या राम मंदिर में पानी लीक की खबरों पर ठाकरे ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दोनों सरकारें लीकेज सरकार हैं। शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरचंद्र पवार वाली एनसीपी के महा विकास आघाड़ी (एमवीए) से जुड़े प्रदर्शनकारियों ने किसानों और नीट परीक्षा से संबंधित मुद्दों पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा मई में आयोजित नीट में अनियमितताओं के कई आरोप लगाए गए हैं। इसी को लेकर राज्य विधानमंडल परिसर की सीढ़ियों पर बैठे विपक्षी सदस्यों ने हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाए। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने गुरुवार को 18वीं लोकसभा के सदस्य चुने गए सात विधायकों के इस्तीफे की घोषणा की। कांग्रेस की प्रणीति शिंदे, प्रतिभा धनोरकर, बलवंत वानखेड़े और वर्षा गायकवाड़, शिवसेना के रवींद्र वायकर और संदीपन भूमरे और एनसीपी (एसपी) के नीलेश लंके सांसद के रूप में चुने गए हैं। कांग्रेस के राजू पार्वे ने रामटेक संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए लोकसभा चुनाव से पहले विधायक के रूप में इस्तीफा दे दिया था, लेकिन वह हार गए थे। विधानसभा ने मीनाक्षी पाटिल, पांडुरंग पाटिल, प्रतापराव भोसले, गंगाधर गाडे, त्र्यंबक कांबले, डोमिनिक गोंजाल्विस और दगडू गलांडे को भी श्रद्धांजलि दी, जिनका हाल ही में निधन हो गया था।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से राहुल गांधी की मुलाकात

नई दिल्ली, 27 जून। लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। राहुल ने सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं द्वारा संसद में आपातकाल पर की गईं टिप्पणियों को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह पूर्ण रूप से राजनीति से प्रेरित था और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल राव ने इस बारे में जानकारी दी। के सी वेणुगोपाल ने बताया कि 'यह एक शिष्टाचार भेंट थी। राहुल गांधी को विपक्ष का नेता चुने जाने के बाद इंडिया (ढ्ढहृष्ठढ्ढ) के घटक दलों के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की।जब कांग्रेस महासचिव से सवाल पूछा गया कि क्या राहुल गांधी ने ओम बिरला के समक्ष सदन में उठाए गए आपातकाल के मुद्दे पर बातचीत की? इसके जवाब में वेणुगोपाल ने कहा कि 'हमने सदन के संचालन को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की और आपातकाल के मुद्दे पर भी बात हुई।' विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर कहा कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा आपातकाल पर बयानबाजी को नजरअंदाज किया जा सकता था। उन्होंने आगे कहा कि यह पूर्ण रूप से राजनीति से प्रेरित था। आपको बता दें कि लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद बिरला ने वर्ष 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल लगाए जाने की निंदा की थी। इसके बाद सदन में हंगामा खड़ा हो गया था। बिरला ने कहा था कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार ने विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया था और मीडिया पर भी प्रतिबंध लगाए थे। कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल राव ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा है।

परमाणु हथियारों के पहले प्रयोग नहीं के सिद्धांत का भारत ने किया हमेशा पालन: सीडीएस अनिल चौहान

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 27 जून। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि भारत की परमाणु नीति हमेशा से ही विशिष्ट रही है, जिसकी विशेषता पहले इस्तेमाल न करने और बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई के सिद्धांतों के पालन करने की रही है। सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज (ष्टक्क) की एक सेमिनार में बोलते हुए जनरल चौहान ने पारंपरिक युद्ध का बदलता स्वरूप और विभिन्न वैश्विक क्षेत्रों में उभर रही भू-राजनीतिक अस्थिरता पर विस्तार से चर्चा की। परमाणु रणनीति- समकालीन विकास और भविष्य की संभावनाएं शीर्षक से अपने संबोधन के दौरान जनरल चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि परमाणु हथियारों से उत्पन्न खतरा मौजूदा भू-राजनीतिक माहौल में एक बड़ी चिंता के रूप में फिर से उभरा है। रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, उन्होंने दोहराया कि भारत का परमाणु कार्यक्रम पहले इस्तेमाल न करने की नीति के पालन और बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई के सिद्धांत के कारण विशिष्ट बना हुआ है। जनरल चौहान ने नए सैन्य सिद्धांत विकसित करने की महत्वपूर्ण जरूरतों पर बल दिया। उन्होंने प्रतिरोधक क्षमताओं को बनाए रखने और देश के परमाणु ष्४द्ब२स्क्र बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जिसमें कमांड, नियंत्रण, संचार, कंप्यूटर, खुफिया, सूचना,

निगरानी और टोही प्रणालियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 1998 में भारत के पांच परमाणु परीक्षणों के बाद देश ने अपना परमाणु सिद्धांत तैयार किया। 1999 में आधिकारिक रूप से जारी इस सिद्धांत ने भारत की पहले इस्तेमाल न करने की नीति के प्रति प्रतिबद्धता की घोषणा की। इस नीति में जोर दिया गया है कि भारत परमाणु हमला करने वाला पहला देश नहीं होगा, लेकिन उसके खिलाफ किसी भी परमाणु हमले के जवाब में बड़े पैमाने पर जवाबी हमला करने का अधिकार बरकरार रहेगा। जनरल चौहान की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय सैन्य शक्ति और परमाणु प्रतिरोध में महत्वपूर्ण बदलाव देख रहा है। उनके विचार मौजूदा चुनौतियों के अनुकूल होने के महत्व को रेखांकित करते हैं, साथ ही उन मूलभूत सिद्धांतों के प्रति अडिग रहना भी है, जो दशकों से भारत के परमाणु रुख को परिभाषित करते रहे हैं। प्रतिरोध बढ़ाने और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को सुरक्षित करने पर जारी जोर तेजी से अस्थिर होती दुनिया में स्थिरता और शांति बनाए रखने के लिए भारत के रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। चूंकि भू-राजनीतिक तनाव लगातार बढ़ रहा है, इसलिए भारत की अपने परमाणु सिद्धांतों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और उसके सामरिक सिद्धांतों का निरंतर विकास आने वाले वर्षों में देश की रक्षा और सुरक्षा नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

खरगे के आवास पर इंडिया नेताओं की बैठक

नई दिल्ली, 27 जून। 18वीं लोकसभा में संसद सत्र जारी है, आज जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। संसद सत्र के चौथे दिन कल राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा की जाएगी। इन सबके बीच सत्ताधारी एनडीए को घेरने के लिए इंडिया के नेताओं की ओर से रणनीति बनाई गई है। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं की बैठक हुई है। इस बैठक में इंडिया के नेताओं ने तय किया कि वो कल संसद में नीट मुद्दे पर चर्चा की मांग करेंगे। अगर इस मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं दी गई तो इंडिया के नेता सदन के अंदर विरोध प्रदर्शन करेंगे। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान विपक्ष के नेताओं ने सोमवार से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग लेने का भी फैसला किया है। इस बैठक में नेताओं ने कल ह्वश्वश्व परीक्षा के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर राज्यसभा और लोकसभा में नोटिस देने का फैसला किया। वहीं सोमवार को नेताओं संसद में गांधी प्रतिमा के सामने कथित राजनीतिक प्रतिशोध और विपक्ष के खिलाफ सीबीआई और ईडी के दुरुपयोग को लेकर प्रदर्शन करेंगे। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दिल्ली में मौजूद आवास पर इंडिया के नेताओं की बैठक खत्म होने के बाद बाहर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, कि बैठक में आज कई मुद्दों पर चर्चा हुई, संसद में सभी मुद्दों पर बहस होगी चाहे राष्ट्रपति का अभिभाषण हो या स्पीकर का चुनाव हो। जबकि इस बैठक में शामिल राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने कहा, विपक्ष एकजुट है और वह संसद में नीट, अग्निवीर, महंगाई और बेरोजगारी और एमएसपी के मुद्दे को उठाएगा। वहीं संसद सत्र के तीसरे दिन आज राष्ट्रपति ने लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण को सुनने के लिए विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भी पहुंचे थे। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में लोकसभा चुनाव, आर्थिक विकास, सुरक्षा समेत कई मुद्दों का जिक्र किया और देश की उपलब्धियों के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने देश को विश्वास दिलाया कि आगामी बजट में सरकार की तरफ से बड़े आर्थिक फैसले लिए जाएंगे। इसके साथ ही सरकार आने वाले दिनों में कई अहम फैसले लेगी।

सदन में राष्ट्रपति के संबोधन पर बरसा विपक्ष

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 27 जून। लोकसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं द्वारा आपातकाल पर की गईं टिप्पणियों को लेकर हंगामा मचा ही हुआ था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी अपने संबोधन में वर्ष 1975 के उस दौर का जिक्र किया। विपक्षी गठबंधन ने इसे लेकर अपनी नाराजगी जताई है। विपक्ष के नेताओं का कहना है कि राष्ट्रपति के संबोधन की स्क्रिप्ट सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई थी और यह झूठ से भरी हुई थी। विपक्ष ने सदन में आपातकाल को लेकर लगातार बयानबाजियों पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। आपको बता दें कि 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति ने अपने पहले संबोधन में आपातकाल पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को लागू किया गया आपातकाल संविधान पर सीधा हमला था। जब इसे लगाया गया तो पूरे देश में हाहाकार मच गया था, लेकिन देश ने ऐसी असंवैधानिक ताकतों पर विजय प्राप्त की है। राष्ट्रपति के संबोधन के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उन लोगों के लिए क्या किया, जिन्हें आपातकाल के दौरान जेल में डाला गया था? जबकि, समाजवादी पार्टी ने उन लोगों को सम्मान और पेंशन दी। अखिलेश यादव ने आगे कहा 'सत्तारूढ़ दल द्वारा भारत को विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताया जाता है। क्या इसने देश के किसानों को समृद्धि बनाया? अगर भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है , तो इतने सारे युवा बेरोजगार क्यों हैं? देश में अग्निवीर योजना क्यों है? महंगाई पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा रही? तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा का कहना है कि राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में ऐसी स्क्रिप्ट को पढ़ा, जिसे केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराया गया था। मोइत्रा ने कहा 'भाजपा नेताओं को यह अहसास नहीं है कि उनके पास बहुमत नहीं है।' उधर सीपीआई (एमएल) सांसद सुदामा प्रसाद का कहना है कि राष्ट्रपति को संबोधन पूरी तरह से झूठ से भरा हुआ था। सुदामा प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रपति के संबोधन को सुनकर ऐसा लगा जैसे वह भाजपा को पूर्ण बहुमत की सरकार कह रहीं हों। उन्होंने आगे

कहा कि यह गठबंधन की सरकार है। उन्होंने आगे कहा 'राष्ट्रपति को मणिपुर के हालातों पर बात करनी चाहिए थी क्योंकि मणिपुर में हालात बहुत बुरे हो गए हैं। सुदामा प्रसाद ने मणिपुर के हालातों का हवाला देते हुए कहा कि 'वर्ष 1995 के आपातकाल की पहले से घोषणा की गई थी लेकिन यह अघोषित आपातकाल है। सत्तारूढ़ दल के नेता बार बार आपातकाल की बात कर रहे हैं लेकिन इस समय देश उससे भी बड़े आपातकाल का सामना कर रहा है।' कांग्रेस नेता तारिक अनवर का कहना है कि राष्ट्रपति के संबोधन में कुछ भी नया नहीं था। उन्होंने कहा 'आपातकाल के बाद भी देश में कई बार लोकसभा चुनाव हुए और भाजपा को हार मिली। उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा है।' आपको बता दें कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल की कड़ी निंदा की थी। 24 जून को लोकसभा का पहला सत्र शुरू होते ही पीएम मोदी ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान आपतकाल को देश पर काला धब्बा करार दिया था। उधर, लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद ओम बिरला ने भी एक प्रस्ताव पढ़ा। उन्होंने आपातकाल देश को संविधान पर हमला करार दिया था।

नासा आईएसएस को वापस लाने के लिए लेगा एलन मस्क के स्पेसएक्स की मदद, 84 करोड़ डॉलर का हुआ समझौत

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर पांच जून को करीब एक सप्ताह के लिए अंतरिक्ष गए थे। उन्हें 13 जून को अंतरिक्ष से लौटना था। हालांकि, 27 जून हो चुकी है। अबतक उनकी वापसी का कोई अता-पता नहीं है। इस बीच अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक नई जानकारी दी है। नासा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) को रिटायर करने के लिए वह एलन मस्क के स्पेसएक्स की मदद लेगा।

2030 में होगा रिटायर

दरअसल, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने आईएसएस को पृथ्वी के वायुमंडल के माध्यम से प्रशांत महासागर में उसके अंतिम विश्राम स्थल तक ले जाने के लिए एक यान बनाने हेतु स्पेसएक्स को चुना है, जो 2030 में रिटायर हो जाएगा। एलन मस्क की कंपनी के साथ अंतरिक्ष यान तैयार करके देने के लिए 84.3 करोड़ डॉलर का एक समझौता किया गया है, जिसे यूएस डिऑर्बिट व्हीकल नाम दिया गया है।

यूएन में पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर राग, भारत ने लगाई लताड़ा, कहा- ध्यान भटकाने की एक और नाकाम कोशिश

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान को जमकर खरी-खरी सुनाई। दरअसल, पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के एक सत्र के दौरान जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाया। जिस पर जवाब देते हुए भारत ने जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान की आधारहीन टिप्पणियों के लिए उसकी आलोचना की। उसने टिप्पणियों को राजनीति से प्रेरित और निराधार बताया। कहा कि यह उसके अपने देश में बच्चों के खिलाफ जारी गंभीर उल्लंघनों से ध्यान हटाने का एक और आदतन प्रयास है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर खुली बहस के दौरान, संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप प्रतिनिधि आर रवींद्र ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अलग-अलग हिस्से हैं।

मुझे इस मुद्दे पर बोलने दें

बहस के दौरान अपना बयान समाप्त करने से पहले आर रवींद्र ने कहा,मुझे समय के हित में टिप्पणियों का संक्षेप में जवाब देने दें, जो स्पष्ट रूप से राजनीति से प्रेरित और निराधार थीं, जो मेरे देश के खिलाफ एक प्रतिनिधि द्वारा की गई थीं। मैं स्पष्ट रूप से इन आधारहीन टिप्पणियों को खारिज करता हूं और उनकी निंदा करता हूं।

हूती विद्रोहियों ने स्वदेशी निर्मित हाइपरसोनिक मिसाइल के इस्तेमाल का किया दावा

सना। यमन के अंसार अल्लाह आंदोलन, जिसे हूती के नाम से भी जाना जाता है, ने दावा किया है कि उसने अरब सागर में एक इजरायली जहाज के खिलाफ पहली घरेलू निर्मित हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या साड़ी ने यह जानकारी दी।श्री साड़ी ने 'एक्स' पर कहा, पहली बार, यमनी सशस्त्र बलों ने अरब सागर में इजरायली जहाज एमएससी सारा वी के खिलाफ अपने स्वयं के उत्पादन की हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया।

हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच केन्या के राष्ट्रपति ने कर वृद्धि वापस ली

नैरोबी। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो नेघोषणा की कि उनकी सरकार ने नए कर प्रस्तावों को वापस ले लिया है, जिसके लिए 18 जून से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था जब एक वित्तीय विधेयक पहली बार सार्वजनिक किया गया था। केन्या की राजधानी नैरोबी में एक संवाददाता सम्मेलन में श्री रुतो ने कहा कि सरकार व्यय को कम करने के लिए तत्काल मितव्ययिता उपायों को लागू करेगी, जिसमें राष्ट्रपति के यात्रा बजट और वाहन खरीद में कटौती भी शामिल है। ये उपाय काउंटियों और मंत्रालयों पर भी लागू होंगे।यह घोषणा नैरोबी में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद आई, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और 150 से अधिक लोग घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए भारी सुरक्षा वाले संसद परिसर में तोड़फोड़ की, जिससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा और इमारत के एक हिस्से में आग लग गई।

बोलीविया में तख्तापलट की कोशिश नाकाम

सैनिकों ने राष्ट्रपति पैलेस घेरा, आर्मी जनरल ने सैन्य वाहन लेकर घुसने की कोशिश की, गिरफ्तार

बोलीविया। साउथ अमेरिका के देश बोलीविया में तख्तापलट की कोशिश नाकाम हो गई। बोलीविया के सैनिकों ने राजधानी ला पाज में मौजूद राष्ट्रपति पैलेस पर हमला बोल दिया। इसके बाद आर्मी के टॉप जनरल होजे ज्यूनिगा ने सेना के कुछ सदस्यों के साथ मिलकर राष्ट्रपति पैलेस में सैन्य वाहन लेकर घुसने की कोशिश की।

हालांकि, कुछ समय के अंदर ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। बोलीविया के टेलीविजन पर इसका लाइव टेलिकास्ट किया गया। वीडियो के मुताबिक, बोलीविया की सिक्योरिटी फोर्स ने शहर के मुख्य चौराहे को घेर लिया। इसके बाद एक मिलिट्री वाहन राष्ट्रपति पैलेस के दरवाजे पर टक्कर मारने लगा। इस दौरान सैनिकों ने अंदर दाखिल होने की कोशिश की। सेना प्रमुख जनरल होजे ने कहा कि वे देश में लोकतंत्र का पुनर्गठन करना चाहते हैं। वे राष्ट्रपति लुइस आर्से का सम्मान करते हैं लेकिन देश की सरकार में बदलाव लाने की जरूरत है। वहीं सरकार के समर्थन में जनता सड़कों पर उतर आई। उन्हें रोकने के लिए सैनिकों ने आंसू गैस का भी इस्तेमाल किया।

राष्ट्रपति बोले- यह बोलीविया की जनता और लोकतंत्र की जीत

हालांकि, हमले के कुछ समय बाद ही सेना पीछे हट गई और जनरल होजे को गिरफ्तार कर लिया गया। तख्तापलट फेल होने के बाद राष्ट्रपति ने कहा देश की जनता को लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होने की जरूरत है। यह बोलीविया के लोगों और लोकतंत्र की जीत है।

गिरफ्तार होने के ठीक पहले जनरल होजे ने आरोप लगाया कि उन्हें राष्ट्रपति आर्से ने ही तख्तापलट की कोशिश करने को कहा था। आर्मी चीफ ने मीडिया को बताया कि राष्ट्रपति ने उनसे देश के हालात पर बातचीत की थी। उन्होंने कहा था कि यह हफ्ता सरकार के लिए बेहद अहम हैं। ऐसे में उन्हें जनता का समर्थन लेने की जरूरत है। तख्तापलट नाकाम होने से उनकी पॉपुलैरिटी के बढ़ने की संभावना है।

कुछ दिन पहले ही बर्खास्त हुए थे आर्मी जनरल

बोलीविया की लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनरल होजे को इसी हफ्ते उनके पद से हटाया गया था। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद सरकार ने यह फैसला लिया था।

लोकल रिपोर्टर्स के मुताबिक, तख्तापलट की कोशिश के दौरान जनरल होजे कुछ समय के लिए पैलेस में दाखिल हुए थे। उनकी सुरक्षा के लिए आसपास नकाबपोश सुरक्षाकर्मी तैनात थे। सरकार की आलोचना करते हुए सेना प्रमुख ने कुछ राजनेताओं और सेना के उन सदस्यों की रिहाई की मांग की थी, जिन्हें गिरफ्तार किया गया था।

चीनी राजदूत ने भारत के वसुधैव कुटुम्बम की बात की

बीजिंग। कोलकाता में चीन के राजदूत जू वेई ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरह वसुधैव कुटुंबकम की बात की है। बीजिंग द्वारा भेजे गए राजनयिकों के लिए एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। अपने संबोधन में जू वेई ने चीन और भारत के बीच सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक

संबंधों का जिक्र किया। चीनी राजदूत ने भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हुए 'नमस्ते' कहकर अपने भाषण की शुरुआत की।

जू वेई ने कहा कि वह कला और संस्कृति के शहर कोलकाता में चीन के राजदूत के रूप में नियुक्त होने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। कोलकाता में चीन के छठे राजदूत के भाषण में आपसी सहयोग का संदेश और दोस्ती का लहजा था। वेई ने पड़ोसी देश चीन और भारत को मानव सभ्यता के दो गौरव के रूप में बताया। उन्होंने कहा कि हम दो सबसे बड़े विकासशील देश हैं। प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों ही राष्ट्रीय विकास और कायाकल्प के महत्वपूर्ण चरण में हैं।उन्होंने यह भी कहा कि चीन और भारत के बीच मजबूत और स्थिर संबंध दोनों देशों के हितों, क्षेत्रीय, वैश्विक शांति और विकास के लिए अनुकूल हैं।

पाकिस्तान में गर्मी से 6 दिन में 568 की मौत

हीटस्ट्रोक से 267 लोग अस्पताल में, सड़कों पर पड़ी लाशें, मुर्दाघर में शव रखने की जगह नहीं

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में भीषण गर्मी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। न्यूज के मुताबिक, पिछले 6 दिन में यहां 568 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से 141 लोगों ने जान गंवाई। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में 24 जून को पारा 41 डिग्री सेल्सियस था।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 3 दिन में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, हवा में ज्यादा नमी की वजह से उमस लगातार बढ़ती जा रही है। इसकी वजह से 40 डिग्री तापमान भी 49 डिग्री जैसा महसूस हो रहा है। पिछले 4 दिन में कराची के सिविल अस्पताल में हीटस्ट्रोक की वजह से 267 लोग भर्ती हुए हैं।

पाकिस्तान के एक NGO ईधी फाउंडेशन के प्रमुख फैसल ने कहा कि कराची में उनके 4 मुर्दाघर चल रहे हैं, लेकिन हालात ये हैं कि मुर्दाघरों में शवों को रखने के लिए जगह नहीं बची है। यहां हर दिन 30-35 शव पहुंच रहे हैं। डॉन न्यूज के

मुताबिक, इमरजेंसी सेवाओं के कर्मचारियों को कराची की सड़कों पर अब तक 30 लोगों के शव मिले हैं।

गर्मी से उल्टी, डायरिया, तेज बुखार की शिकायत

मरने वालों में ज्यादातर लोग 50 से ज्यादा की उम्र वाले हैं। हीटवेव से बीमार होकर जो लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं, उन्हें ज्यादातर उल्टी, डायरिया और तेज बुखार की शिकायत रही है। जिनकी मौत हुई है, उनमें सबसे ज्यादा वे लोग शामिल हैं, जो काम के सिलसिले में पूरे दिन बाहर रहते हैं।

प्रशासन ने लोगों को ज्यादा पानी पीने और हल्के कपड़े पहनने की सलाह दी है। पिछले महीने कराची का तापमान 52 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया था। ये इस साल का अब तक का सबसे गर्म दिन था। अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने कहा है कि पिछले महीने में पूरे एशिया में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसकी सबसे बड़ी वजह जलवायु परिवर्तन है।

पाकिस्तान के मौसम विभाग के अध्यक्ष सरदार सरफराज ने बताया कि कराची में पिछले 2 दिन से जारी हीटवेव से आज कुछ हद तक छुटकारा मिल सकता है। शहर में तेज बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान 40 से गिरकर 38 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है।

इससे पहले पिछले महीने पाकिस्तान के मोहनजोदाड़ो में पारा 52 डिग्री के पार गया था। यह पाकिस्तान के इतिहास में अब तक का तीसरा सबसे गर्म दिन था। गर्मी को देखते हुए दुकानें बंद कर दी गई थीं। वहीं कराची में भीषण गर्मी के बीच 20 घंटे तक बिजली नहीं आ रही थी। इसका विरोध करते हुए लोग सड़कों पर उतर आए थे। इससे पहले पाकिस्तान में साल 2017 में सबसे ज्यादा 54 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया जा चुका है।

क्या होता है हीटस्ट्रोक?

हीटस्ट्रोक तब होता है, जब हमारे शरीर का बेसिक हीट रेगुलेटिंग सिस्टम गर्मी के सामने पूरी तरह कोलैप्स हो जाता है, यानी थककर काम करना बंद कर देता है। यह खतरे की घंटी है। इन दिनों आप खबर पढ़ रहे होंगे कि मैक्सिको में एक्स्ट्रीम हीट के कारण बंदर पेड़ से गिरकर मर रहे हैं। इसकी वजह है हीट स्ट्रोक। हीट स्ट्रोक होने पर तुरंत मेडिकल केयर की जरूरत होती है। न मिलने पर अचानक मृत्यु भी हो सकती है।

डलास के एक रेस्तरां में गोलीबारी में दो लोगों की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के टैक्सास प्रांत के सबसे बड़े शहर डलास में एक रेस्तरां में गोलीबारी की घटना में दो लोग मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि उसने इस हमले के एक संदिग्ध की पहचान कर ली है, हालांकि अभी तक उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस ने कहा कि किसी नागरिक की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। घटना के संबंध में टेलीविजन में दिखाए जा रहे वीडियो में 'चिक-फिल-ए' रेस्तरां में खिड़कियों के बाहर स्क्रीन लगी हुई और पुलिस के वाहन खड़े दिखाई दे रहे हैं। हालांकि पुलिस ने यह पुष्टि नहीं की है कि घटना 'चिक-फिल-ए' रेस्तरां में हुई है या कहीं और। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने मृतकों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है।

बाइडन ने समलैंगिक यौन संबंधों के दोषी ठहराए गए हजारों पूर्व सैन्यकर्मियों को किया माफ

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने समलैंगिक यौन संबंधों के दोषी हजारों पूर्व सैन्यकर्मियों को माफ कर दिया। बाइडन ने कहा कि वह 'एक ऐतिहासिक गलती को सुधार रहे हैं।'

बाइडन के इस कदम से उन सैनिकों को क्षमा मिली है, जिन्हें यूनिफॉर्म कोड ऑफ मिलिट्री जस्टिस के पूर्व अनुच्छेद 125 के तहत दोषी ठहराया गया था, जिसमें समलैंगिकता को अपराध माना जाता था। हालांकि अब इस कानून को निरस्त कर दिया गया है। अमेरिकी सेना में यह कानून 1951 में क्रियान्वित किया गया, साल 2013 में इसमें दोबारा संशोधन किया गया और इसमें केवल बलपूर्वक कृत्य पर रोक लगाई गई। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा इन सैन्यकर्मियों को माफ किए जाने से अब वे यह सबूत पाने की अर्जी दाखिल कर सकेंगे कि उनकी

दोषसिद्धि समाप्त कर दी गई है साथ ही वे वेतन तथा अन्य लाभ पाने के लिए भी आवेदन कर सकेंगे। बाइडन ने एक बयान में कहा, ''आज मैं अपने क्षमादान अधिकार का उपयोग करके कई पूर्व सैन्यकर्मियों को क्षमा करके एक ऐतिहासिक गलती को सुधार रहा हूं, जिन्हें केवल इसलिए दोषी ठहराया गया कि वे ऐसे हैं।''उन्होंने कहा, हमारे सभी सैनिकों के प्रति हमारा समान दायित्व है, इसमें हमारे एलजीबीटीक्यू समुदाय से आने वाले सैनिक भी शामिल हैं, जिन्हें किसी भी खतरे से निपटने के लिए उचित प्रशिक्षण दिया जाता है और जब तक वे घर वापस लौटते हैं तो उनकी और उनके परिवारों की देखभाल की जाती है। आज हम उस दिशा में प्रगति कर रहे हैं।

मॉर्डन मिलिट्री ने कहा कि यह निर्णय न्याय और समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। साथ ही उन्होंने सेना से भी जल्द क्षमा को मंजूरी देने का आह्वान किया। यह 'एलजीबीटीक्यू प्लस' सेवा सदस्यों और उनके परिवारों कासबसे बड़ा संगठन है।

कई मुखास्त्र ले जाने में सक्षम मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया: दक्षिण कोरिया

एजेंसी

वाशिंगटन। उत्तर कोरिया ने कहा कि उसने कई मुखास्त्र ले जाने में सक्षम मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया का यह बयान दक्षिण कोरिया की ओर से दिए गए उस बयान से ठीक विपरीत है जिसमें कहा गया था कि उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया लेकिन वह सफल नहीं रहा। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कहा कि 'मल्टीपिल इंडिपेंडेंट रीएंट्री व्हीकल' की क्षमता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक मुखास्त्र को पृथक करने और उस पर नियंत्रण की जांच संबंधी परीक्षण किया गया। समाचार एजेंसी ने अपनी खबर में कहा कि पृथक किए गए मुखास्त्रों को ''तीन समन्वित लक्ष्यों की ओर सही तरीके से आगे बढ़ाया गया।'' उत्तर कोरिया परीक्षण था। केसीएनए ने अपनी खबर में देश के मिसाइल प्रशासन के हवाले से कहा कि यह उत्तर कोरिया

का, कई मुखास्त्र ले जाने में सक्षम मिसाइल का यह पहला ऐसा प्रक्षेपण कार्यक्रम था जिसके बारे में जानकारी सामने आई है।

हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह अभी शुरुआती चरण का की मिसाइल ताकत को मजबूत करने तथा मिसाइल प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उत्तर कोरिया के इन बयान पर फिलहाल दक्षिण कोरिया ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बलूचिस्तान में पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड की पोस्ट पर आतंकी हमला, दो सुरक्षाकर्मी मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान के काकत जिले के इस्कालकु इलाके में पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड के तेल और गैस अन्वेषण स्थल की सुरक्षा करने वाली एक चौकी पर हुए आतंकी हमले में दो सुरक्षाकर्मी मारे गए। अधिकारियों ने कहा कि लगभग 50 हथियारबंद लोगों ने तड़के पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड क्षेत्र और फ्रंटियर कोर (एफसी) पोस्ट पर हमला किया। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के एक प्रवक्ता ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। डान समाचार पत्र ने अपनी रिपोर्ट में दूरदराज और दुर्गम क्षेत्र में हुई इस घटना की विस्तार से चर्चा की है। बलूचिस्तान के गृहमंत्री जियाउल्लाह लैंगोव ने क्वेटा में कहा है कि भारी गोलीबारी में दो एफसी

सैनिकों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि हमलावर चौकी पर तैनात सभी लोगों को बंधक बनाना चाहते थे। हमले शुरू होते ही बड़ी संख्या में सैनिकों को घटनास्थल पर भेजा गया। सैनिकों ने आतंकवादियों के प्रयास को विफल कर दिया।

उन्होंने कहा कि दो चौकियों पर एफसी के लगभग 20 जवान पीपीएल अन्वेषण परियोजना स्थल की रखवाली कर रहे थे। कई घंटों तक चली गोलीबारी के बाद 18 एफसी कर्मियों को चेक पोस्ट से सुरक्षित बचा लिया गया। जबकि दो शहीद हो गए। मंत्री लैंगोव ने कहा कि आतंकवादियों ने पहले काकत जिले के खलीकाबाद इलाके में एक एफसी शिविर पर हमला किया और रॉकेट दागे। यहां कोई जनहानि नहीं हुई। खलीकाबाद हमले के ठीक दो घंटे बाद लगभग 50 आतंकवादियों ने पीपीएल गैस अन्वेषण परियोजना स्थल की सुरक्षा करने वाली एफसी पोस्ट पर हमला किया। हालांकि, पीपीएल कर्मचारी वहां नहीं थे। उल्लेखनीय है कि उत्तर पश्चिमी बलूचिस्तान का काफी बड़ा भू-भाग पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास है। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा बोलन दर्रे के मार्ग पर स्थित है।

नेपाल के गृहमंत्री रवि लामिछाने को संसदीय जांच समिति ने बयान के लिए तलब किया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री रवि लामिछाने को संसदीय जांच समिति ने पत्र लिखकर बयान के लिए तलब किया है। लामिछाने की कंपनी पर सरकारी बैंकों के जरिए आर्थिक अनियमितता करने का आरोप है। संसदीय समिति इसी गोलमाल की जांच कर रही है।

समिति ने लामिछाने को एक हफ्ते के भीतर पेश होकर बयान दर्ज कराने को कहा है। संसदीय समिति के संयोजक सूर्य थापा ने कहा कि रवि लामिछाने को सभी दस्तावेजों सहित उपस्थित होने के लिए कहा गया है। समिति ने रवि लामिछाने की गोरखा मीडिया प्राइवेट लिमिटेड में गलत तरीके से निवेश करने वाली नौ सहकारी कंपनियों को दस्तावेज

उपलब्ध कराने को कहा है। इतना ही नहीं रवि लामिछाने के नाम पर व्यक्तिगत ऋण देने वाले चार सहकारी बैंकों से भी दस्तावेज मांगे गए हैं। गृहमंत्री रवि लामिछाने पर आरोप है कि उन्होंने अपने व्यवसायिक पार्टनर जीबी राई के साथ मिलकर गोरखा मीडिया नामक एक निजी कंपनी खोली। उसका मैनेजिंग डायरेक्टर रवि लामिछाने को बनाया गया।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नेपाल में भारी बारिश से तबाही, 14 लोगों की मौत; लामजमग में भूस्खलन की वजह से बह गए तीन घर

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश, भूस्खलन और बिजली गिरने के कारण 14 लोगों की मौत हो गई। भूस्खलन के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच की मौत बिजली गिरने से हुई। वहीं बाढ़ के कारण एक की जान चली गई। लामजमग जिले में रात भर हुए भूस्खलन में तीन घर बह गए। जिला प्रशासक बुद्ध बहादुर गुरुंग ने इसकी जानकारी दी।

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरएमए) के प्रवक्ता दीजन भट्टाराई ने कहा, 26 जून को हमने 44 मामले दर्ज किए, जिसमें 14 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। आठ की मौत भूस्खलन के कारण, बिजली गरजने से पांच की मौत और बाढ़ में डूबने से एक की मौत हो गई। भूस्खलन के कारण दो लोग लापता हो गए, जबकि अन्य 10 घायल है। नेपाल के गृह मंत्रालय के अनुसार, मानसून के शुरू होने के बाद भारी बारिश और भूस्खलन के कारण अबतक 27 लोगों की मौत हो चुकी है। इस दौरान 13 लोगों की मौत बिजली गिरने से हुई। मानसून के कारण 33 जिले बुरी तरह से प्रभावित हो गए। 17 दिन में अबतक बारिश से जुड़ी 147 घटनाएं दर्ज की जा चुकी है। बता दें कि हर साल नेपाल में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सैकड़ों लोगों की मौत होती है। हालांकि, यह पर्वतीय क्षेत्रों वाले देशों के लिए आम है।

अमेरिका में परिवार की हत्या की कोशिश करने वाले भारतीय मूल के डॉक्टर को जेल नहीं

वाशिंगटन।अमेरिका में कैलिफोर्निया प्रांत की एक अदालत ने भारतीय मूल के डॉक्टर धर्मेश पटेल को अपने परिवार की हत्या की कोशिश करने के मामले में जेल की सजा के बजाय मानसिक स्वास्थ्य उपचार कराने के आदेश दिया है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 43 वर्षीय डॉ पटेल ने दो जनवरी-2023 को अपनी कार को एक चट्टान से 250 फीट नीचे गिरा दिया था हालांकि वह स्वयं और कार में सवार उनकी पत्नी और दो बच्चे बच गये थे। सितम्बर में मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने हत्या के प्रयास के तीन मामलों में दोषी नहीं होने की दलील दी। अदालत ने आरोपी के स्किज़ोफेक्टिव डिसऑर्डर और अन्य प्रमुख अवसादग्रस्तता लक्षणों से पीड़ित होने संबंधी डॉक्टरों की रिपोर्टों का भी अध्ययन किया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक सैन मेटो काउंटी में सुपीरियर कोर्ट में दायर रिकॉर्ड के अनुसार डॉ पटेल को मानसिक स्वास्थ्य डायवर्जन के लिए पात्र पाया गया, जिसके तहत अपराध के लिए आरोपित व्यक्ति को उपचार कराने की अनुमति दी जाती है। प्रावधान के तहत अभियुक्त के मानसिक स्वास्थ्य उपचार के दौरान अभियोजन स्थगित कर दिया जाता है, और उसे पूरी तरह से खारिज किया जा सकता है।

सैम पित्रोदा को दोबारा ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने श्री सैम पित्रोदा को दोबारा ओवरसीज़ कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी।श्री वेणुगोपाल ने बयान में कहा कि श्री पित्रोदा की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से की गयी है। गौरतलब है कि श्री पित्रोदा ने इस वर्ष मई में चुनाव के दौरान अपने एक बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था।

रेल यात्रा वृत्तांत पर अखिल भारतीय स्तर की निबंध प्रतियोगिता

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने रेलकर्मियों सहित जनसाधारण के रेल यात्रा संबंधी अनुभव और हिंदी के प्रति रूचि को प्रोत्साहित करने तथा रेलवे की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना प्रारम्भ की है। योजना के तहत कोई भी भारतीय नागरिक रेल यात्रा से संबंधित संस्मरण ''रेल यात्रा वृत्तांत'' विषय पर न्यूनतम 3000 से अधिकतम 3500 शब्दों में एक निबंध टाइप कराकर दो प्रतियों में आगामी 31 जुलाई तक सहायक निदेशक, हिन्दी (प्रशिक्षण), काफमो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नयी दिल्ली-110002 पर भेज सकते हैं। रेलवे बोर्ड ने इसके लिए प्रथम पुरस्कार 10000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 8000 रुपये और तृतीय पुरस्कार 6000 रुपये तथा चार-चार हजार रुपये के पांच प्रेरणा पुरस्कार घोषित किये हैं।

धामी ने बिरला से की भेंट,दूसरे कार्यकाल की दी बधाई

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नयी दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भेंट कर उन्हें लोकसभा अध्यक्ष के रूप

में दूसरे कार्यकाल की बधाई व शुभकामनाएँ दीं। श्री धामी ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री बिरला के अनुभव का लाभ सदन व सांसदों को मिलेगा एवं उनके कुशल नेतृत्व में सदन की कार्यवाही व्यवस्थित व सुगम रूप से संचालित होगी और हमारे देश का महान लोकतंत्र और अधिक सशक्त होगा।

बाल रंग महोत्सव में बच्चों ने सामाजिक बुराइयों को किया उजागर

एजेंसी

नई दिल्ली। बाल रंगमंच की संस्था सेंटर आफ थियेटर आर्ट एंड चाइल्ड डवलपमेंट - उड़ान के बाल रंग महोत्सव में बच्चों ने नाटकों के मंचन से सामाजिक बुराइयों और समस्याओं को उजागर किया है।उड़ान ने यहां बताया कि महोत्सव में प्रख्यात रंगकर्मी संजय टुटेजा के दिशा निर्देशन और संयोजन में छह नाटकों का मंचन किया गया जिसमें बच्चों ने अपनी अभिनय प्रतिभा से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। बच्चों की प्रतिभा देख दर्शक गदगद हो गये और नाटकों के मंचन के काफी देर बाद तक अपनी कुर्सियों पर जमे रहे।

दिल्ली पुलिस में शामिल हुए 1353 नए पुलिसकर्मी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के झरोदा कलां स्थित दिल्ली पुलिस अकादमी में आज एक बड़े पासिंग आउट परेड का आयोजन हुआ, जिसमें कुल 1355 नए पुलिसकर्मी इस परेड में शामिल हुए। उन्होंने दिल्ली पुलिस अकादमी में अपनी अपनी ट्रेनिंग पूरी की है। इनमें से 1353 पुलिसकर्मी दिल्ली पुलिस के अलग-अलग पदों पर भर्ती हुए हैं। जबकि दो पुलिसकर्मी दमन एवं दीव पुलिस के हैं, उनकी ट्रेनिंग भी दिल्ली पुलिस अकादमी में हुई है।

करीब चार हजार लोगों के बीच इस पासिंग आउट परेड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर दीपेंद्र पाठक ने मार्चिंग दस्ता की सलामी ली। इसमें कई पुलिस अधिकारियों के अलावा ट्रेंड हुए पुलिसकर्मी के परिवार वाले और इस अकादमी में ट्रेनिंग ले रहे पुलिसकर्मी भी शामिल थे। जो पुलिसकर्मी यहां ट्रेंड हुए हैं, उन्हें साइबर सिक्योरिटी, ऑनलाइन क्राइम के अलावा 01 जुलाई से लागू होने जा रहे नए कानून को लेकर भी पूरी

जानकारी दी गई है और इसके लिए उन्हें ट्रेंड किया गया है। इन 1355 पुलिसकर्मियों में से 92 पोस्ट ग्रेजुएट की पढ़ाई कर चुके हैं। जबकि 1000 पुलिसकर्मी ग्रेजुएट हैं। ज्वाइंट डायरेक्टर आसिफ मोहम्मद अली ने इस कार्यक्रम में शुरुआत की और डिप्टी डायरेक्टर- 1 जितेंद्र मणि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर भवानी सिंह राठौड़ भी शामिल हुए।

इस अवसर पर स्पेशल पुलिस कमिश्नर दीपेंद्र पाठक ने परेड को संबोधित करते हुए उन्हें कई तरह की नई जानकारियां दी और भर्ती हुए सभी नए पुलिसकर्मी के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। अलग-अलग प्रतियोगिता में बेस्ट परफोर्मेंस देने वाले पुलिसकर्मी को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित भी किया गया।

दिल्ली पुलिस के इतिहास में पहली बार 15 दिव्यांग हुए भर्ती

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के इतिहास में पहली बार दिव्यांगों की भर्ती हुई है। हेड कांस्टेबल मिनिस्ट्रियल की भर्ती में 15 पुलिसकर्मी शामिल हैं। इनमें पांच

महिलाएं शामिल हैं। उनकी ट्रेनिंग भी हेड कांस्टेबल मिनिस्ट्रियल के साथ हुई है, लेकिन आउटडोर ट्रेनिंग नहीं की गई है। यह सभी ड्यूटी करेंगे लॉ एंड ऑर्डर छोड़कर, इनका काम सिविलियन वर्क होगा। दिल्ली पुलिस का समानता के रूप में यह बढ़ता हुआ एक और कदम है। इन 15 में से एक लड़की व्हील चेयर पर है।

ये तो तानाशाही है- सुनीता केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। केजरीवाल की गिरफ्तार के

बाद उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने 'एक्स' पोस्ट कर कहा कि ये तानाशाही है, इमरजेंसी है। सुनीता केजरीवाल ने 'एक्स' पर लिखा 20 जून अरविंद केजरीवाल को बेल मिली। तुरंत ईडी ने स्टे लगवा लिया। अगले ही दिन सीबीआई ने आरोपित बना दिया और आज गिरफ़्तार कर लिया। पूरा तंत्र इस कोशिश में है कि बंदा जेल से बाहर ना आ जाये। ये क़ानून नहीं है। ये तानाशाही है, इमरजेंसी है।

मेट्रो स्टेशन के नजदीक बड़ा हादसा टला

मेहरौली बदरपुर रोड पर डीटीसी की बस 10 से 15 फीट गड्ढे में फंसी

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अभी मानसून की शुरुआत भी नहीं हुई है, लेकिन उससे पहले ही दिल्ली की सड़कों का धंसने का सिलसिला शुरू हो गया है। सुबह करीब 7:00 बजे दिल्ली की सबसे व्यस्ततम सड़क मेहरौली बदरपुर रोड पर डीटीसी इलेक्ट्रिक बस लगभग 10 से 15 फीट गड्ढे में चली गई। घटना मेहरौली बदरपुर रोड साकेत मेट्रो स्टेशन के पास की है। हालांकि इससे कोई जान-माल का नुकसान नही हुआ।

जब डीटीसी 419 रूट नंबर की बस कश्मीरी गेट से लाडो सराय की ओर जा रही थी जैसे ही बस साकेत मेट्रो स्टेशन फुट ओवरब्रिज के पास पहुंची तो एकाएक सड़क धंस गई और बस करीब 15 से 20 फीट गड्ढे में चली गई।

हालांकि गनीमत रही की जिस वक्त यह घटना हुई, उस वक्त बस में चार से पांच ही लोग सवार थे। क्योंकि बस अपने गंतव्य से कुछ दूरी पर थी। इस घटना के बाद भी कई घंटे तक कोई भी मदद अभी तक नहीं पहुंची है बस के गड्ढे में जाने से

मेहरौली बदरपुर रोड पर तकरीबन 4 से 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे सुबह के वक्त इस सड़क से आने जाने वाले लोगों काफी दिक्कत हुई। मीडिया से बात करते हुए बस के ड्राइवर भूपेंद्र चौहान ने बताया कि हमने मेट्रो की सवारी जैसे ही उतारी और थोड़ा ही आगे बस बढ़ी कि आगे चलने पर ही चलते-चलते सड़क धंस गई और देखते-देखते बस उस गड्ढे में समा गई। जिसके बाद गड्ढे से पानी निकलने लगा। सुबह 7:00 बजे यह सड़क धंसी थी और तब से कोई मदद नहीं पहुंची जिसकी वजह से पीछे काफी लंबा जाम लग गया।

ड्राइवर ने बताया कि जिस वक्त बस गड्ढे में धंसी थी उस वक्त बस में चार से पांच सवार थे इसीलिए किसी को कोई चोट नहीं आयी। उन्होंने बताया कि बस 419 रूट नंबर की है और यह कश्मीरी गेट से लाड़ो सराय की ओर जा रही थी।

हरियाणा में 70 से ज्यादा सीट जीतकर बनाएंगे सरकार : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरु करते हुए विश्वास जताया है कि वहां भाजपा सरकार से लोग जिस तरह से नाराज हैं उससे साफ है कि कांग्रेस 70 से ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बनाएगी।

हरियाणा के वरिष्ठ नेताओं के साथ आज यहां पार्टी मुख्यालय में हुई बैठक में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं में हरियाणा में स्थिति का जायजा लिया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और महासचिव केसी वेणुगोपाल हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी दीपक बावरिया, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा, प्रदेश अध्यक्ष उदय भान, ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह एवं सांसद दीपेंद्र हुड्डा। सहित कई प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद श्री खडगे ने कहा हरियाणा के किसानों और नौजवानों को भाजपा ने धोखा दिया है। आने वाले चुनाव में हमें सभी छत्तीस बिरादरी के लोगों का विश्वास हासिल करना है। भाजपा के दस वर्षों के शासन ने हरियाणा के विकास को रोक दिया है। सैकड़ों भर्ती परीक्षाओं में धांधली हुई है, किसानों पर घोर अत्याचार हुए हैं, लाठियां बरसाई गई , दलितों, पिछड़ों और महिलाओं पर अत्याचार हुए हैं तथा अपराधों में तेज़ी आई है। इस कुशासन के चलते हरियाणा विकास के रास्ते से भटक गया है। मोदी जी ने अन्नदाता किसानों का एमएसपी डेढ़ गुना करने का वादा हरियाणा में ही किया था, पर आज तक पूरा नहीं हुआ। हमारे ओलंपिक चैंपियनों को अपने सम्मान के लिए सड़कों पर धरना देना पड़ा।

श्री वेणुगोपाल ने कहा बैठक में सभी नेताओं को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि वे पार्टी के किसी भी मतभेद या आंतरिक मामलों के बारे में कोई भी सार्वजनिक बयान न दें। हम एकजुट होकर भाजपा का डटकर मुकाबला करेंगे। श्री बाबरिया ने कहा लोकसभा चुनाव में हरियाणा में कांग्रेस को 47.69 प्रतिशत वोट मिले हैं जो 2019 के मुकाबले 19 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि है। आने वाले चुनाव में 70 से ज्यादा सीटों के साथ हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनेगी।

धामी ने भूपेंद्र से किया मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नयी दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से भेंट कर उन्हें पुनः पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का दायित्व मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस दौरान, केंद्रीय उपक्रमों द्वारा गैर वानिकी परियोजनाओं के लिए वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताओं को अनुमोदन का अनुरोध भी किया।

श्री यादव को श्री धामी ने अवगत कराया कि वर्तमान में जौलीग्रांट एयर पोर्ट के विस्तारीकरण का कार्य गतिमान है। जिसके लिये वन विभाग की 87.0815 है0 भूमि का हस्तान्तरण किया जाना है। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट के विस्तारीकरण हेतु आस-पास के क्षेत्रों की कुल 96.2182

है0 भूमि में से 87.0815 है0 भूमि वन विभाग की भी अधिग्रहण की जानी है। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार और वन विभाग के पक्ष में निर्णय पारित किया जा चुका है। न्यायालय के उक्त निर्णय के उपरान्त जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट के विस्तारण हेतु वन विभाग की उक्त 87.0815 है0 भूमि नागरिक विभाग को हस्तान्तरण करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं है।

खंडेलवाल ने आपातकाल पर निंदा प्रस्ताव के लिए लोक सभा अध्यक्ष की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के चांदनी चौक लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने आपातकाल लागू करने और उसके बाद की गई ज्यादतियों का निंदा प्रस्ताव पेश करने के लिए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला की सराहना की। खंडेलवाल ने कहा कि लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के द्वारा देश में लागू किए गए आपातकाल के काल खंड को भारतीय लोकतंत्र पर एक काला धब्बा बताया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष की यह पहल हमारे राष्ट्र की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय को स्वीकारने और उस पर विचार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भाजपा सांसद खंडेलवाल ने कहा कि 1975 से 1977 तक देश में लगाया गया आपातकाल वह समय था, जब हमारे लोकतांत्रिक सिद्धांतों का निर्ममतापूर्वक गला घोंटा गया था। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि हम इस अवधि को याद रखें और इससे सीख लें, ताकि लोकतांत्रिक अधिकारों और स्वतंत्रता का ऐसा उल्लंघन फिर कभी न हो। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष ओम बिरला का प्रस्ताव हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थानों की रक्षा के महत्व की एक शक्तिशाली याद दिलाता है। इस अवधि को स्मरण कर, हम न केवल उन लोगों के साहस और दृढ़ता का सम्मान करते हैं, जिन्होंने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई, बल्कि लोकतंत्र, पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करते हैं।उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव हमारे सामूहिक संकल्प का प्रमाण है कि हम हर नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करेंगे और उन्हें बनाए रखेंगे। ऐसे कदमों के माध्यम से ही हम अपने लोकतंत्र को मजबूत कर सकते हैं। इसके साथ यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपातकाल के दौरान किए गए बलिदान कभी भूले नहीं जाएंगे।

गाजियाबाद में लव जिहाद : धर्म छिपाकर युवती से की शादी, फिर पीड़िता से की हैवानियत

गाजियाबाद। गाजियाबाद में थाना अंकुर विहार क्षेत्र की एक कॉलोनी में लव जिहाद का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि युवक ने धर्म छिपाकर युवती से शादी की। जब युवती को सच्चाई का पता चला तो उसने विरोध किया। इस पर आरोपी ने युवती की बेरहमी से पिटाई कर दी। पीड़िता ने आरोपी युवक के खिलाफ थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक युवती की एक साल पहले नरेश उर्फ समीर से दोस्ती हुई थी। बाद में पता चला कि समीर ने अपना नाम बदलकर खुद को नरेश निवासी सीमापुरी दिल्ली बताया था। बाद में दोनों की मुलाकात हुई। समीर रोजाना युवती से फोन पर बात करने लगा। युवती पहले दिल्ली के मानसरोवर पार्क स्थित एक फैक्ट्री में काम करती थी, लेकिन बाद में आरोपी ने उसे अपने साथ फैक्ट्री में नौकरी लगवा दी। इसके बाद आरोपी उसके घर आने-जाने लगा। आरोप है कि 13 मार्च को आरोपी ने युवती से शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए और किसी को न बताने की धमकी दी। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो उसने शादी का आश्वासन दिया। 23 मई को आरोपी युवती को हरिद्वार ले गया और अगले दिन शिव मंदिर में उससे शादी कर ली।

Name Change
I, MD MUKIM S/o MOHD ISSAQUE R/o R Z- 25 B BLOCK ARJUN PARK NAJAFGARH SOUTH WEST DELHI , DELHI - 110043 have Change my name to MOHD MUKIM for all future purposes

Name Change
I Sanjeev Kumar S/o Vinod Kumar Nayyar R/o 12/27/1-C, Street No-4, Chandu Park, Krishna Nagar, Shahdara, Delhi-110051 Have Changed My Name to Sanjeev Nayyar for All Future Purposes.

Name Change
I, SURENDAR KUMAR is legally son of No. 13769196W Rank-HAV, Name- ASHOK KUMAR R/o VPO-HUSENPUR, TEH-GHAZIPUR, DIST-GHAZIPUR STATE-UTTAR PRADESH), have changed my name from SURENDAR KUMAR to SURENDRA KUMAR Vide Affidavit No. IN-DL09484468532273W Dated 27/06/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I Raj Kishore, S/o Kaledin , Add.B-342, Balbir Vihar, Rohini Sector-20 North West Delhi-110086, I have changed my Name to Raj Kishor for all future purposes

Name Change
I, ARTI ISRANI W/O KAMLESH LALCHANDANI residing at P 901 PARK GRANDEURA SECTOR 82 FARIDABAD HARYANA-121002 have changed my name to ARTI LALCHANDANI for all future purposes

Name Change
I Susheel Kumar Agrahari , S/O. Lt. Shri Keshao Lal Gupta, Add.Plot No-10 A, UG/F, Rajendra Park Extn. Nangloi, West Delhi, Delhi-110041, I have changed my Name to Susheel Agrahari for all future purposes.

Name Change
I, MOHHMAD HUSSAIN S/o MOHD MUKIM R/o R Z- 25 B BLOCK ARJUN PARK NAJAFGARH SOUTH WEST DELHI , DELHI - 110043 have Change my name to MOHD HUSSAIN for all future purposes

Name Change
I hitherto known as Jai kanvar alias Jai kumar S/O Karan Singh,R/O Near Railway Station HOUSE NO-717,VPO- GHEVRA, North West Delhi,Delhi-110081,have changed my name and shall hereafter be known as Jai Kumar.

Name Change
I, YASMIN W/O FARID KHAN R/O H NO.C-12/133, C-12 BLOCK, YAMUNA VIHAR, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME YASMEEN KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

Name Change
I, No. 15443136X Rank-NK Name-MAHAN SINGH S/o KRISHAN LAL Presently residing at 147, WARD 4, KUMHARON KA MOHALLA, VILL-RATANPURA, PO-SHERPURA, TEH-BHADRA, DIST-HANUMANGARH, RAJASTHAN-335501, have changed my mother's name from BUGAL to BUGAL DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 27/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MOHAMMAD HASIN RAHMANI S/O MOHD HANEEF residing at H-722 SECOND FLOOR KHADDA COLONY SHAMSUL ROAD JAITPUR PART -2 BADARPUR DELHI-110044 have changed my name to MOHD HASEEN RAHMANI for all future purposes

Name Change
I, RAHUL JAIN S/O ASHOK KUMAR residing at H.NO-D 43A, GALI NO-5, WEST CHANDER NAGAR, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name to RAHUL for all future purposes

Name Change
I, AJEET SINGH S/O MOHINDER SINGH residing at B-29 GHARONDA APARTMENT SHRESHTHA VIHAR, DELHI-110092 have changed my name to AJEET SINGH SAINI all future purposes

Name Change
I, No. 14835008H Rank-HAV Name-SANTHOSH S/o MANIK Presently residing at TA BHALKI, GORCHINCHOLI, BIDAR, KARNATAKA-585411, have changed my mother's name from SUMAN to SUMANABAI for all future purposes vide Affidavit dated 27/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, ANNU KUMARI W/O SACHIN residing at H NO-852 SECTOR-15 SONIPAT have changed my minor daughter name from DRISHA TO DRISHA PHOUGHAT for all future purposes

Name Change
I, 14832075H Rank-NK Name-SRIKANTA KUMAR JANA S/o RABINDRA NATH JANA Presently residing at VPO-KHASBARH, TEH-GHATAL, DIST-PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL-721212, have changed my mother's name from USYA RANI JANA to USHA JANA for all future purposes vide Affidavit dated 27/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MITHLESH VERMA wife of Sh. ARUN VERMA R/O WZ-72/6, GALI NO. 2, MOHAN NAGAR, PANKHA ROAD, NEW DELHI-110046 have changed my name from MITHLESH to MITHLESH VERMA for all future purpose.

Name Change
I hitherto known as Km Sumana alias Suman D/O Chandra Bhan Singh W/O Vinod Kumar,R/O B-166/5, KATARIYA ROAD, PREM NAGAR-2 Kiradi Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086 have changed my name and shall hereafter be known as Km SUMANA.

Name Change
I, SHYAMOLI DEVI wife of NO-14837540N Rank-HAV Name-KH SOYTOJIT SINGHA R/O VILL-SIBPUR PT I, PO-LALANG PT II, SIBPUR PT II, DIST-CACHAR, ASSAM-788098 have changed my name from SHYAMOLI DEVI to KH SHYAMOLI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MANBIR SINGH son of Sh. NARINDER SINGH R/O 7042, THE BHAGWATI CGHS LTD, PLOT NO 8, DWARKA SECTOR 19 B, DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110075 have changed my name from MANBIR SINGH CHEEMA to MANBIR SINGH for all future purpose.

Name Change
I hitherto known as Shobhraj alias Abhishek S/O Sarvesh Sharma Bhardwaj, R/O H No V- 157/A/3, Arvind Nagar Ghonda, Maujpur,North East Delhi, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known Abhishek.

Name Change
It is for general information that I, SHANTI LAKRA W/O Late YASHWANT LAKRA R/O Quarter No-14, Type-1 Police Colony, Vasant Vihar-1, South West Delhi, Delhi-110057 declare that name of mine has been wrongly written as SHANTI KUMARI in my Service Record. The actual name mine is SHANTI LAKRA which may be amended accordingly.

Name Change
It is for general information that I, YUVRAJ SINGH TOMAR S/o NAVEEN TOMAR residing at House No. -483 , Arun Vihar, Noida Sector-37, Dist. -Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201303 declare that the name of mine has been wrongly written as YUVRAJ SINGH in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of mine is YUVRAJ SINGH TOMAR which may be amended accordingly.

Name Change
I RAJENDER S/O MOHAR LAL R/O VILLAGE JHARSAINTLY MOH 7 BISA, BALLABGARH, FARIDABAD HARYANA-121004 HAVE CHANGE MY NAME TO RAJENDER SINGH FOR ALL PURPOSE.

Name Change
I, VIJAY KUMAR MALHOTRA S/o RAM DUTT MALHOTRA R/o 110, SAVITA VIHAR, DELHI-110092 have Change my name to VIJAY MALHOTRA for all future purposes

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल मोहम्मद लतीफ सुपुत्र स्व0 श्री रशीद अहमद ,निवासी ई -42/60 इंडस्ट्रियल एरिया,सोनिया कैंप, पुरानी सीमापुरी,दिल्ली -- 110095 ने अपने पुत्र आशिक उम्र 28 वर्ष को उसके गलत आचरण व दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी सभी चल अचल संपति से बेदखल कर दिया है।भविष्य में कोई भी व्यक्ति उससे लेन देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

Name Change
It is for general information that I, RAJESH KUMAR S/o MOHAN LAL, R/o Near Bipin Chandra Pal Memo, Trust-B-19/48, D.D.A Flats, Chittaranjan Park, South Delhi, Delhi-110019 declare that name of my wife has been wrongly written as RITU in my PPO No. 458. The actual name of my wife is RITU BALA, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
That my client Shri Prabhu Nath S/o Late Shri Bikau Singh resident of 18/129, Trilok Puri, New Delhi-110091 disowned his son Ankit aged about 28 years and his family from all moveable & immoveable properties and has severed all relations with them. If anybody deals with them shall be doing at his /her own cost and risks.
Sd/-
Harjinder Pal Singh (Advocate)
Chamber No. 774 Western Wing,
Tis Hazari Courts, Delhi-110054
Mobile: 9958833227

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public Mrs. Arti W/o Mr. Yashpal Singh is the purchasing the Property as Residential Flat No. 203SF on Second Floor Block-D, Super area measuring 30 Sq. Mtrs. Situated at Sector-03, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar. Uttar Pradesh. who has lost Allotment Letter dated 17.08.2009 in favour of Mr. Arti Sharma. In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 7 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object as mentioned above.
Mrs. Arti W/o Mr. Yashpal Singh
Flat No. 140, Second Floor, Punchmukhi Apartment, Sector-3, Greater Noida West U.P.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा यू/एस 82 (2) (ii) CrPC देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संजीव गौतम पुत्र बाबू राम निवासी मकान न.- 33, सेक्टर-16, बसुधरा, गाजियबाद, उ.प्र और लक्ष्मी गौशाला, प्लाट न. 56, पुरानी बस्ती, बाग मुगालियन, सामने हाऊसिंग सोसाइटी, निकट रामदेव मंदिर, तहसील हूजूर, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **Case.Reg.No. 7846-16 U/s 138 NI Act** के तहत एक मामला **थाना केशव पुरम** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि उक्त **संजीव गौतम** नहीं मिला और जबकि यह मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **संजीव गौतमू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है), इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि अभियुक्त **संजीव गौतम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.08.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
श्रीमति दिव्या अरोरा
एमएम पूर्व पश्चिम-04
कमरा न. 112, पहली मंजिल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/7594/NW/2024

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती मीनू अग्रवाल पत्नी श्री रवि अग्रवाल 1000 वर्ग गज, खसरा नंबर 891 के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट की मालिक हैं, जो दिल्ली के विस्तारित लाल डोरा के नाम से जाने जाने वाले गांव रिठाला आबादी के क्षेत्र में स्थित है। बिक्री विलेख दिनांक 28.02.2012 को दस्तावेज़ संख्या 2576, खंड संख्या 5200 पृष्ठ संख्या 140-145 एसआर- VI-सी, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेज़ में उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्रीमती जानकी देवी और श्री साधु राम का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसका वित्तपोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा एनएसपी दिल्ली द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

व्यापारियों की मांग पर एक्शन मोड पर प्रशासन

एजेंसी

रेवाड़ी। शहर के मुख्य बाजार में जलभराव की समस्या को लेकर प्रशासन एक्शन मोड़ में आ गया है। नगर परिषद की टीम रेलवे रोड से लेकर गोकल गेट तक होने वाली जलभराव की समस्या से निपटने के लिए मौके पर पहुंची। कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक, नगर परिषद के सचिव, एक्सईएन, सीएसआई, जेई व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। व्यापारियों ने अधिकारियों से बातचीत करते हुए कहा कि रेलवे चौक से लेकर गोकल गेट और मोती चौक तक जलभराव की सबसे बड़ी समस्या है। बरसात के मौसम में यहां के हालात बहुत खराब रहते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार नगर परिषद ने बरसात के मौसम से पहले नालों की सफाई भी नहीं करवाई है। इस पर कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक ने नालों की तुरंत सफाई करवाने के आदेश दिए।

स्नातक कक्षाओं में दाखिला लेने की अंतिम तिथि बढ़ी

चंडीगढ़। उच्चतर शिक्षा विभाग ने स्नातक कक्षाओं के दाखिला लेने की अवधि बढ़ो दी है। वर्ष 2024-25 के शैक्षणिक सत्र के लिए अब 30 जून तक आवेदन करने का मौका दिया गया है। हालांकि पहले यह तिथि 25 जून निर्धारित की गई थी। प्रदेश के 344 कालेजों में 85 कोर्सों के लिए आनलाइन दाखिला पोर्टल पर 25 जून तक आवेदन का मौका था। अब उच्चतर शिक्षा विभाग ने दाखिला लेने का समय बढ़ा दिया है। इसको लेकर अधिसूचना जारी दी गई है। 30 जून तक दाखिला पोर्टल खुला रहेगा। उच्चतर शिक्षा विभाग के दाखिला पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक अभी तक एक लाख 26 हजार 18 पंजीकरण हुए हैं। भी 1651 युवाओं ने दाखिले के लिए अपना पंजीकरण कराया है। फिलहाल एक लाख 12 हजार 167 एप्लीकेशन पूरी हो चुकी हैं, जिसमें एक लाख एक हजार 354 एप्लीकेशन कालेजों द्वारा वेरीफाइ कर दी गई हैं और 4277 एप्लीकेशन पर आपत्ति हैं, जिन्हें अभ्यार्थियों को त्रुटियां ठीक कराने का मौका दिया गया है। पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक 10 हजार 814 एप्लीकेशन वेरीफिकेशन के लिए पेडिंग हैं।

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत आवेदकों को 1677 प्लॉट आवंटित

पलवल। हाउसिंग फॉर ऑल विभाग, हरियाणा द्वारा मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना (प्रथम चरण) के तहत जिले में विधवा श्रेणी, घुमंतु और अनुसूचित जाति के 1677 आवेदकों को नेताजी सुभाषचंद्र बोस इनडोर स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्लॉट आवंटित किए गए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उद्योग एवं वाणिज्य, श्रम, खाद्य व नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले मंत्री मूलचंद शर्मा ने लाभार्थियों को प्लॉटों के प्रमाण-पत्र सौंपे। इस दौरान रोहतक में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के वर्चुअल माध्यम से सभी लाभार्थियों को संबोधित किया। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों की हितैषी है और गरीब, मजदूरों और किसानों के लिए अनेक योजनाएं लागू कर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही है।

क्रीमीलेयर की सीमा बढ़ाकर सरकार ने ओबीसी की पुरानी मांग पूरी की: रणबीर गंगवा

कैथल। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने क्रीमीलेयर की सीमा बढ़ाकर ओबीसी समाज की पुरानी मांग को पूरा किया है। सरकार ने अब क्रीमिलेयर की वार्षिक आय सीमा सभी स्त्रोतों से छह से बढ़ाकर आठ लाख रुपये करने से ओबीसी समाज को बहुत फायदा पहुंचेगा। प्रदेश सरकार दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के मूलमंत्र पर काम कर रही है। वे कैथल में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अब तक भारत सरकार की तर्ज पर इस आय में वेतन और कृषि से होने वाली आय को शामिल नहीं किया जाएगा, जिससे लाखों लोगों को लाभ होगा। सरकार ने यह घोषणा भी की है कि ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के पदों में पिछड़े वर्गों का आरक्षण 15 प्रतिशत है। अब इसे केंद्र सरकार की तर्ज पर 15 प्रतिशत से बढ़ाकर सभी पिछड़े वर्गों के लिए 27 प्रतिशत किया जाएगा। इसके अलावा, नौकरियों में पिछड़ा वर्ग-ए और बी के बैकलाग को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाएगा।

खाना बनाते वक्त फटा रसोई गैस सिलेंडर, कोई जानी नुकसान नहीं

यमुनानगर। गांधीनगर थाना के अंतर्गत शिवनगर कॉलोनी में एक मकान में रसोई गैस का सिलेंडर फटने से सनसनी फैल गई। जिसमें घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। गनीमत यह रही की कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। अग्निशमन की गाड़ी को मौके पर बुलाया गया और आग पर काबू पाया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मकान में किराएदार के रूप में रह रही अनीता ने बताया कि वह बुधवार यानी आज दोपहर को खाना बनाने के लिए कमरे में गैस जलाने लगी तो उस समय सिलेंडर के रेगुलेटर ने आग पकड़ ली। उस समय उसका पति, दोनों बेटे, देवर भी उसी कमरे में थे। जिससे घबराकर में वें सभी चिल्लाते हुए बाहर की और भागे। मकान मालिक के बेटे विशाल ने रेता डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन जब तक वह पड़ोसियों को बुलाने गया तब तक सिलेंडर ब्लास्ट हो चुका था।

एचपीपीसी की बैठक में बड़ा फैसला, पुलिस को मिलेंगे बुलेट प्रूफ गाड़ियां और कॉलेजों को कंप्यूटर

हाईपावर परचेज कमेटी की बैठक में 1500 करोड़ की खरीद पर मुहर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने स्कूलों में विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइंस स्ट्रीम के 729 क्लस्टर स्कूलों में जल्द ही बायोलॉजी और केमिस्ट्री लैब में नए उपकरण लगाने का फैसला किया है। इसके साथ ही पुलिस के बुलेट प्रूफ गाड़िया, वाटर कैनन और वज्र वाहन खरीदने को भी मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह की अध्यक्षता में हुई हाईपावर परचेज कमेटी (एचपीपीसी) की बैठक में कई फैसले लिए गए। बैठक के बाद सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि जनरल साइंस लैब के लिए भी लगभग 10 करोड़ रुपये के उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी गई है। बैठक में कॉलेजों के लिए भी 3836 कंप्यूटर की खरीद के लिए भी

लगभग 24 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बच्चों को गुणवत्तापूर्क शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और विज्ञान, गणित विषयों पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

सरकार ने आपात स्थिति से निपटने के लिए हरियाणा पुलिस को आधुनिक उपकरणों से लैस करने जा रही है। बैठक में पुलिस विभाग के लिए आठ वाटर कैनन, नौ वज्र वाहन, 14 ट्रक और तीन बुलेट प्रूफ वाहन की खरीद को भी मंजूरी दी गई। इन सभी वाहनों की खरीद पर लगभग 11 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा, 695 कंप्यूटर, 1100 ई-चालान मशीनें और अन्य उपकरणों की खरीद को भी मंजूरी दी गई है। इन पर लगभग 14 करोड़ रुपये की लागत आएगी। उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) और विभागीय उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (डीएचपीपीसी) की बैठक में कुल 1500 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट तथा विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री कंवर पाल, मूलचंद शर्मा, रणजीत सिंह, जे.पी दलाल, डॉ.बनवारी लाल, राज्य मंत्री श्रीमती सीमा त्रिखा,महिपाल ढांडा और असीम गोयल नन्यौला भी उपस्थित रहे।

गांवों में स्थापित होंगे 468 इंडोर जिम

राज्य सरकार ग्रामीण अंचल में किए जा रहे प्रकल्पों जैसे योग एवं व्यायामशालाएं, लाइब्रेरी बनाना व वेलनेस सेंटर इत्यादि बनवा रही है। इसी कड़ी में पंचायतों में इंडोर जिम स्थापित करने की भी योजना है। इसके तहत जल्द ही गांवों में 468 इंडोर जिम स्थापित किए जाएंगे, जिसके लिए आज लगभग 50 करोड़ रुपये से अधिक के जिम उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी गई है। इंडोर जिम में 25 प्रकार के उपकरण लगाए जाएंगे।

एक दशक पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों से अब नहीं होगी रिकवरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए दस साल पहले सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों से रिकवरी पर रोक लगा दी है। वित्त विभाग ने सभी ट्रेजरी अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से रिकवरी रोकने का निर्देश दिया है। हरियाणा में नियमानुसार सेवानिवृत्ति के समय सरकारी कर्मचारी अपनी मासिक पेंशन की अधिकतम 40 प्रतिशत राशि अग्रिम ले सकते हैं। सरकार दस साल के अंदर इस राशि की रिकवरी करती है। ट्रेजरी अधिकारी उन सेवानिवृत्त कर्मचारियों से भी पेंशन के कम्यूटेड वेल्यू की राशि वसूल रहे थे, जिनकी सेवानिवृत्ति को 15 साल हो चुके हैं। कम्यूटेड वेल्यू का तात्पर्य उस अनुमानित राशि से है जो किसी संगठन को अपने पेंशन दायित्वों को पूरा करने के लिए चाहिए, यदि उन्हें एकमुश्त भुगतान किया जाता है। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी को एकमुश्त भुगतान या नियमित पेंशन भुगतान लेने का विकल्प दिया जा सकता है।

प्री-मानसून की पहली बारिश ने प्रशासन के दावों को किया पानी-पानी

एजेंसी

जींद। जिले में हुई प्रीम मानसून की बारिश ने प्रशासन के दावों को पानी-पानी कर दिया। जिले में औसतन 27 एमएम बारिश दर्ज की गई। जींद व उचाना में सबसे ज्यादा 45 एमएम बारिश दर्ज की गई। बुधवार का जींद में 45 एमएम, नरवाना में 17 एमएम, सफीदों में 15 एमएम, जुलाना में 32 एमएम, उचाना में 45 एमएम, अलेवा में चार एमएम, पिल्लूखेड़ा में बूंदाबांदी हुई।

अधिकतम तापमान 36 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 28 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 59 प्रतिशत तथा हवा की गति 11 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आकाश मे बादल छाए रहेगे ओर बारिश की भी संभावना है। प्री-मानसून की पहली बारिश ने सुबह गर्मी से राहत देने का कार्य किया। जिसने पूरे शहर को के साथ अधिकरियों के पानी निकासी के दावों को भी धो डाला। शहर की सड़कें जलमग्र हो गई। लोगों के घरो में पानी घुस गया। बिजली व्यवस्था चौपट हो गई। सड़कों पर दो से अढाई फूट तक पानी खड़ा हो गया।

कुछ स्थानों पर हालात यहा तक रहे कि पानी देर शाम तक नही उतरा।

नाले अवरूद्ध होने तथा सफाई न होने के नाले जवाब दे गए। सड़कों पर खड़े पानी से आमजन के साथ वाहन चालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर मे हुए जल भराव ने पानी निकासी के दावो की भी पोल खोल कर रख दी है। प्री मानसून बारिश से शहर का कुछ हिस्सा नही बल्कि पूरे शहर की व्यवस्था चौपट हो गई। शहर का नरवाना रोड पर दो से तीन फूट पानी जमा हो गया।

अपोला रोड, रोहतक रोड, पटियाला चौक बरसाती नाले की तरह नजर आया। पटियाला चौक से जाट स्कूल, जयंती देवी मंदिर से पुरानी सब्जी मंडी तक सड़क लबालब भर गई। यही हालात स्कीम नबर पांच व छह, अर्बन एस्टेट, डिफेंस कालोनी, हाउसिंग बोर्ड के अलावा शहर की बाहरी बस्तियों में भी पानी जमा हो गया। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि प्री मानसून से फसलों को फायदा पहुंचा है।

अगले 24 घंटों में मानसून भी दस्तक दे देगी। आकाश में बादल छाए रहेंगे। जब तक अच्छी बारिश नही होती तब तक उमस परेशान करेगी। किसानों के लिए धान लगाने का अच्छा समय है।

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक स्थान बदला, अब पंचकूला में होगी

अमित शाह की अध्यक्षता वाली बैठक में शामिल होंगे सभी विधायक, सांसद और मंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी की 29 जून को कुरूक्षेत्र में होने वाली बैठक अब पंचकूला में होगी। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने बैठक स्थल का दौरा करके तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। भारतीय जनता पार्टी की बैठक कुरुक्षेत्र में होनी थी, लेकिन बैठक का स्थान बदलकर पंचकूला कर दिया गया है। इस बैठक में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल होगी।

बैठक का मुख्य एजेंडा हरियाणा में अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप देना है। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के अलावा हरियाणा से पार्टी में सभी चार राष्ट्रीय सचिव, विधायक, सांसद तथा मंत्री भाग लेंगे। हरियाणा विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने अभी से रणनीति बनानी शुरू कर दी है। 29 जून को पंचकूला में गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में जिला तथा मंडल स्तर के करीब ढाई हजार

कार्यकर्ता व नेता भाग लेंगे। बैठक में ओपन हाउस भी रखा गया है। जिसके चलते विधायक, सांसद तथा मंत्री अपने-अपने क्षेत्रों का फीडबैक इस बैठक में देंगे। भाजपा हालही में रोहतक में आयोजित बैठक में 60 सीटों पर जीत का लक्ष्य तय कर चुकी है। पिछले अनुभव को देखते हुए पार्टी ने इस बार सीटों की जीत को लेकर किसी प्रकार का नारा नहीं देने का निर्णय लिया है।

चुनाव के लिए पार्टी के सभी नेताओं की यह डयूटी लगाई गई है कि पूरे प्रदेश के 90 विधानसभा हलकों को दो भागों में बांटा जाएगा। जिसके तहत उन 60 सीटों का चयन किया जाएगा, जहां भाजपा को अपनी जीत सुनिश्चित नजर आ रही है। इसके बाद उन 30 सीटों को रखा गया है, जहां पार्टी को अतिरिक्त मेहनत करने की जरूरत है। 60 सीटों पर जीत के लिए अलग से रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इस रोड मैप पर केन्द्रीय गृहमंत्री अंतिम मुहर लगा सकते है। पार्टी सूत्रों के अनुसार पंचकूला में होने वाली बैठक के बाद 1 जुलाई से भाजपा के सभी नेता तथा विधायक फील्ड में उतर जाएंगे।

समाधान शिविरों में आई 167 शिकायतें

एजेंसी

नारनौल। आमजन की समस्याओं के निराकरण को लेकर नारनौल लघु सचिवालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने की। जिला में कुल 167 शिकायतें आई। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा भी मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार के निर्देश पर लगाए जा रहे समाधान शिविर में उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने लघु सचिवालय में आमजन की समस्याएं सुनी। अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा ने परिवार पहचान पत्र के लिए डीसी कोर्ट में कैंप लगाकर मौके पर ही नागरिकों का समाधान किया। वहीं महेंद्रगढ़, कनीना व नांगल चौधरी में भी समस्याओं का निराकरण किया गया। जिला में कुल 167 शिकायतें आईं।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं को जल्द से जल्द निपटने के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देश पर जिला व उपमंडल स्तर पर कार्य दिवस पर सुबह 9 से 11 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों में प्रोप्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, स्थानीय निकाय से अनापत्ति प्रमाण पत्र, नगर पालिकाओं से नक्शे की स्वीकृति, समाज कल्याण विभाग की विभिन्न पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली, अपराध से संबंधित शिकायतों, बिजली, सिंचाई, जनस्वास्थ्य से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की जा रही है। इस अवसर पर एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, जिला राजस्व अधिकारी सुशील शर्मा के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

संविधान की शपथ के दौरान नारे लगाना गलत: कंवर पाल

एजेंसी

यमुनानगर। कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि संसद में संविधान की शपथ के दौरान नारे लगाने गलत है। उन्होंने कहा कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला अनुभवी है और पहले भी उन्होंने बहुत अच्छे तरीके से ससंद को चलाया है, आगे भी चलाएंगे। जगाधरी की अनाज मंडी में मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत गरीब परिवार के लाभार्थियों को 30 गज के प्लाट आवंटन का जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जगाधरी अनाज मंडी में किया गया। जिसमें कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर उनके साथ सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, निवर्तमान मेयर मदन चौहान व जिला अध्यक्ष राजेश छपरा सहित अधिकारी भी मौजूद रहे। कृषि मंत्री कंवरपाल ने कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को आवंटन पत्र बांटे। उन्होंने कहा कि आज जगाधरी, पिंजौर और करनाल के 4000 से अधिक लाभार्थियों को आवंटन पत्र दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उन लोगों को भी प्लॉट खरीदने के लिए एक लाख रूपये की राशि उनके खाते में दी जाएगी। जिन लोगों को प्लाट आवंटित नहीं हुए है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का सपना है कि हर गरीब को उसका एक मकान मिले और इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आगे भी यह योजना जारी रहेगी।

कारगर सिद्ध हो रही है मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना: डा. कमल गुप्ता

स्वास्थ्य मंत्री डा. कमल गुप्ता ने बतौर मुख्यातिथि की शिरकत

एजेंसी

सिरसा। मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पज हॉल में आयोजित एक भव्य समारोह में जिला के अनुसूचित जाति से संबंधित, विधवा महिलाओं व घुमंतू जाति से संबंधित गरीब परिवारों के लाभार्थियों को 30-30 वर्ग गज के प्लॉट के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

समारोह में हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री डॉ कमल गुप्ता ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। इस अवसर पर रोहतक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। ये प्रमाण पत्र जिला सिरसा के 853 व फतेहाबाद जिला के 195 लाभार्थियों को दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री डा. कमल गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के स्वप्न की ओर महत्वपूर्ण कदम है। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा अंत्योदय की भावना से कार्य करते हुए गरीब परिवारों को हर संभव

सहायता मुहैया करवाई जा रही है। सभी को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा, बिना भेदभाव के विकास कार्य, हर पात्र व्यक्ति को योजना का सीधा लाभ, पेयजल, बिजली आदि की दिशा में सरकार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा हाउसिंग फॉर ऑल विभाग द्वारा शहरी क्षेत्रों में रहने वाले अंत्योदय परिवारों के लोगों के लिए मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत एक लाख 80 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाले अंत्योदय परिवारों को शहरी क्षेत्र में 30-30 वर्ग गज के प्लॉट दिए जा रहे है। इससे अब हर गरीब व्यक्ति का अपने घर का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आज प्रदेश के 14 शहरों में 15 हजार 200 प्लॉट आवंटित किए जा रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार द्वारा गरीब परिवारों को हेप्पी कार्ड वितरित किए गए हैं ताकि उन्हें एक हजार किलोमीटर तक की मुफ्त यात्रा का लाभ मिल सके।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी व्यक्तिगत ऋण योजना: मोनिका गुप्ता

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए बैंकों के माध्यम से एक लाख रुपए तक की व्यक्तिगत ऋण योजना शुरू की है। यह जानकारी जिला उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने दी।

उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से व्यक्तिगत ऋण योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत जिला के लिए 2024-2025 में 74 केसों का लक्ष्य रखा गया है। 1 लाख 80 हजार रुपए से कम वार्षिक आय वाली व हरियाणा की स्थायी निवासी महिला इस योजना के लिए पात्र होंगी। ऋण के लिए आवेदक के समय महिला उद्यमी की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आवेदक पहले से लिए गए ऋण का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के तहत सामान्य श्रेणी की महिला को 10 हजार रुपए तथा अनुसूचित श्रेणी की महिला को 25 हजार रुपए अनुदान राशी हरियाणा सरकार द्वारा महिला विकास निगम के माध्यम से दी जाएगी। हरियाणा महिला विकास निगम की योजना के तहत उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को छोड़कर अन्य सभी

गतिविधियां शामिल है। इन गतिविधियों में परचून की दुकान, कपड़े की दुकान, सैलून, सिलाई सेंटर, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, हलवाई की दुकान, फूड स्टाल, टिफिन सर्विस, मिट्टी के बर्तन आदि बनाने का काम शुरु कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अन्य किसी जानकारी के लिए हरियाणा महिला विकास निगम कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

कम सुनने से था परेशान, समाधान शिविर में मौके पर मिली कान की मशीन

एजेंसी

सिरसा। अतिरक्त उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान बारे अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने भी समाधान शिविर में पुलिस सबंधी आई शिकायतों को सुना। समाधान शिविर में रानियां बाजार सिरसा निवासी बलवंत राय कम सुनने की समस्या के समाधान के लिए समाधान शिविर में पहुंचा। अतिरिक्त उपायुक्त ने जिला रेडक्रास अधिकारी को मौके पर बुलाकर समस्या का समाधन का निर्देश दिया। रेडक्रोस

सचिव लाल बहादुर बेनीवाल ने मोके पर ही बलवंत राय को कान की मशीन उपलब्ध करवाई। समाधान शिविर में 64 शिकायतें आई।

दिल्ली सरकार ने हरियाणा पर लगाया मनमानी का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ती गर्मी के बीच जल संकट से लाखों लोग जूझ रहे हैं। इसको लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। ऐसे में आम आदमी पार्टी की ओर से आरोप लगाया गया है कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने दिल्ली के 4.83 लाख लोगों का पानी रोक दिया है। इससे पहले दिल्ली सरकार ने हरियाणा सरकार पर 28 लाख लोगों का पानी रोकने का आरोप लगाया था। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पानी की समस्या को लेकर भाजपा पर हमला किया है।

Name Change

I, ILA ROUT W/o MANAS RANJAN ROUT residing at B1/11, Block -B1, Sushant Lok -3 , Sector -57, Kanahi (73), Gurgaon, Haryana - 122003 have changed the name of my minor Son KSHITIJ ROUT aged 14 years and he shall hereafter be known as DEBASIS M ROUT.

Name Change

It is for general information that I, NARENDER SHARMA S/o ISHWAR SINGH, R/o Near Collage, Dubaldhan, Ghikan(133), Dubaldhan, Jhajjar, Haryana - 124202, declare that name of mine has been wrongly written as NARENDRA SHARMA in my minor Daughter namely PAYAL, aged 17 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is NARENDER SHARMA, which may be amended accordingly.

सांसद कुमारी सैलजा ने घग्घर नदी में बढ़ते प्रदूषण पर जताई चिंता

एजेंसी

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने घग्घर नदी के तटबंधों को दौरा किया। उन्होने कहा की जो सिरसा के सैंकड़ों गांवों की जीवन रेखा है लेकिन पिछले डेढ़ दशक से और हाल ही में घग्गर का उपयोग सभी प्रकार के प्रदूषकों को प्रवाहित करने के लिए किया जा रहा है। ये प्रदूषक फैक्ट्री अपशिष्ट और खतरनाक रसायन शामिल हैं, जो कैंसरकारी, उपचारित और अनुपचारित सीवेज आदि हो सकते हैं। सिरसा में पड़ने वाले घग्गर के क्षेत्र में इन प्रदूषकों के प्रवाह में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है, जो बहुत ही अप्रिय और तीखी दुर्गंध भी उत्सर्जित कर रहे हैं, जिससे मनुष्यों और दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा होने के अलावा घग्गर के आसपास रहने वालों का जीवन बहुत दयनीय हो गया है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि इस दिशा में उचित कदम उठाते हुए नदी के जल को प्रदूषित होने से बचाया जाए ओर जल को प्रदूषित करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। गौरतलब हो कि पिछले दिनों कुमारी सैलजा जब रानियां क्षेत्र के दौर पर थीं तो ओटू हैड़ पर रूककर उन्होंने किसानों से मुलाकात की थी। तब किसानों ने घग्घर नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर अपनी चिंताएं उनके समक्ष रखी थी। नवनिर्वाचित सांसद ने उन्हें आश्वासन दिया था कि सबसे पहला काम घग्घर नदी को लेकर ही करेंगी। उन्होंने न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) अध्यक्ष, सी.आर पाटिल केंद्रीय मंत्री - जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार और भूपेंद्र यादव, केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री को पत्र लिखकर घग्घर नदी को लेकर किसानों की चिंताओं से अवगत कराते हुए कहा है कि घग्गर नदी जो शिवालिक पहाड़ियों से निकलती है और हिमाचल, यूटी, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की एक विशाल लंबाई से होकर गुजरती है। यह सिरसा के सैकड़ों गांवों की जीवन रेखा है।

मंत्रालय ने तमिलनाडु सरकार के श्रम विभाग से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने विभिन्न मीडिया रिपोर्टों पर संज्ञान लिया है, जिसमें दावा किया गया है कि फॉक्सकॉन इंडिया एप्पल आईफोन फैक्ट्री में विवाहित महिलाओं को काम करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इन रिपोर्टों के संदर्भ में, मंत्रालय ने तमिलनाडु सरकार के श्रम विभाग से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 की धारा 5 में स्पष्ट रूप से प्रावधान है कि पुरुष एवं महिला श्रमिकों की भर्ती करते समय कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। चूंकि राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रावधानों की बाध्यता और प्रबंधन के लिए उपयुक्त प्राधिकारी है, इसलिए राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी गई है। साथ ही, क्षेत्रीय मुख्य श्रम आयुक्त कार्यालय को भी तथ्यात्मक रिपोर्ट श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, केंद्र सरकार को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने बायजू से संबंधित हालिया समाचार रिपोर्टों का खंडन किया

नई दिल्ली। हाल ही में ऐसी रिपोर्टें आई हैं जिनमें यह दावा किया गया है कि कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) द्वारा चल रही जांच में बायजू को वित्तीय धोखाधड़ी से मुक्त कर दिया गया है। यह स्पष्ट रूप से साफ किया जाता है कि ऐसी रिपोर्टें तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत एमसीए द्वारा शुरू की गई कार्यवाही अभी भी जारी है और इस स्तर पर इस मामले में कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए।

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण अध्यक्ष अजय भूषण ने सीतारमण से की मुलाकात

नई दिल्ली। राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के अध्यक्ष अजय भूषण पांडे ने यहां केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की।

वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण अध्यक्ष अजय भूषण पांडे से मुलाकात की है। हालांकि, इस मुलाकात की विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण एक स्वतंत्र नियामक है। यह कंपनी अधिनियम 2013 के तहत लेखा परीक्षा पेशे और भारतीय लेखा मानकों की देखरेख के लिए स्थापित किया गया है। इसका काम केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदन के लिए कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली लेखांकन और लेखापरीक्षा नीतियों और मानकों की सिफारिश करना है।

दो दिन की नीलामी में 141.4 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बिका, सबसे ज्यादा एयरटेल ने 6,857 करोड़ का खरीदा

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेक्ट्रम नीलामी दूसरे दिन बोली शुरू होने के कुछ घंटों में ही खत्म हो गई। दो दिन की नीलामी में सरकार को सिर्फ 11,340.78 करोड़ रुपये ही मिले। यह रकम प्रस्तावित स्पेक्ट्रम के लिए अनुमानित न्यूनतम मूल्य 96,238 करोड़ रुपये का 11.78 फीसदी है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया, नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज से 26 गीगाहर्ट्ज के बीच कुल 10 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की पेशकश की गई। अनुमान है कि सात दौर की बोलियों में सिर्फ 141.4 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम ही बेचे गए हैं। नीलामी के पहले दिन 25 जून को पांच दौर की बोलियां लगाई गईं। ज्यादा गतिविधि नहीं हुई। इस कारण अधिकारियों ने दिन में करीब 11:30 बजे नीलामी खत्म करने की घोषणा कर दी। बाजार पर्यवेक्षकों ने कम बोली की अपेक्षा की थी क्योंकि दूरसंचार कंपनियां स्पेक्ट्रम नवीनीकरण के साथ अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए रेडियो तरंगों पर चुनिंदा रूप से ध्यान दे रही हैं। पिछली नीलामी 2022 में हुई थी, जो सात दिन तक चली थी। उसमें 5जी स्पेक्ट्रम की रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हुई थी। स्पेक्ट्रम नीलामी में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने हिस्सा लिया। भारती एयरटेल ने ताजा नीलामी में सबसे ज्यादा 6,856.76 करोड़ रुपये में 97 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम खरीदा, जो कुल बिके रेडियो तरंगों का करीब 60 फीसदी है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर खादी के बने योग परिधानों और मैट की बंपर बिक्री

केवीआईसी ने कई सरकारी विभागों को 8.67 करोड़ रुपये के खादी के बने योग परिधानों और मैट की आपूर्ति की

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों खादी के कारीगरों के लिए विशेष प्रसन्नता लेकर आया। 21 जून को मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने देश भर में 55 खादी संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों को 8,67,87,380 रुपये मूल्य के 1,09,022 योग-मैट और 63,700 योग परिधानों की बिक्री की। आंकड़े जारी करते हुए केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'ब्रांड पावर' ने योग के साथ-साथ खादी की भारतीय विरासत को भी लोकप्रिय बना दिया है। खादी परिवार के लिए यह खुशी की बात है कि इस बार हमारे खादी कारीगरों द्वारा बनाए गए विशेष योग परिधानों और चटाईयों की रिकॉर्ड बिक्री हुई है। उन्होंने आगे कहा कि इस बार योग दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीनगर में और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने अहमदाबाद में खादी के योग परिधान पहनकर योग किया। यह खादी

कारीगरों के लिए गर्व की बात है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने आगे कहा कि खादी से बने योग परिधान और मैट स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी बहुत लाभप्रद हैं, क्योंकि ये बिना किसी रसायन के और न्यूनतम पानी के इस्तेमाल से बनते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के विशेष अवसर पर खादी के योग परिधान और मैट की बिक्री इस बात का प्रतीक है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार अपनी विरासत खादी के संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा के लिए भी कृतसंकल्प है। इससे वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी नई शक्ति मिलती है। जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस बार केवीआईसी ने आयुष मंत्रालय की मांग पर खास खादी के योग कुर्ते (टी-शर्ट स्टाइल में) तैयार किए। इन्हें खास तौर पर युवाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया। योग दिवस के मौके पर दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित केवीआईसी के खादी भवन ने अकेले आयुष मंत्रालय को 50 हजार योग-मैट और 50 हजार योग परिधानों की आपूर्ति की। इसमें 300 प्रीमियम क्वालिटी के योग-मैट भी शामिल थे। इसके साथ ही मंत्रालय की मांग के अनुसार श्रीनगर में 25 हजार खादी के बने योग-मैट और परिधान तथा श्रीनगर में 10 हजार मैट और योग परिधानों की आपूर्ति की गई। श्रीनगर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हजारों लोगों ने खादी के परिधान पहनकर योगाभ्यास में भाग लिया।आयुष मंत्रालय के अलावा केवीआईसी ने मुख्य रूप से मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर और पंचकूला, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, ओएनजीसी और नाल्को को योगाभ्यास के लिए खादी से बने योग परिधानों और योग-मैट की आपूर्ति की। कुल 8,67,87,380 रुपये की आपूर्ति में खादी योग परिधानों की बिक्री 3,86,65,900 रुपये और मैट की बिक्री 4,81,21,480 रुपये रही। मांग के अनुसार केवीआईसी ने आपूर्ति के लिए देश भर की खादी संस्थाओं को पहले ही सूचित कर दिया था, जिसमें गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और दिल्ली की 55 संस्थाएं शामिल थीं। इससे खादी संस्थाओं से जुड़े कताई करने वालों, बुनकरों और खादी श्रमिकों को अतिरिक्त मजदूरी के साथ-साथ रोजगार के अतिरिक्त अवसर भी मिले।

सर्राफा बाजार में सोने की सपाट चाल, चांदी हुआ सस्ता

एजेंसी

मुंबई। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सपाट स्तर पर कारोबार होता नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर बाजारों में सोना मंगलवार के भाव पर ही कारोबार कर रहा है। हालांकि चेन्नई में आज सोने के दाम में गिरावट आई है। देश के सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 72,870 रुपये से लेकर 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 66,790 रुपये से लेकर 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज गिरावट दर्ज की गई है। आज की गिरावट के कारण आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 90,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,270 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने आज पेट्रोल और डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। अलबत्ता, अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 86 डॉलर, और डब्ल्यूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। आज ब्रेंड क्रूड 0.37 डॉलर यानी 0.44 फीसदी की बढ़त के साथ 85.38 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.39 डॉलर यानी 0.48 फीसदी उछलकर 81.22 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

बल्क वेस्ट जेनरेटर (बीडब्ल्यूजी) में अपशिष्ट प्रबंधन की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के मूल्यांकन पर केंद्रित

एजेंसी

नई दिल्ली। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के 9वें संस्करण की तीसरी तिमाही (क्यू3) का आरंभ किया। सर्वेक्षण का तीसरा चरण बल्क वेस्ट जेनरेटर (बीडब्ल्यूजी) में अपशिष्ट प्रबंधन की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के मूल्यांकन पर केंद्रित होगा। व्यापक स्वच्छ सर्वेक्षण में 4 तिमाहियों का मूल्यांकन शामिल है। पहली दो तिमाहियों में शहर की सफाई के विभिन्न मापदंडों पर नागरिकों से टेलीफोन पर प्रतिक्रिया शामिल है, तीसरी तिमाही में प्रसंस्करण सुविधाओं के मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जबकि चौथी तिमाही में सभी संकेतकों पर क्षेत्र मूल्यांकन पर प्रकाश डाला गया है।

शहरी भारत में प्रतिदिन लगभग 150,000 टन कचरा उत्पन्न होता है। बढ़ते शहरीकरण और जीवनशैली में बदलाव के कारण नगरपालिका के ठोस कचरे में काफी वृद्धि देखी जा सकती है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अनुसार, अनुमान है कि शहर में लगभग 30 से 40 प्रतिशत कचरा बीडब्ल्यूजी द्वारा उत्पन्न होता है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 बीडब्ल्यूजी को उन संस्थाओं के रूप में परिभाषित करता है, जिनकी औसत अपशिष्ट उत्पादन दर प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक है, जिसमें सभी प्रकार के अपशिष्ट शामिल हैं। इस नियम का उद्देश्य शहरी स्थानीय निकायों पर प्रबंधन और वित्तीय बोझ को कम करना, कचरे को लैंडफिल में जाने से रोकना और वायु, मिट्टी व भूजल प्रदूषण के साथ-साथ शहर के कार्बन फुटप्रिंट को कम करना है। आवासीय और वाणिज्यिक परिसरों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी निकायों, सामाजिक बुनियादी ढांचे जैसे होटल, विश्वविद्यालय, रेलवे और बस स्टेशन, हवाई अड्डों जैसे थोक अपशिष्ट उत्पादकों को स्रोत पर कचरे को अलग करना, अपने परिसर में खाद बनाने वाली इकाइयां स्थापित करके खाद और बायोगैस का उत्पादन करने के लिए जैव-अपघटनीय कचरे का वैज्ञानिक प्रसंस्करण सुनिश्चित करना आवश्यक है। बीडब्ल्यूजी को निर्माण और तोड़फोड़ (सीएंडडी) से उत्पन्न कचरे को भी अलग से संग्रहित करना है। कुल अपशिष्ट उत्पादन में उनकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी को देखते हुए, बीडब्ल्यूजी की कार्रवाइयां स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के भविष्य को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिसका लक्ष्य शहरों को कचरा मुक्त बनाना है। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के विभिन्न कार्यान्वयन घटकों में शहरी स्थानीय निकायों की क्षमता निर्माण के निरंतर प्रयासों के हिस्से के रूप में, स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तीसरी तिमाही 5 जुलाई को शुरू होगी, जिसमें स्थानीय शहरी निकायों के अधिकार क्षेत्र में बीडब्ल्यूजी द्वारा उत्पन्न कचरे के संग्रह, परिवहन, प्रसंस्करण और अंतिम निस्तारण सहित अपशिष्ट प्रबंधन के सभी पहलुओं को मान्य किया जाएगा।

चार तिमाहियों में फैले, स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की चौथी तिमाही सितंबर-अक्टूबर, 2024 के आसपास शुरू होने की उम्मीद है।

एलाइड ब्लेंडर्स के आईपीओ को दूसरे दिन मिला 1.51 गुना अभिदान

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडी) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को दूसरे दिन 1.51 गुना अभिदान मिला। कंपनी का आईपीओ 27 जून को बंद होगा। इसके बाद एबीडी के शेयर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

एनएसई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 1,500 करोड़ रुपये की आरंभिक शेयर बिक्री में 3,93,71,669 शेयरों के मुकाबले 5,96,04,754 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। कंपनी के मुताबिक गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी को 2.98 गुना, जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशक (आरआईआई) खंड को 1.65 गुना अभिदान मिला। पात्र

संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के हिस्से को 14 फीसदी अभिदान मिला है। ऑफिसर्स च्वाइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एबीडी के आईपीओ में एक हजार करोड़ रुपये के नए शेयर और 500 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया हुआ है। गौरतलब है कि कंपनी ने सार्वजनिक निर्गम से पहले एंकर निवेशकों से 449 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

उल्लेखनीय है कि एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड को एबीडी के तौर पर जाना जाता है। ये भारतीय निर्मित विदेशी शराब कंपनी है, जिसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है।

कंपनी के पोर्टफोलिया में व्हिस्की, ब्रांडी, रम और वोदका के 16 ब्रांडों के प्रॉडक्ट शामिल हैं। इनमें ऑफिसर्स च्वाइस व्हिस्की, स्टर्लिंग रिजर्व और ऑफिसर्स च्वाइस ब्लू सहित अन्य प्रमुख ब्रांड शामिल हैं, जिसका दुनियाभर के 22 देशों में निर्यात होता है।

स्टैंडर्ड डिडक्शन एक लाख होने की उम्मीद, मूल छूट सीमा बढ़कर हो सकती है 3.5 लाख रुपये

एजेंसी

मुंबई। सरकार बजट में नई कर व्यवस्था के तहत स्टैंडर्ड डिडक्शन दोगुना बढ़ाकर एक लाख कर सकती है। या फिर मूल छूट सीमा को बढ़ाकर 3.5 लाख किया जा सकता है। टैक्स परामर्श कंपनी अर्स्ट एंड यंग (ईएंडवाई) ने कहा, आगामी बजट में कराधान सुधारों पर प्राथमिकताओं पर सरकार को जोर देना चाहिए।

ईएंडवाई ने बजट से पूर्व राय में कहा, सरकार को कर संरचनाओं को व्यवस्थित करना चाहिए। आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत ढांचे को बढ़ाना चाहिए। निवेश और विकास के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने पर जोर कॉरपोरेट कर दरों में स्थिरता बनाए जाए। टीडीएस प्रावधान को हो। रखी तर्कसंगत बनाने के साथ विवाद समाधान को सुव्यवस्थित किया जाए।सलाहकार फर्म ने बुधवार को कहा, व्यक्तिगत कर के मोर्चे पर छूट-कटौती के बिना रियायती कर व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। इसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए मानक कटौती और मूल छूट सीमा में बदलाव हो सकता है। सरकार ने टेक्नोलॉजी और डेटा-संचालित कर अनुपालन प्रक्रियाओं में सुधार के लिए कई अच्छी पहल की है।

स्टेट बैंक ने बॉन्ड के माध्यम से जुटाए 10 हजार करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। देश और सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने पांचवें बुनियादी ढांचा बॉन्ड के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपये जुटाए हैं। बैंक ने यह राशि 7.36 फीसदी की देय कूपन दर पर जुटाई है। एसबीआई ने नियामक फाइलिंग में बताया कि उन्होंने बॉन्ड के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपये जुटाए हैं। स्टेट बैंक ने शेयर बाजार को सूचित किया कि इस निर्गम को निवेशकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। बैंक ने बताया कि कुल 19,884 करोड़

रुपये से अधिक की 143 बोलियां मिली हैं। इसमें निवेश करने वाले निवेशक भविष्य निधि, पेंशन कोष, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड, कॉरपोरेट्स क्षेत्र से थे। सार्वजनिक क्षेत्र के कर्जदाता बैंक के मुताबिक ये बॉन्ड इंफ्रा प्रोजेक्ट में फंडिंग के लिए जारी किया गया है। एसबीआई के मुताबिक सालाना 7.36 फीसदी की देय कूपन रेट पर ये बॉन्ड जारी किया गया है। बैंक के मुताबिक इसमें 5 हजार करोड़ रुपये के आधार निर्गम आकार के मुकाबले करीब चार गुना अधिक अभिदान मिला है। इसको निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। बैंक ने कहा कि बॉन्ड के माध्यम से मिलने वाली राशि का उपयोग बुनियादी ढांचे और किफायती आवास क्षेत्रों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

आयकर विभाग ने करदाताओं को रिफंड विफल होने पर दोबारा अनुरोध करने की दी सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं को रिफ़ंड विफल होने पर फिर से अनुरोध करने की सलाह दी है।

इनकम टैक्स विभाग ने एक बयान में कहा कि यदि किसी कारण से करदाताओं का रिफंड विफल हो जाता है तो पुनः अपना रिफंड जारी करने का अनुरोध करें। विभाग ने इसके लिए कहा कि कृपया इनकम टैक्स विभाग के आधिकारिक वेबसाइटhttps:ncometa&.gov.in/iec/foportalपर जाएं।

पहला चरण:- आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर लॉग इन करें।

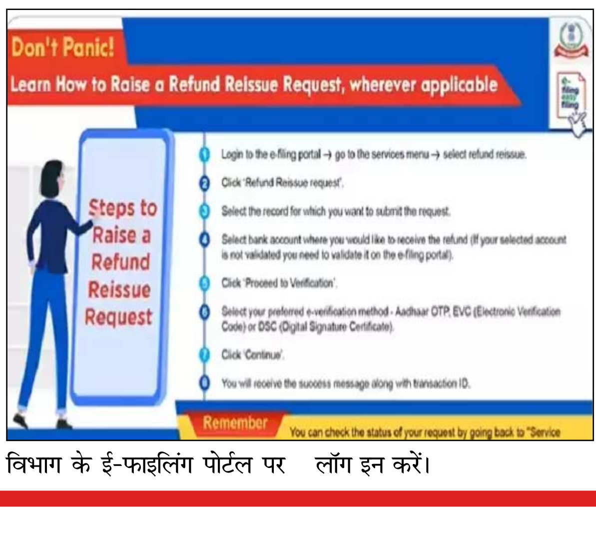

दूसरा चरण:- 'मेरा खाता' पर जाएं, 'सेवा अनुरोध' पर क्लिक करें और 'अनुरोध प्रकार' के स्थान पर 'अनुरोध देखें' और 'अनुरोध श्रेणी' के स्थान पर 'धन वापसी पुनः जारी करें' का चयन करें।

तीसरा चरण : 'सबमिट' बटन पर क्लिक करें। सबमिट किए गए रिफंड रीइश्यू अनुरोध की स्थिति प्रदर्शित की जाएगी। इस तरह आयकर विभाग के दिए गए निर्देश का स्टेप बाई स्टेप पालन करें। इसके बाद रिफंड रीइश्यू अनुरोध का सफलतापूर्वक पालने करने के बाद आपके ट्रांजेक्शन आईडी पर मैसेज आएगा।

शेयर बाजार में रिकॉर्डतोड़ तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी का सिलसिला लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी ओपनिंग के नए रिकॉर्ड के साथ हुई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.80 प्रतिशत और निफ्टी 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन के कारोबार में शेयर बाजार अभी तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा और फिर आज के कारोबार का अंत भी क्लोजिंग के ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड के साथ हुआ। दिन के कारोबार में ज्यादातर समय खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण शुरुआती 1 घंटे के कारोबार के अलावा बाकी पूरे समय शेयर बाजार लगातार हरे निशान में बना रहा। आज के कारोबार के दौरान बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही टेक और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थ केयर, मेटल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स में गिरावट दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार में आए उछाल के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के

कारोबार के बाद बढ़ कर 436.97 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 435.76 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.21 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,008 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,916 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,967 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 125 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,301 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,032 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,269 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 40.50 अंक की मामूली तेजी के साथ 78,094.02 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से ये सूचकांक 107.58 अंक की कमजोरी के साथ 77,945.94 अंक तक लुढ़क गया। सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 810 अंक से अधिक उछल कर 705.88 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 78,759.40 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 620.73 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 78,674.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी आज 1.80 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 23,723.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव की वजह से इस सूचकांक ने भी 50.85 अंक की कमजोरी के साथ 23,670.45 अंक तक गोता लगाया। लेकिन इसके बाद तेजड़ियों ने पूरी तरह से बाजार पर कब्जा कर लिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 215 अंक से भी अधिक की उछाल के साथ 168.60 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 23,889.90 अंक तक पहुंच गया।

पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 147.50 अंक की बढ़त के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 23,868.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.12 प्रतिशत, भारती एयरटेल 3.15 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 2.74 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 1.67 प्रतिशत और ग्रासिम इंडस्ट्रीज 1.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। अपोलो हॉस्पिटल 2.52 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.99 प्रतिशत, बजाज ऑटो 1.92 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.78 प्रतिशत और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

आपका बच्चा भी होते जा रहा है आक्रामक तो उसे कंट्रोल करने में ये टिप्स आएंगे आपके काम

कई बार बच्चों में आक्रामक व्यवहार नजर आने लगते हैं। इसलिए उनकी अच्छी परवरिश के लिए जरूरी है कि उनके इन व्यवहार के पीछे के कारण को समझा जाए। इसकी मदद से ही आप उनकी समस्या को समझा पाएंगे। इसलिए जरूरी है कि समस्या को कम करने में आप उनकी मदद कर सकते हैं। आइए जानें क्या हो सकता है बच्चों के आक्रामक व्यवहार के पीछे के कारण।

छोटे-छोटे हंसते मुस्कुराते, खेलते-कूदते बच्चे कितने प्यारे लगते हैं। लेकिन कभी-कभी अचानक इनकी कुछ आक्रामक गतिविधियां इन पर गुस्सा करने पर मजबूर कर देती हैं। हालांकि, इनके द्वारा की जाने वाली इन आक्रामक गतिविधियों के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिन्हें हमें समझना चाहिए। तभी हम अपने बच्चों के इस तरह के आक्रामक व्यवहार को कम कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं आक्रामक व्यवहार वाले बच्चों में होने वाले इस व्यवहार के कारणों के बारे में और इससे उन्हें कैसे बचाया जाए।

बच्चों में आक्रामकता के कारण

शैक्षणिक तनाव- अक्सर बच्चे पढ़ाई के डर, कम मार्क्स, मन न लगना आदि के कारण आक्रमक हो जाते हैं।

अस्वस्थ पारिवारिक माहौल- कई बार घर का माहौल खराब होने के कारण जैसे माता-पिता के बीच लड़ाई-झगड़े के कारण भी बच्चे आक्रमक होते हैं।

घर से दूर रहने से बच्चों में अक्सर ये लक्षण देखे जाते हैं।

बच्चों की व्यक्तिगत शारीरिक और मानसिक परेशानियां भी बार उनके आक्रमक होने का कारण होती है।

इन सभी कारणों से होने वाली आक्रामकता को कम करने के लिए कुछ टिप्स अपना सकते हैं, जिनसे आप अपने बच्चों को मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखना सिखा सकते हैं

बच्चों के साथ दोस्ती का रिश्ता रखें

पैरेंट्स को अपने बच्चों के साथ दोस्ती का रिश्ता कायम रखना चाहिए। इससे बच्चों के मन से झिझक और डर खत्म होता है और वे आपके करीब आते हैं और अपनी सारी बातों को शेयर करते हैं।

बच्चों को नए काम के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करें

अक्सर बच्चे अपनी उपलब्धियों पर प्रोत्साहन न मिलने की वजह से अपने बड़ो से नफरत करने लगते हैं, जिससे वे आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं। इसलिए पैरेंट्स या शिक्षकों को बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे बच्चों में नए कार्य को करने की प्रेरणा मिलती है और आक्रामकता कम होती है।

कार्य को करने का सही तरीका

पैरेंट्स को अपने बच्चों को किसी भी काम को धैर्य और प्यार के साथ सही तरीके से करना सिखाना चाहिए। इसके साथ ही छोटे छोटे मुद्दों के प्रति आक्रामक रवैया अपनाना गलत आदत है.ये भी समझाना चाहिए।

बच्चों को ध्यान से परिचित कराएं

ध्यान अध्यात्म से जुड़ा मानसिक शांति पाने का सबसे अच्छा तरीका है। इसलिए बच्चों को ध्यान करना जरूर सिखाना चाहिए, जिससे मानसिक शांति मिलती है और जो बच्चों में आक्रामकता को कम करता है।

सीमाएं निर्धारित करें

बच्चों के आक्रामक व्यवहार के विरुद्ध एक सीमा रेखा स्थापित करें, जिसकी याद पेरेंट्स हमेशा उन्हें दिलाते रहें।

आपातकाल की यादें, तानाशाही का खतरा और संविधान की रोशनी

भाजपा उस संविधान को बदलने जा रही है जिसके कारण दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं आदि के अधिकार सुरक्षित हैं। इसे बचाने के लिये ही इंडिया का न केवल गठन हुआ बल्कि वह एकजुट भी बना रहा। जेडीयू के नीतीश कुमार और राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी द्वारा ऐन चुनाव के पहले एनडीए खेमे में चले जाने के बावजूद इंडिया ने मजबूती से चुनाव लड़ा और उसने लोकसभा में मोदी-भाजपा को पूर्ण बहुमत से काफी दूर रोक लिया।सोमवार की सुबह जब 18वीं लोकसभा के दरवाजे नवनिर्वाचित सदस्यों के लिये खुले, तब उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक नयी शुरुआत करेंगे, वह इस मामले में कि अगर पिछले दो कार्यकाल के बाद उन्हें राजनीतिक घटनाक्रम ने यह अवसर दिया है कि वे लगातार तीसरी बार देश का सर्वोच्च पद प्राप्त कर पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू की बराबरी कर सके हैं, तो उन्हें उनके जैसा बनने की नये सिरे से कोशिश करनी चाहिये। %घटनाक्रम% ही क्योंकि उनके नेतृत्व व चेहरे के आधार पर लड़े गये चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सीटें 303 से घटकर 240 रह गयीं। देखें तो जनादेश उनके विपरीत है। %उम्मीद% इसलिये कि अब उनकी सरकार को स्पष्ट बहुमत नहीं है। तेलुगु देशम पार्टी तथा जनता दल यूनाइटेड के समर्थन पर वह टिकी है। बड़े बहुमत से सत्ताधीश का निरंकुश हो जाना तो समझ में आता है लेकिन जो व्यक्ति एक नहीं दो-दो दलों के समर्थन की बैसाखियों पर टिका हो, वह यदि पुराने ढर्रे पर चलना चाहे तो उसका गिरना तय है। यदि मोदी को यह डर भी नहीं है तो यह अपने आप में खतरनाक संकेत हैं क्योंकि ऐसा शासक या तो सब कुछ मैनेज कर चुका होता है या उसके हाथ बड़े हथियार होने का अंदेशा है।बहरहाल, मोदीजी ने सत्र प्रारम्भ होने के पहले मीडिया के सामने दिये अपने भाषण में उन्हीं तीन-चार तरह की बातें कहीं, जो कहने के वे आदी हैं; और जिन्हें सुनने का देश कान पकने तक आदी हो चुका है। इतिहास के दुखद व कटु प्रसंगों को सन्दर्भ से काटकर पेश करने में महारत हासिल किये बैठे मोदी ने अपनी तीसरी पारी का प्रारम्भ उसी अंदाज़ में करते हुए संदेश देने की कोशिश की है कि वे अल्पमत में होने के बावजूद न तो अपना लहज़ा बदलेंगे और न ही नकारात्मकता उनके स्वभाव से जायेगी। 10 साल तक स्वच्छंदतापूर्वक शासन करने वाले मोदी ने आपातकाल की याद दिलाई और चेतावनी दी कि अगले कई वर्षों तक कोई तानाशाह बनने की नहीं सोचेगा। दरअसल, वे अपनी ही अघोषित तानाशाही के अपराध भाव से ग्रस्त हैं

इसलिये खुद को क्लीन चिट देने की प्रक्रिया में 50 वर्ष पहले के इमरजेंसी को याद कर रहे हैं। दूसरे, वे इससे भी परेशान हुए होंगे कि जब वे शपथ ले रहे थे तब विपक्षी दलों के सदस्य उन्हें संविधान की प्रतियां दिखा रहे थे। वैसे भी 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बनने के वक्त सीढ़ियों को माथा टेककर संसद भवन में प्रवेश करने वाले मोदी दूसरे कार्यकाल के समापन तक पहुंचते-पहुंचते संविधान की बजाय राजतंत्र के प्रतीक सेंगोल को आत्मसात कर चुके थे।

अब एक बात साफ हो गई है कि दूसरी बार (2019) की तरह नहीं लेकिन पहली बार जैसा भी बहुमत लेकर यदि मोदी आ जाते तो वे वह सारा कुछ करने में जुट जाते जो उनसे पहले के दो कार्यकालों में करना रह गया था। हां, 370 और 400 का उनका लक्ष्य पूरा हो जाता तो जिस संविधान को विपक्ष के सांसद लहरा रहे थे और जिसकी प्रतियां दिखाते हुए राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार का एक बड़ा हिस्सा गुजारा, वह कूड़ेदान के हवाले कर दिया गया होता। जब चुनावों में इसके संकेत मिलने लगे थे कि भाजपा व उसका गठबन्धन नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) लक्ष्य से दूर ही नहीं हो रहे हैं बल्कि उनकी सत्ता बचनी भी मुश्किल हो रही है, तब कहीं खुद मोदी और उनके मुख्य सिपहसालार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहना शुरू किया कि सरकार बनाने के बाद उनका संविधान बदलने का कोई इरादा नहीं है। इसका कारण यह था कि लोगों तक यह बात पहुंच गयी थी कि भाजपा उस संविधान को बदलने जा रही है जिसके कारण दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं आदि के अधिकार सुरक्षित हैं। इसे बचाने के लिये ही इंडिया का न केवल गठन हुआ बल्कि वह एकजुट भी बना रहा। जेडीयू के नीतीश कुमार और राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी द्वारा ऐन चुनाव के पहले एनडीए खेमे में चले जाने के बावजूद इंडिया ने मजबूती से चुनाव लड़ा और उसने लोकसभा में मोदी-भाजपा को पूर्ण बहुमत से काफी दूर रोक लिया।यह तो सच है कि मोदीजी पहले के मुकाबले काफी कमजोर होकर संसद में लौटे हैं परन्तु भारत का लोकतंत्र अभी खतरे से पूरी तरह से बाहर नहीं निकला है। मोदीजी अभी आपातकाल की यादें दिलाकर लोगों को डराने की कोशिश कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि लोग पूरा तथ्य जाने बिना ही उनकी हां में हां मिलाएं और उस परिवार (गांधी) तथा पार्टी (कांग्रेस) के प्रति घृणा करते रहें जो आपातकाल लागू करने के जिम्मेदार थे। वह 50 वर्ष पहले की बात थी और उसे देखने-समझने वाली पीढ़ी के ज्यादातर लोग गुजर चुके हैं या जिन्होंने उसे देखा था वे पिछले दस साल से मोदी का शासनकाल भी देख चुके हैं। उनमें से बहुत से ऐसे लोग भी हैं जो जबरिया नसबंदी, प्रेस सेंसरशिप जैसे कुछ कदमों को छोड़कर मानते हैं कि सामान्यजनों को उसका दंश वैसा नहीं भोगना पड़ा है जैसी कि मोदी प्रदत्त महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, आर्थिक बदहाली आदि के कारण जनसामान्य की तबाही हुई है। फिर दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं पर जो अत्याचार हुए वैसे 1975 में लगी इमरजेंसी में नहीं हुए। उल्टे, वे बेहद महफ़ूज़ रहे।

हालांकि इसके कारण आपातकाल को तर्कसंगत व औचित्यपूर्ण नहीं कहा जा सकता। वह ऐतिहासिक भूल थी और उसी से सबक लेकर ऐसे हर शासक का विरोध करना अनिवार्य हो जाता है जो तानाशाह बनने की कोशिश करे। बेहद सख्ती के बाद भी इंदिरा गांधी का विरोध हुआ था और उसी अपरिहार्यता के तहत मोदी की तमाम कोशिशों का प्रतिरोध होता है। होता रहेगा।मोदीजी के इस रवैये, स्थायी रूप से सत्ता पाने की भाजपा की सम्भावित चालबाजियां, अनंत काल तक शासक बने रहने की मोदीजी की लालसा, पार्टी के पास अकूत धन, जनप्रतिनिधियों व नेताओं की पैसों के लिये पलटने की प्रवृत्ति आदि ऐसे कई तत्व हैं जिनसे संकेत मिलते हैं कि भाजपा अपने बल पर पूर्ण बहुमत पाने के लिये कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। कुछ दिनों से ठप्प पड़ा %ऑपरेशन लोटस% अगर रिएक्टिवेट हो जाये तो आश्चर्य नहीं। यानी अंधेरा अभी पूरी तह से छंटा नहीं है। ऐसे में विपक्ष और लोकतंत्र व नागरिक अधिकारों में यकीन रखने वाले क्या करें? जब तक सूर्य चमक रहा है, उसके उजाले में चला जाये। सूर्य अस्त हो जाये तो टिमटिमाते सितारों की रोशनी में चलते रहेंगे। सितारे भी फ़ना हो जायें तो जुगनुओं की चमक के सहारे राह ढूंढ़ी जाये। जुगनू भी रोशनी बिखरने में असमर्थ हो जायें तो उस दीये के प्रकाश में आगे बढ़ा जाये जो बाबा साहेब अंबेडकर देशवासियों के हाथों में थमा गये हैं और जिसे बुझाने की कोशिश की जा रही है। सोमवार व मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने %संविधान% नाम का यह दीपक ही हाथों में लेकर लोकसभा सदस्यता की शपथ ली। ज्यादातर ने इसी दीपक के नाम की शपथ लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का आगाज़ किया है। जैसा कि कहा जा रहा था, कि यह चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस लिहाज से कि भारत के लोकतंत्र के भविष्य का निर्धारण इससे होगा। विपक्ष ने छोटी लड़ाई ही जीती है, मुख्य युद्ध तो बाकी है, लेकिन संतोष इसी का है कि संविधान रूपी यह दीप मशाल की तरह प्रखर हो चुका है।

संपादकीय

मोदी की हठधर्मिता से अध्यक्ष का चुनाव

भारत के संसदीय इतिहास में लोकसभा के अध्यक्ष पद पर निर्वाचन की बजाय परस्पर सहमति से बिठाने की परम्परा रही है। इसका कारण यह है कि इस पद पर बैठने के बाद कोई भी व्यक्ति दलगत हितों एवं प्रतिबद्धताओं से ऊपर उठ जाता है। इसलिये इस बेहद महत्वपूर्ण पद के लिये ऐसे व्यक्ति का चुनाव किया जाता है जो न केवल सदन के नियमों का जानकार हो, स्वयं पर्याप्त समय उसने लोकसभा में सदस्य के रूप में गुजारा हो तथा उसके सभी दलों के साथ व्यक्तिगत तौर पर अच्छे सम्बन्ध हों। सदन के भीतर यह पद प्रधानमंत्री से भी ऊंचा होता है जो सरकार को भी आदेश देता है। सदन के कामकाज को लेकर उसकी बात अंतिम होती है जो सत्तारुढ़ व विपक्ष दोनों के लिये ही मान्य व अकाट्य होती है।

जिस प्रकार पिछले दो कार्यकालों में प्रधानमंत्री ने समस्त संवैधानिक नियमों, परम्पराओं एवं रुढ़ियों को ध्वस्त किया है उससे भारत की संसद भी नहीं बची। दोनों ही सदनों (लोकसभा व राज्यसभा) की उज्वल परम्पराओं को जिस प्रकार से मोदी व उनकी सरकार ने मैला किया है, उससे लोकतंत्र को इसी मुकाम पर पहुंचना था कि लोकसभा को यह दिन देखना पड़ रहा है जिसमें अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हो रहा है। सत्ता दल यानी भाजपा तथा उसके नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की ओर से पिछले अध्यक्ष ओम बिरला को ही फिर से चुनाव मैदान में उतारा गया है। उल्लेखनीय है कि यह दूसरा मौका है जब लोकसभा में इस पद के लिये पक्ष-विपक्ष ने अपने-अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं। देश के पहले आम चुनाव के बाद बनी प्रथम लोकसभा में (1952) कांग्रेस ने जीवी मावलंकर तथा विपक्ष ने शंकर शांताराम मोरे को इस पद के लिये उम्मीदवार बनाया था। मावलंकर ने 394-55 से जीत हासिल की थी।अपने स्वभाव के मुताबिक मोदी एवं उनके रणनीतिकार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी दलों से राय-मशविरा किये बगैर ही बिड़ला को उन्हें खड़ा किया है। स्वाभाविकत- प्रतिपक्ष इंडिया गठबन्धन आंख मूंदकर उन्हें समर्थन नहीं दे सकता। उसकी ओर से कांग्रेस के अत्यंत वरिष्ठ सदस्य के. सुरेश को प्रत्याशी घोषित किया गया है। सुरेश केरल की मावेलिक्कारा सीट से 8 बार चुनाव जीतकर संसद में पहुंचे हैं। वे एक दलित नेता हैं जो पहली बार 1989 में जीते थे और 2009 में डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में श्रम व रोजगार मंत्री भी रहे। वे इस समय सदन में सर्वाधिक बार जीतने वाले सदस्यों में से एक हैं। उम्मीद तो यही थी कि के सुरेश को ही उनकी वरिष्ठता को देखते हुए प्रोटेम स्पीकर बनाया जाता जो नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ ग्रहण कराते। इस निर्णय के साथ ही मोदी-शाह ने संकेत दे दिये थे कि वे पहले जैसे निरंकुश होकर सत्ता चलाएंगे। इस पद को लेकर वैसा ही हुआ।केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष से समझौते की कोशिश की परन्तु बात बनी नहीं। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल एवं द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के टीआर बालू के साथ उनकी चर्चा तो हुई पर वह निष्फल सिद्ध हुई। दोनों ने राजनाथ सिंह के कक्ष के बाहर आकर कहा कि सत्ता पक्ष उनकी मांग के अनुसार सदन का उपाध्यक्ष पद भी विपक्ष को देने हेतु तैयार नहीं है। ऐसे में सहमति का सवाल ही नहीं उठता।

इसके साथ ही तय हो गया कि दोनों पक्षों के प्रत्याशियों के बीच मतदान के जरिये नये लोकसभाध्यक्ष का नाम तय होगा। बुधवार की सुबह 11 बजे मतदान होगा। विपक्ष को यह भी शिकायत है कि सुरेश की वरिष्ठता को नज़रंदाज किया गया। उनकी बजाय भतृहरि मेहताब को प्रोटेम अध्यक्ष बनाया गया जिन्होंने सदस्यों को शपथ दिलाई। विपक्ष की यह शिकायत इसलिये भी वाजिब कही जा सकती है कि सुरेश ने तो लगातार एक ही दल (कांग्रेस) में रहते हुए 8 बार जीत दर्ज की है जबकि मेहताब 7 बार के सांसद हैं जिनमें से पहले 6 बार उन्होंने बीजू जनता दल से चुनाव लड़कर विजय हासिल की थी। बाद में उन्होंने पार्टी छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गये थे। वैसे सातवीं बार, परन्तु भाजपा की टिकट पर पहली बार वे जीते हैं।विपक्ष की यह पहली नाराज़गी नहीं है। इसके पहले जब प्रोटेम स्पीकर की मदद के लिये उपाध्यक्षों का जो पैनल बनाया गया उस पर भी भाजपा ने विपक्ष से राय नहीं ली।

इसका नतीजा यह हुआ कि विपक्षी दलों से पैनल के लिये जो तीन लोग निर्धारित किये गये थे उन्होंने यह पद सम्हालने से इंकार कर दिया। अब भी बिड़ला व सुरेश के बीच जो मुकाबला होने जा रहा है वह इसी कारण से हो रहा है क्योंकि विपक्ष पहले डिप्टी स्पीकर पद के लिये आश्वासन चाहता था जबकि राजनाथ सिंह कहते रहे कि पहले विपक्ष बिड़ला के लिये समर्थन जाहिर करे। जहां तक डिप्टी स्पीकर की बात है, वह बाद में देखा जायेगा।परम्पराओं की बात अगर एक ओर रख दी जाये तो भी विपक्ष से यह उम्मीद करना उसके साथ ज्यादती होगी कि वह ओम बिरला को समर्थन दे क्योंकि पिछले कार्यकाल में उन्होंने विपक्ष को कुचलने में अहम भूमिका निभाई थी। चर्चाओं में वे सरकार को बचाते थे।

योग दिवस पर एक ही दिन में बने कई विश्व रिकॉर्ड

योग का भारत में संस्कृति के साथ सदियों पुराना जुड़ाव है बल्कि यूं भी कह सकते हैं कि भारत में योग की शुरूआत भारतीय संस्कृति के साथ ही जुड़ी है। भारत ने पूरी दुनिया को योग करना सिखाया है और भारत के कारण ही दुनिया के तमाम देश अब योग की महत्ता को समझने लगे हैं। करीब 5000 वर्ष पहले भारत से शुरू हुई योग की परंपरा शरीर और मन के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन प्राप्त करने के लिए शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अनुशासन को जोड़ती है। 'योग' शब्द संस्कृत से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'जुड़ना' अथवा 'एकजुट होना', जो शरीर और चेतना के मिलन का प्रतीक है। भारत की प्राचीन परंपराओं में गहराई से निहित योग वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को वैश्विक मान्यता मिलने के बाद से पिछले 10 वर्षों में योग दिवस पर कई रिकॉर्ड बने हैं।

2015 से लेकर अब तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के नाम कई रिकॉर्ड 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज हो चुके हैं। 2015 में पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिल्ली में राजपथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कुल 35985 भारतीयों ने एक साथ योग करके सबसे बड़े योग सत्र का पहला विश्व रिकॉर्ड बनाया था जबकि दूसरा रिकॉर्ड एक ही स्थान पर योग सत्र में कुल 84 देशों के भाग लेने पर बना था। योग को लेकर एक विश्व रिकॉर्ड तब बना था, जब 2018 में राजस्थान के कोटा में करीब 1.05 लाख लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया था। 2023 में दुनियाभर से कुल 23.4 करोड़ लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेकर भी विश्व रिकॉर्ड कायम किया था, वहीं 2023 में ही गुजरात के सूरत में योग दिवस कार्यक्रम में योग सत्र में 1.53 लाख लोगों ने एक साथ हिस्सा लेकर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उस योग कार्यक्रम के लिए करीब 300 मीटर चौड़ी दो सड़कों के 4 किलोमीटर लंबे हिस्से को योग प्रतिभागियों कालीन से ढ़का गया था। उससे पहले यह रिकॉर्ड 2018 में राजस्थान के कोटा शहर के नाम दर्ज था, जहां योग सत्र में करीब एक लाख लोग जुटे थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर इस वर्ष तो कई रिकॉर्ड बने। देश-विदेश में फैली आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज ने भी इस अवसर पर एक नया रिकॉर्ड कायम किया। ब्रह्माकुमारीज के आबूरोड़ स्थित अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय के साथ 140 देशों में फैले इसके 9000 केंद्रों पर करीब एक करोड़ लोगों ने एक साथ योग किया जबकि आबूरोड़ स्थित मुख्यालय पर 10 हजार लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया। वहीं, हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के दूरदर्शी नेतृत्व में तो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर

पर एक नया इतिहास रचा गया। 'अक्षर योग केंद्र' ने 5 विशिष्ट योगासनों का वैश्विक मानकों पर सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए और 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित इस स्पर्धा के जरिये योग की सार्वभौमिक अपील यानी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए इसके गहन लाभों का संदेश पूरी दुनिया देने का प्रयास किया गया। इन पांच वैश्विक कीर्तिमान स्थापित करने वाले आसनों में नौकासन, कौंडिन्य आसन (ऋषि कौंडिन्य मुद्रा), चक्रासन, भगवान शिव की एक मुद्रा नटराजासन, पांच मिनट तक लगातार सूर्य नमस्कार का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।हालांकि अक्षर योग केंद्र ने त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड, बेंगलुरु में प्रभावशाली वैश्विक भागीदारी में सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार करने की योग की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए कुल सात आसनों के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए प्रयास किया था लेकिन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने सभी मानकों का अध्ययन करने के बाद इनमें से पांच आसनों में रिकॉर्डों को मान्यता प्रदान की जबकि दो आसनों पर रिकॉर्ड की मान्यता अभी समीक्षाधीन है, जिन्हें विचार के लिए लंदन भेजा जाएगा। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के वरिष्ठ निर्णायक स्वप्निल डांगरीकर और ऋषिनाथ के मुताबिक 5 रिकॉर्ड सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। इसकी पुष्टि करते हुए स्वप्निल डांगरीकर का कहना था, ''मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि टीम अक्षर योग केंद्र ने सफलतापूर्वक 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड खिताब स्थापित किए हैं और मुझे याद नहीं आता कि मैंने एक ही दिन में इतने सारे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रमाणपत्र दिए हैं।''अक्षर योग केंद्र द्वारा ये विश्व रिकार्ड बनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में सभी क्षेत्रों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें छात्र, अनाथालयों के बच्चे, व्यापारिक समुदाय के सदस्य और कॉरपोरेट घराने भी शामिल थे। इसमें भाग लेने वाले एनसीसी ग्रुप 'ए' बेंगलुरू के 1200 से अधिक एनसीसी कैडेटों का भी विशेष योगदान रहा। उनके साथ उप महानिदेशक, एनसीसी डीटीई कर्नाटक और गोवा, ग्रुप कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय 'ए' बेंगलुरु, कमांडिंग ऑफिसर, एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, ग्रुप 'ए' एनसीसी बटालियन के स्थायी प्रशिक्षक भी इस भव्य आयोजन का हिस्सा थे। इस गरिमामय समारोह में 20 से अधिक विभिन्न देशों के प्रतिभागी शामिल हुए थे। हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के अनुसार योग दिवस के मौके पर ये रिकॉर्ड बनाने का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर योग के असंख्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दुनियाभर के लोगों को समग्र स्वास्थ्य और आंतरिक शांति के लिए इस अभ्यास को एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करना है। हिमालयन सिद्ध अक्षर के नेतृत्व में इस अवसर पर योग के गहन प्रभावों पर भी प्रकाश डाला गया, साथ ही समर्पित अभ्यास के माध्यम से अनुशासन का प्रदर्शन किया गया।उल्लेखनीय है कि शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित अक्षर योग केंद्र इसके विविध लाभों को प्रदर्शित करने के लिए नियमित रूप से फिटनेस शिविर, मुद्रा कार्यशालाएं और ध्यान सत्र आयोजित करता है। हिमालयन सिद्ध अक्षर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित एक आध्यात्मिक योग गुरु हैं, जो अक्षर योग केंद्र के संस्थापक, अध्यक्ष, पाठ्यक्रम निदेशक, विश्व योग संगठन के अध्यक्ष तथा अंतरराष्ट्रीय सिद्ध फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। योग गुरु अक्षर का कहना है कि योग शरीर, मन और आत्मा का एक अभिन्न अंग है। योग इन तत्वों को एकजुट करता है और मानवता के लिए एक अनमोल उपहार के रूप में कार्य करता है। एक साथ पांच विश्व रिकॉर्ड कायम करने की उपलब्धि को लेकर उनका कहना है कि यह अविस्मरणीय घटना वास्तव में लोगों के लिए एक आशीर्वाद है, जो उन्हें योग के अभ्यास को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। यह दुनियाभर में एक शक्तिशाली संदेश भेजती है, जिससे हर किसी को योग के गहन महत्व और इसके लाभों का अहसास होता है। इसके अलावा यह उपलब्धि हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करती है, साथ ही समग्र स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को भी मजबूत करती है।अक्षर योग केंद्र द्वारा एक साथ बनाए गए पांच विश्व रिकॉर्ड के अलावा एशियन योग चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता 20 वर्षीया भूमि तिवारी ने भी जश्न-ए-आजादी ट्रस्ट और भारतीय आदर्श योग संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में मोती महल के लॉन में आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के दौरान 'रामदूत आसन' की मुद्रा को निरंतर 35 मिनट और 27 सैकेंड तक बनाए रखते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। भूमि के मुताबिक 'रामदूत आसन' में पैरों को विपरीत दिशाओं में सबसे ज्यादा फैलाना और फिर सामने वाले पैर की उंगलियों को छूने के लिए झुकना होता है और यह सबसे कठिन, 'डी' श्रेणी का आसन है, जिसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 0.9 अंक प्राप्त हुआ है। भूमि तिवारी द्वारा बनाए गए इस नए रिकॉर्ड की सूचना 'योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड काउंसिल' को दी गई है।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फ्रीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफ्लेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यहीं देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम, कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौंपे।

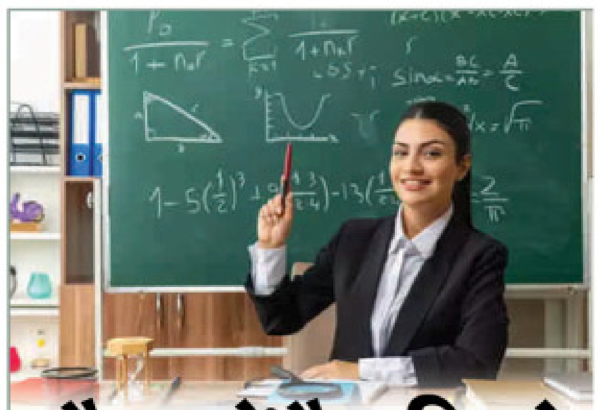

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्ना केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्युरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत-लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

सेहत

जानें लिवर को फिट रखने वाली इन देसी चीजों के बारे में

हेपेटाइटिस में व्यक्ति का लिवर (यकृत) ठोस हो जाता है जिससे पेट संबंधी कई परेशानियां होने लगती हैं। गंभीरता से न लेने पर यह बीमारी जानलेवा भी हो सकती है। आइए जानते हैं इसके लिए कारगर कुछ आयुर्वेदिक उपायों के बारे में। गिलोय का 20 मिलिलीटर रस, आंवले व ग्वारपाठे का 10-10 मिलिलीटर रस मिलाकर दिन में दो बार लेने से पाचनक्रिया व पेशाब संबंधी रोगों में लाभ होता है। पुनर्नवा, रोहेड़ा की छाल, गोखरू, मकोय, डाब की जड़, इक्षुमूल व दारूहरिद्रा को रात में पानी में भिगो दें। सुबह छानकर 15-20 मिलिलीटर खाली पेट पीने से लिवर संबंधी समस्याओं में आराम मिलता है। मकोय के पत्ते, सफेद पुनर्नवा में हल्दी, काली मिर्च, धनिया व हल्का सेंधा नमक मिलाकर सब्जी बनाकर लेने से लिवर की कठोरता व सूजन में लाभ होगा।

15 मिलिलीटर ताजा गिलोय के रस

में 20-25 किशमिश कूटकर मिलाएं। इससे उल्टी, पेट में जलन की समस्या में आराम मिलता है। मूली के पत्ते, चुकंदर के पत्ते व पालक (तीनों 250 ग्राम मात्रा में) या दानामेथी के पत्तों के रस में 50 ग्राम चीनी व एक चम्मच नमक मिलाएं। इसे हेपेटाइटिस की पहली स्टेज व रोग ठीक होने के बाद दें। इससे खून की कमी दूर होती है।

कुटकी, चिरायता, सौंफ, इलाइची व सोंठ को एक चौथाई चम्मच सभी समान मात्रा में लेकर दो चम्मच पानी मिलाएं व हल्का गुनगुना करें। इस पेस्ट को शहद में मिलाकर खाने से पाचनक्रिया दुरुस्त होगी। तुलसी की पत्तियों के एक चम्मच पेस्ट को 200 मिलिलीटर मूली के पत्तों के रस में मिलाकर पीना भी इस रोग में लाभकारी है। मूली के ताजे पत्ते खून व लिवर से अधिक बिलरुबीन (तरल जिसे लिवर बनाता है) निकालने में सक्षम होते हैं। इसके पत्तों को पीसकर 15-20 मिलिलीटर रस दिन में दो बार लेने से पाचनक्रिया में सुधार होता है।

प्रोटीन डाइट से कर सकते हैं बचाव

शरीर में लिवर सर्वाधिक काम करता है। हेपेटाइटिस इसी अंग को नुकसान पहुंचाता है। नई दिल्ली स्थित एक्शन इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एंड डिजेस्टीव डिसेंसेस के गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. जी. एस. लांबा के अनुसार इससे बचने के लिए रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत रखना जरूरीहै। इसके लिए प्रोटीन व विटामिनयुक्त चीजें जैसे दालें, सोयाबीन, दूध व दूध से निर्मित पदार्थ, हरी सब्जियां, फल व सूखे मेवे आदि को डाइट में शामिल करें। शाकाहारी भोजन लें व मटर, मैदा, डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ, पेस्ट्री, चॉकलेट, कोल्डड्रिंक आदि से परहेज करें व नियमित व्यायाम करें।

खबरें जरा हटके

यहां बिकते हैं दूल्हे, 9 दिनों तक लगता है मेला

नई दिल्ली। कहते हैं, जोडियां ऊपर से ही बनकर आती हैं। हालांकि फिर भी जीवन साथी की खोज करने में कई बार कुछ ज्यादा ही मेहतन करनी पड़ती है। हालांकि कई जगह दूल्हों की सौदेबाजी भी होती है। हालांकि बिहार में तो खासतौर से दूल्हों की मड़ी भी लगती है। अब आप सोच रहे होंगे कि सब्जी मंडी, किराना मंड, फल मंडी आदि तो सुना था, लेकिन ये दूल्हा मंडी क्या है।

बिहार के मधुबनी जिले में यह दूल्हों की मंडी लगती है। यहां सौराठ सभा यानी दूल्हों का मेला 22 बीघा जमीन पर 9 दिन के लिए भरता है। लोग इसे सभागाछी के नाम से भी जानते हैं। मैथिल ब्राह्मण के इस मेले में देश-विदेश से कन्याओं के पिता योग्य वर का चयन कर अपने साथ ले जाते हैं और चट मंगनी पट विवाह कर देते हैं। इतना ही नहीं यहां योग्यता के अनुसार दूल्हों की सौदेबाजी भी की जाती है।

9 दिवसीय इस मेले में पंजिकारों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जो संबंध तय होता है उसे मान्यता पंजिकार ही देते हैं। बताते चलें कि पंजिवद्ध पद्धति में पिता पक्ष और ननिहाल पक्ष के 7 पीढ़ी तक के संबंधों को देखा जाता है। किसी तरह का संबंध रहने पर वर-कन्या का विवाह नहीं होता है।

पंजिकार विभूतिनाथ झा बताते हैं कि 700 साल पहले यह मेला आरंभ हुआ था। साल 1971 में यहां लगभग 1.5 लाख लोग आए थे। वर्तमान में आने वालों की संख्या कम हो गई है। पंजिकार झा वैज्ञानिक तर्क देते हुए बताते हैं कि डिफरेंट ब्लड ग्रुप में विवाह करने से जन्म लेने वाला संतान सुंदर और स्वस्थ्य होता है।

विवाह को लेकर विभिन्न समुदाय और धर्मों में अलग-अलग रिवाजों के बारे में आपने सुना होगा। मगर कभी दूल्हों को बिकते हुए देखा है? लोकल पब्लिक की मानें तो अधिकतर पुरानी परंपराएं खत्म हो गई है। दहेज प्रथा को रोकने के लिए राजा हरि सिंह देव ने इस मेले की शुरुआत की थी।

इससे उलट अब आलम यह है कि इस मेले में लड़की पक्ष वाले वर के योग्यतानुसार मूल्य निर्धारित करते हैं। इस वजह से इसका महत्व कम होने लगा है। ज्ञात हो कि बिहार सरकार 2 अक्टूबर से दहेज प्रथा को लेकर अभियान चलाने की तैयारी में है। अगर सौराठ सभा अपने

उद्देश्य में सफल होता तो सरकार को आज यह अभियान नहीं चलाना पड़ता।

काफी दिनों से बंद इस मेले को फिर से चालू करने का निर्णय लिया गया है। इस बार ये मेला 25 जून से आरंभ होकर 3 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान भारत सहित नेपाल और आसपास के देशों से लोगों की आने की संभावना है। मेले के लिए प्रशासन की ओर से भी पूरी तैयारी की गई है। वहीं इस संबंध में दूल्हे की मंडी के पंज?कार विभूति नाथ झा कहते हैं क? अब ब्राह्मण का विवाह भी दूसरे जाति में होने लगा है। साथ ही दहेज लेना लोग अपनी शान समझने लगे हैं इस वजह से सौराठ सभा में लोग कम पहुंच रहे हैं।

डांस करने का शौकीन है गोरिल्ला, जमकर करता है वॉशरूम में डांस

टेक्सास। आपने बाथरूम सिंगर्स के बारे में तो सुना होगा। हालांकि कुछ लोग बाथरूम में गाना गानो के साथ साथ डांस भी करते हैं, लेकिन हम आपको बाथरूम डांसर गोरिल्ला के बारे में बताने जा रहे हैं। बेशक इंसान और गोरिल्ला की आदतें काफी हद तक एक जैसी हैं। टेक्सास के जू में एक गोरिल्ला कुछ ऐसी ही हरकतें करता है। हाल ही सोशल मीडिया पर उसका ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो नहाते समय डांस करता नजर आता है।

यह वीडियो जोला द डांसिंग गोरिल्ला के नाम से 20 जून को यूट्यूब पर डाला गया था। एक गोल बाथ टब में एक गोरिल्ला नहा रहा है और ऐसा डांस कर रहा है कि आपको भी देखकर हंसी आ जाए। इसकी डांसिंग स्टाइल ब्रेक डांस है। वीडियो में 14 साल के मेल गोरिल्ला जोला को ब्लू कलर के बाथिंग टब में छपक छपक कर नहाते देख इस वीडियो को सोशल मीडिया पर 5 लाख लोग अब तक देख चुके हैं।

यह जोला का पहला नजारा नहीं है। इसके पहले भी 2011 में जोला का ऐसा ही एक वीडियो सामने आया था। उस दौरान गोरिल्ला एक कमरे में नहाते हुए नजर आ रहे थे। चिड़ियाघर की सीनियर अथॉरिटी का कहना है कि पानी में नहाना उसकी खूबी है। जब भी वह पानी को देखता है तो ऐसे उत्सुक होता है कि क्या कहने।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

लॉफिंग ज़ोन

सुधा (साड़ी विक्रेता से)- 'कहिए जनाब धंधा कैसा चल रहा है?'

दुकानदार - 'कल एक साड़ी बिकी थी. आज उससे भी ज्यादा मंदा है.'

सुधा - 'अरे, इससे ज्यादा मंदा और क्या हो सकता है?'

दुकानदार - 'जो महिला कल साड़ी खरीदकर ले गई थी आज वापस कर गई.'

☺ ☺ ☺

एक मूर्ख संग्रहालय देखने गया और वहां रखी एक पुरानी मूर्ति से टकरा गया. मूर्ति टूट गयी. संग्रहालय के अधिकारी ने जब यह देखा, तो गुस्से से बोला, 'हे भगवान, आपने 500 साल पुरानी यह मूर्ति तोड़ दी?'

मूर्ख ने राहत की सांस ली और बोला, 'तो नाराज क्यों होते हो?' मैं तो इसे नयी मूर्ति समझ बैठा था.

☺ ☺ ☺

दो महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं.

पहली बोली- मेरे पति दिन भर में बहुत से भूखे लोगों को खाना खिला देते हैं.

हां बहन, आजकल देवता जैसे लोग मिलते ही कहां है. तू बहुत ही भाग्यवान है, जो तुझे ऐसे पति मिले है. वैसे तेरे पति करते क्या हैं? दूसरी महिला ने कहते हुए पूछा.

'वे एक होटल मे वेटर है.' पहली महिला ने जवाब दिया.

काकुरो पहेली - 4096

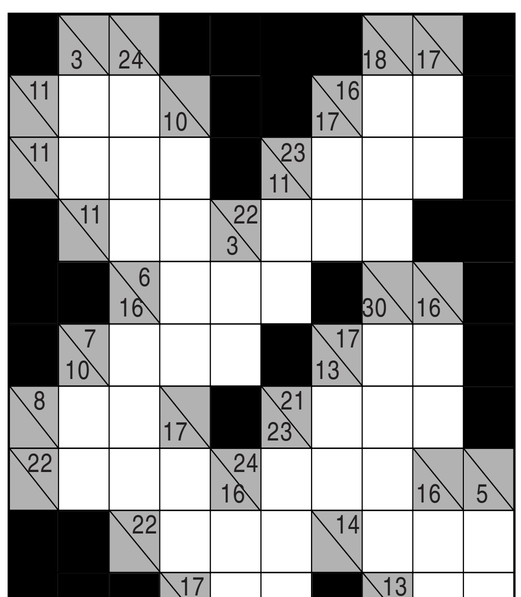

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

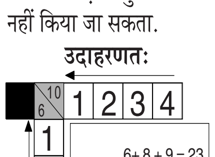

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4095 हल

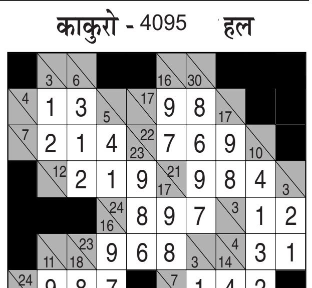

फिल्म वर्ग पहेली- 4096

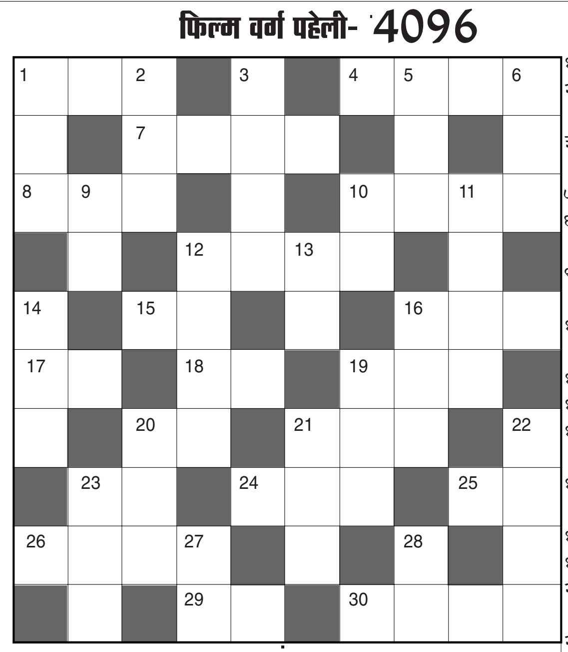

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4095

सूडोकु -4096

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4096 हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 4096

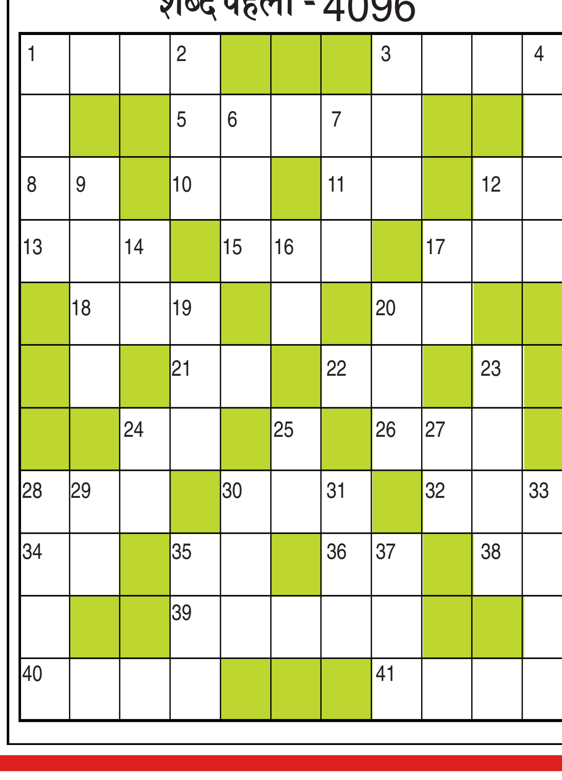

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली - 4096 हल

कश्मीर घाटी में वोटिंग के रिकॉर्ड टूटे, लोगों को सरकार की गारंटी पर विश्वासः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी
नई दिल्ली। संसद में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण हुआ। इसकी शुरुआत राष्ट्रपति ने सभी निर्वाचित सांसदों को बधाई के साथ की। राष्ट्रपति ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में कश्मीर घाटी में वोटिंग के अनेक दशकों के रिकॉर्ड टूटे हैं। उन्होंने कहा कि बीते 4 दशकों में हमने कश्मीर में बंद और हड़ताल के बीच कम मतदान का दौर भी देखा था। भारत के दुश्मन वैश्विक मंच पर इसको जम्मू कश्मीर की राय के तौर पर दुष्प्रचारित करते रहे हैं। लेकिन इस बार कश्मीर घाटी में लोगों ने इसका करारा जवाब दिया है।

उन्होंने कहा कि 2024 चुनाव की चर्चा पूरी दुनिया में है। दुनिया देख रही है कि भारत के लोगों ने तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई है। 6 दशक बाद ऐसा हुआ है। भारत के लोगों को यह पूर्ण विश्वास है कि उनकी आकांक्षाएं सिर्फ मेरी सरकार ही पूरा कर सकती है। इसलिए 2024 का यह चुनाव नीति, नियत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का चुनाव रहा है। मजबूत और निर्णायक सरकार में विश्वास, सुशासन, स्थिरता और निरंतरता में विश्वास, ईमानदारी और कड़ी मेहनत में विश्वास, सुरक्षा और समृद्धि में विश्वास, सरकार की गारंटी और डिलीवरी में विश्वास, विकसित भारत के संकल्प में विश्वास।

उन्होंने कहा कि मेरी सरकार ने बीते 10 वर्षों में सेवा और सुशासन का जो मिशन चलाया है, यह उस पर मुहर है। राष्ट्रपति ने कहा कि 18वीं लोकसभा कई मायनों में एक ऐतिहासिक लोकसभा है। यह लोकसभा अमृत काल के शुरुआती वर्षों में गठित हुई है। यह लोकसभा देश के संविधान को अपनाने के 75वें वर्ष की भी साक्षी बनेगी।

आगामी सत्र में मेरी सरकार इस कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है। यह बजट सरकार की दूरगामी नीतियों का एक प्रभावी दस्तावेज होगा। इस बजट में बड़े आर्थिक और सामाजिक निर्णयों के

साथ ही अनेक ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे। रिफंड की गति अब और तेज की जाएगी। राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया भर में निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। राज्यों के विकास से देश का विकास हम इसी भावना से आगे बढ़ते रहेंगे। राष्ट्रपति ने बताया कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है। 10 साल में भारत 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से ऊपर उठकर पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। बीते कुछ वर्षों में भारत ने औसतन 8 प्रतिशत की रफ्तार से विकास किया है। वैश्विक महामारी का सामना करने के बावजूद भारत ने यह विकास दर हासिल की है। आज भारत अकेले ही विश्व के ग्रोथ में 15 फीसदी का योगदान दे रहा है। मेरी सरकार भारत को विश्व की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाने में जुटी हुई है। इस लक्ष्य की प्राप्ति विकसित भारत की नींव को भी मजबूत करने का काम करेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि मेरी सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तंभों मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज और कृषि को बराबर महत्व दे रही है। निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। चाहे सेमीकंडक्टर हो, सोलर हो, इलेक्ट्रिक व्हीकल हो, इलेक्ट्रॉनिक गुड्स, ग्रीन हाइड्रोजन हो या बैटरी हो, एयरक्राफ्ट कैरियर हो, या फाइटर जेट हो, भारत इन सब सेक्टर में अपना विस्तार कर रहा है।

राष्ट्रपति ने बताया कि लॉजिस्टिक की लागत को कम करने के लिए भी सरकार लगातार कार्य कर रही है। सरकार सर्विस सेक्टर को भी मजबूत करने में जुटी है। आज आईटी से लेकर टूरिज्म तक, हेल्थ से लेकर वैलनेस तक हर सेक्टर में भारत लीडर बन रहा है। इससे रोजगार और स्वरोजगार के नए मौके बन रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास पर जोर दिया गया है। गांव में डेयरी और फिशरी संबंधित उद्योगों का विस्तार किया जा रहा है। सरकार छोटे किसानों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी भंडारण व्यवस्था पर काम कर रही है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत अभी तक 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि दी जा चुकी है। मेरी सरकार के नए कार्यकाल के शुरुआत में ही किसानों को 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि ट्रांसफर की जा चुकी है। सरकार ने खरीफ फसलों के एमएसपी में रिकॉर्ड वृद्धि की है। आज का भारत कृषि व्यवस्था में बदलाव कर रहा है। निर्यात बढ़ाने को लेकर नीतियां बनाई गई हैं। दलहन और तिलहन का उत्पादन को बढ़ाने के लिए हम किसानों की मदद कर रहे हैं। विश्व में ऑर्गेनिक उत्पादों की डिमांड पूरी करने के लिए भारतीय किसानों के पास पूरी क्षमता है।

पलामू में उग्रवादियों ने हुसैनाबाद विधायक कमलेश सिंह के भाई की कंट्रक्शन कंपनी के तीन वाहन फूंके

पलामू। झारखंड में पलामू जिले के सड़ेया गांव में बुधवार रात साढ़े 10 बजे उग्रवादियों ने हुसैनाबाद के विधायक कमलेश कुमार सिंह के भाई विनय कुमार सिंह की अभय कंस्ट्रक्शन कंपनी के तीन वाहन (दो ट्रैक्टर, एक जेसीबी) फूंक दिए। इस कंपनी के पास हैदरनगर थाना क्षेत्र में सड़क (सड़ेया-डंडिला मार्ग) निर्माण का ठेका है। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने वारदात की पुष्टि की है।हुसैनाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार महतो के नेतृत्व में टीम छानबीन कर रही है। हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वारदात को उग्रवादियों ने अंजाम दिया या अपराधियों ने। विधायक के भाई विनय कुमार सिंह का कहना है कि उन्हें उग्रवादी लगातार धमका रहे हैं। कई बार हुसैनाबाद और छतरपुर डीएसपी को सूचना दी गई। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन का कहना है कि इलाके में सर्च अभियान शुरू किया गया है। ठेकेदार ने दो दिन पहले मुंशी बदला था। हुसैनाबाद के एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो, हुसैनाबाद व हैदरनगर थाना प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल को घटनास्थल भेजा गया है।

ऐतिहासिक भोजशाला में 97वें दिन भी जारी रहा एएसआई का सर्वे

भोपाल। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के आदेश पर धार की ऐतिहासिक भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विभाग का सर्वे 97वें दिन भी जारी रहा। एएसआई के 11 अधिकारियों की टीम 35 श्रमिकों के साथ सुबह आठ बजे भोजशाला परिसर में पहुंची और शाम पांच बजे बाहर आई। यहां टीम ने आधुनिक उपकरणों के जरिए वैज्ञानिक पद्धति से करीब नौ घंटे काम किया। सर्वे टीम के साथ हिंदू पक्ष के गोपाल शर्मा, आशीष गोयल और मुस्लिम पक्ष के अब्दुल समद खान भी मौजूद रहे।ज्ञानवापी की तर्ज पर जारी सर्वे के 97वें दिन भोजशाला के उत्तरी पूर्व हिस्से में दिनभर मिट्टी हटाने का काम चला। जहां पर खुदाई चल रही है, वहां पर लेवलिंग भी की गई। यहां मिट्टी हटाने के दौरान आठ अवशेष प्राप्त हुए हैं। इनमें देवी की एक खंडित मूर्ति है। यह काले पाषाण की है। दो पुरावशेषों में भगवान नृसिंह की आकृति दिखाई दे रही है, जबकि शेष पांच पुरावशेष अस्पष्ट हैं। उनकी सफाई के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। मिली देवी की खंडित मूर्ति का चेहरा दिखाई दे रहा है। नीचे का भाग भी स्पष्ट है, बीच का भाग खंडित है। यह किस देवी की मूर्ति है, यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। सभी अवशेषों को एएसआई की टीम ने अपने संरक्षण में ले लिया है।

रतन दुबे हत्याकांडः एनआईए ने ली छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर तलाशी

रायपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में एक दर्जन स्थानों पर व्यापक तलाशी ली। यह तलाशी सीपीआई (माओवादी) कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा नेता रतन दुबे की जघन्य हत्या की जांच के तहत की गई। उल्लेखनीय है कि राज्य के नारायणपुर जिले के कौशलनार साप्ताहिक बाजार में 2023 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दुबे पर बेरहमी से हमला किया गया और कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। एनआईए की अब तक की जांच के अनुसार प्रतिबंधित नक्सली संगठन सीपीआई (माओवादी) के हथियारबंद हमलावरों ने उनकी हत्या की।आधिकारिक जानकारी के अनुसार सीपीआई (माओवादी) के पूर्वी बस्तर डिवीजन के बयानार एरिया कमेटी के विभिन्न संदिग्धों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओडब्ल्यूजी)/समर्थकों से जुड़े परिसरों पर कार्रवाई करते हुए एनआईए ने आज तोयनार, कौशलनार, बडेनहोद, धौदाई और कोंगेरा गांवों में 12 स्थानों पर विस्तृत तलाशी ली। तलाशी के दौरान कई मोबाइल फोन, एक टैबलेट और 9.90 लाख रुपये की नकदी के साथ-साथ नक्सली पर्चे और साहित्य जब्त किए गए। एनआईए, आरसी-08/2024/एनआईए/आरपीआर मामले में अपनी जांच जारी रखे हुए है, जिसे उसने फरवरी 2024 में स्थानीय पुलिस से अपने हाथ में लिया था। एजेंसी ने पहले ही इस मामले में एक आरोपित के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया है।

डोडा मुठभेड़ में एक और आतंकवादी मारा गया, अब तक दो आतंकी ढेर

डोडा। डोडा जिले के गंदोह के वन क्षेत्र में जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक और आतंकवादी को मार गिराया है। आज सुबह इसी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया था। माना जा रहा है कि अभी और आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे हुए है, इसलिए सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 11 और 12 जून को पहाड़ी जिले में हुए दोहरे आतंकवादी हमलों के बाद से सेना और केंद्रीय

रिजर्व पुलिस बल सीआरपीएफ के साथ पुलिस का गहन तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी था। इस दौरान सुबह गंदोह क्षेत्र के बजाद गांव में अभियान के दौरान क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों को पास आते देख गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है। खबर लिखे जाने तक सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी थी।

पंजाब का फंड रोकने के लिए केंद्र के खिलाफ आवाज उठाएंगे : गुरमीत सिंह मीत हेयर

एजेंसी
चंडीगढ़ । संगरूर से सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार पंजाब के वित्तीय हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए राजनीतिक साजिश के तहत काम कर रही है। नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वह सात हजार करोड़ रुपये के ग्रामीण विकास फंड और मंडी विकास फंड को जारी नहीं करने का मुद्दा उठाएंगे। आप सांसद ने केंद्र सरकार पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सर्व शिक्षा अभियान और अन्य केंद्रीय योजनाओं के तहत पंजाब के लिए धनराशि जानबूझकर रोकने का भी आरोप लगाया। इसके अलावा कहा कि वह राज्य के वित्तीय अधिकारों पर केंद्र के हमले के खिलाफ तब तक आवाज उठाएंगे जब तक राज्य को न्याय नहीं मिल

जाता। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के बारे में पूछे गए एक सवाल पर आप सांसद ने कहा कि भारत में यह लोकतांत्रिक परंपरा रही है कि अध्यक्ष (स्पीकर) सत्तारूढ़ गठबंधन से आता है। जबकि लोकसभा का उपाध्यक्ष हमेशा विपक्ष से होता है। लेकिन भाजपा अपने अहंकार को संतुष्ट करने के लिए इस लोकतांत्रिक परंपरा को तोड़ रही है। इस लोकतंत्र विरोधी कदम का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दल इस लोकतांत्रिक परंपरा को बचाने के लिए चुनाव लड़ने पर जोर दे रहे हैं।

भाजपा देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। विपक्ष ने हाल ही में हुए आम चुनाव में संविधान और लोकतंत्र को बचाने का मुख्य मुद्दा उठाया था, जिस पर भारत की जनता ने पॉजिटिव प्रतिक्रिया दी थी।

हिमाचल प्रदेश में 10 जुलाई को उपचुनाव, 13 उम्मीदवार मैदान में

एजेंसी
शिमला । हिमाचल प्रदेश की तीन विधानसभा सीट-- देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ पर 10 जुलाई को उपचुनाव होगा। निर्वाचन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उपचुनाव के लिए नामांकन वापसी के बाद 13 उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं।

हमीरपुर में निर्दलीय उम्मीदवार प्रदीप कुमार के नामांकन वापस लेने के बाद अब केवल तीन उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। नालागढ़ में निर्दलीय उम्मीदवार गुरनाम सिंह ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया है। अब पांच उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। देहरा में किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन वापस नहीं लिया। पांच उम्मीदवार उपचुनाव लड़ेंगे। कांगड़ा जिले की

देहरा विधानसभा सीट पर कांग्रेस की कमलेश कुमारी (53), भाजपा के होशियार सिंह (57) और निर्दलीय उम्मीदवार सुलेखा देवी (59), अरुण अंकेश स्याल (34) और संजय शर्मा (56) चुनाव लड़ रहे हैं। हमीरपुर से भाजपा के आशीष शर्मा (37), कांग्रेस के पुष्पेंद्र वर्मा (48) और निर्दलीय उम्मीदवार नंद लाल शर्मा (64) मैदान में हैं। नालागढ़ में कांग्रेस के हरदीप सिंह बावा (44), भाजपा के केएल ठाकुर (64), स्वाभिमान पार्टी के किशोरी लाल शर्मा (46) और निर्दलीय हरप्रीत सिंह (36) और विजय सिंह (36) मैदान में हैं।

राज्यपाल ने जारी किए नियुक्ति आदेश : सेवानिवृत न्यायाधीश गंगाराम मूलचंदानी मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी
जयपुर । राज्यपाल कलराज मिश्र ने सेवानिवृत न्यायाधीश गंगाराम मूलचंदानी को राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष और भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत अधिकारी गुप्ता को सदस्य के रूप में नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। राज्यपाल ने राजस्थान मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993, (मानवाधिकार संरक्षण, (संशोधन) अधिनियम 2019 अधिनियम संरक्षण 19, 2019 द्वारा संशोधित) की धारा 22 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन दोनों को पद धारण करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि अथवा 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो के लिए यह नियुक्ति की है।

शहडोल रेलवे स्टेशन के यार्ड में कोयला मालगाड़ी के चार डिब्बे पलटे

एजेंसी
शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल में गुरुवार सुबह स्टेशन के यार्ड में मालगाड़ी के चार डिब्बे पटरी से नीचे उतर गए, जिससे दूसरी ट्रैक पर खड़ी एक मालगाड़ी भी प्रभावित हो गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी लगते ही मौके पर रेलवे के अधिकारी पहुंच गये। फिलहाल राहत कार्य जारी है। शहडोल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 रेल यार्ड पर गुरुवार सुबह करीब 6:40 बजे कोयले से भरी मालगाड़ी के चार डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गये। जिस ट्रैक पर यह हादसा हुआ, उस ट्रैक की 4 लाइनें प्रभावित हो गई। हालांकि, यात्री ट्रेनों की आवाजाही जारी है। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यार्ड लाइन 10 पर मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे हैं, जिससे ट्रेनों के आवागमन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। फिलहाल राहत कार्य जारी है।

आतंक फैलाने के पांच आरोपितों की करोड़ों की संपत्ति जब्त

एजेंसी
श्रीनगर। बारामुला में पुलिस ने स्थानीय कोर्ट के कुर्की आदेश के बाद पाकिस्तान के इशारे पर दहशतगर्दी फैलाने के पांच आरोपितों की करोड़ों रुपये की संपत्ति (नौ कनाल भूमि) जब्त की है। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने जिन पांच आतंकियों की संपत्ति जब्त की है, उनमें बशीर अहमद गनी पुत्र अहमद निवासी तिलगाम, मेहराज उद दीन लोन पुत्र फता मोहम्मद निवासी खरगाम, गुलाम मोहम्मद याटू पुत्र अहमद निवासी तिलगाम, अब रहमान भट पुत्र मोहम्मद सुभान निवासी वानीगाम पाईन तथा अब राशिद लोन पुत्र मोहिउद्दीन निवासी सतरेसीरन शामिल हैं। यह कार्रवाई सीआरपीसी की धाराओं के तहत की गई है। पुलिस ने पूछताछ के दौरान आतंकी संचालकों से संबंधित संपत्ति की पहचान की थी।

देश में एक स्वास्थ्य गतिविधियों के लिए पर्यावरण मूल्यांकन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श की शुरुआत

एजेंसी
नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य स्वास्थ्य डॉ. वी.के. पॉल ने भारत में एक स्वास्थ्य गतिविधियों के लिए पर्यावरण को लेकर कानूनी मूल्यांकन पर गुरुवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श का उद्घाटन किया। इस परामर्श का उद्देश्य स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रभावित करने वाले पर्यावरण कारकों और कानून कारणों की विवेचना करना है और सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना है। राजधानी में आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय इस कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा, कानून एवं न्याय मंत्रालय के सचिव डॉ. राजीव मणि, डीजीएचएस डॉ. अतुल गोयल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एल.एस. चांगसन, संयुक्त सचिव सरिता चौहान, निवासी प्रतिनिधि ए.आई. यूएनडीपी, इसाबेल सचान और डॉ. सिम्मी तिवारी, वन हेल्थ, एनसीडीसी की नोडल और विषय विशेषज्ञ भी मौजूद हैं। यह विचार विमर्श शुक्रवार को भी चलेगा।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से लोगों को मिली गर्मी से राहत

एजेंसी
नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिली है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद समेत पूरे एनसीआर में बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया।

बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है, जिस वजह से लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली है। बारिश के कारण कई जगहों पर पानी भर गया है।

हालांकि, सुबह-सुबह बारिश होने के कारण दफ्तर एवं अन्य कार्यों को जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जबकि, उन्होंने गर्मी से राहत की सांस ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान जताया है। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में पूरे हफ्ते बारिश की गतिविधियां देखने को मिलेंगी। शुक्रवार को मध्य और शनिवार को तेज बारिश की संभावना है। मौसम

विभाग के अनुसार, नोएडा का तापमान पूरे हफ्ते अधिकतम 32 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। जबकि न्यूनतम तापमान 25 से 28 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। बता दें कि उत्तर भारत में लोग बीते कुछ दिनों से भीषण गर्मी से परेशान हैं। लोगों को अब गर्मी से राहत मिल सकती है। मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आने लगा है। मानसून पहले ही देश के पूर्वी राज्यों में भी दस्तक दे चुका है। मौसम विभाग ने राजस्थान, गुजरात के कई इलाकों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

भाजपा में शामिल हुए युवाओं का जोश और विश्वास देखकर पूरी तरह लगता है कि पूरा क्षेत्र भाजपामय होगा : पूर्व मंत्री अनिल विज

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज की कार्यशैली से प्रभावित होकर आज बहुजन समाज पार्टी के नेता मदनपाल राणा बसपा छोड़ कई गांवों से राजपूत समाज के सैकड़ों युवाओं सहित भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। विज ने सभी को पार्टी के पटके पहनाकर उनका भारतीय जनता पार्टी में स्वागत किया और गांव-गांव जाएंगे, कमल का फूल खिलाएंगे के नारे जोशीले अंदाज में लगाए। इस मौके पर पूर्व मंत्री अनिल विज ने कहा कि मदनपाल राणा की अध्यक्षता में गांव-गांव से युवा आए है जिन्होंने भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है और कहा है गांव-गांव जाएंगे, कमल का फूल खिलाएंगे। उन्होंने कहा पार्टी में शामिल हुए कार्यकर्ताओं का जोश व विश्वास देखकर पूरी तरह से लगता है कि पूरा क्षेत्र भाजपामय होगा।

वहीं, भाजपा में शामिल हुए

मदनपाल राणा ने कहा कि आज सैकड़ों युवा साथी उनके साथ भाजपा में शामिल हुए हैं और अनिल विज के नेतृत्व में हम भाजपा को और आगे ले जाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा अनिल विज वो शखिसयत है जिन्होंने हरियाणा के कोने-कोने में जाकर जिस प्रकार बाबा भीमराव अम्बेडकर, महाराणा प्रताप व अन्य गुरूओं ने लड़कर दबे-कुचले लोगों को उठाने का काम किया। इसी प्रकार अनिल विज ने हमेशा समाज की सेवा, सम्मान और उनकी सुरक्षा का काम किया। उन्होंने कहा हम सभी अनिल विज में आस्था रखते हुए भाजपा में शामिल हुए है। उन्हें आशा व पूरी उम्मीद है कि आने वाले समय में कमल का फूल घर-घर खिलाकर मेहनत करेंगे और अनिल विज को आगे बढ़ाने का काम करते हुए भाजपा को विजयी बनाएंगे। वहीं, इससे पहले मदनपाल राणा ने पूर्व मंत्री अनिल विज को पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष किरणपाल चौहान, महासचिव नरेंद्र राणा, श्याम सुंदर अरोड़ा, विशाल टांगरी, रवि जाट सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

गर्भगृह जहाँ भगवान रामलला विराजमान है, वहाँ एक भी बूंद पानी छत से नहीं टपकाः चम्पत राय

एजेंसी
अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में वर्षाकाल के दौरान छत से पानी टपकने के तथ्य पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महामंत्री चम्पत राय ने बयान जारी कर कहा कि गर्भगृह जहाँ भगवान रामलला विराजमान हैं, वहाँ एक भी बूंद पानी छत से नहीं टपका है और न ही कहीं से पानी गर्भगृह में प्रवेश हुआ है। उन्होंने बताया कि गर्भगृह के आगे पूर्व दिशा में मंडप है , इसे गूढ़मण्डप कहा जाता है । वहाँ मंदिर के द्वितीय तल की छत का कार्य पूर्ण होने के पश्चात (भूतल से लगभग 60 फीट ऊँचा) घुम्मट जुड़ेगा और मण्डप की छत बन्द हो जाएगी । इस मंडप का क्षेत्र 35 फीट व्यास का है, जिसको अस्थायी रूप से प्रथम तल पर ही ढक कर दर्शन कराये जा रहे हैं ।

चारधाम यात्रा से देवभूमि गुलजार, अब तक 26.97 लाख तीर्थयात्रियों ने किए दर्शन

एजेंसी
देहरादून। देवभूमि इन दिनों तीर्थयात्रा से गुलजार है। उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा को लेकर आस्था का ज्वार दिख रहा है। लगातार तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है। चारधाम यात्रा इस बार नए रिकॉर्ड की तरफ बढ़ रही है। चारधाम यात्रा शुरू हुए अभी दो माह भी नहीं बीते हैं और अब तक 27 लाख के करीब तीर्थयात्री पहुंच चुके हैं। वहीं हेमकुंड साहिब में अब तक 112292 श्रद्धालु मत्था टेक चुके हैं। ऐसे में इस वर्ष की चारधाम यात्रा पर्यटन से जुड़े व्यवसायियों के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होगी। चारधाम यात्रा की आंकड़ों पर गौर करें तो कंट्रोल रूम से जारी रिपोर्ट के अनुसार चारों धामों में अब तक 2697957 तीर्थयात्री शीश नवा चुके हैं। करोड़ों हिंदुओं की आस्था के केंद्र भगवान केदारनाथ धाम में यात्रा के शुरुआत से देश-विदेश से

आने वाले भक्तों की भीड़ ने विगत वर्षों से सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अब तक 984209 तीर्थयात्री केदारनाथ धाम के दर्शन कर चुके हैं। चारों धामों में सबसे ज्यादा यात्री केदारनाथ के दर्शनों के लिए ही पहुंच रहे हैं। विगत दो वर्षों की भांति इस वर्ष एक बार फिर यात्रियों की संख्या में इजाफा होने से शासन-प्रशासन के सामने कई चुनौतियां खड़ी हो गईं। कपाट खुलने के बाद से प्रतिदिन 20 से 30 हजार के बीच यात्री भोले बाबा के दर्शन को पहुंच रहे हैं। यात्रियों की संख्या में इजाफा देखते हुए बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति व प्रशासन ने केदारनाथ में प्रतिदिन दर्शन का समय भी बढ़ा दिया है, जिससे अधिक से अधिक यात्री दर्शन कर लौट सकें। वहीं बद्रीनाथ धाम में अब तक 771307 व यमुनोत्री धाम में 458092 तो गंगोत्री धाम में 484349 तीर्थयात्री हाजिरी लगा चुके हैं।

झारखंड के मनोहरपुर में टेरर फंडिंग पर एनआईए का छापा

एजेंसी
पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड में पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज टेरर फंडिंग पर बड़ी कार्रवाई करते हुए छापा मारा है। एनआईए के रांची ब्रांच के अधिकारियों ने सुबह

मनोहरपुर स्थित जोगी भट्ठा में दबिश दी। अफसरों के मुताबिक, एक करोड़ रुपये के इनामी मिसिर बेसरा और माओवादियों के फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशन के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह एनआईए की टीम ने जेल में बंद अमन साहू के तीन ठिकानों पर भी छापा मारा था।

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ- देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न-जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।

- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रातः पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दुःख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।
- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास :** हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी :** विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने 'बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता-फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

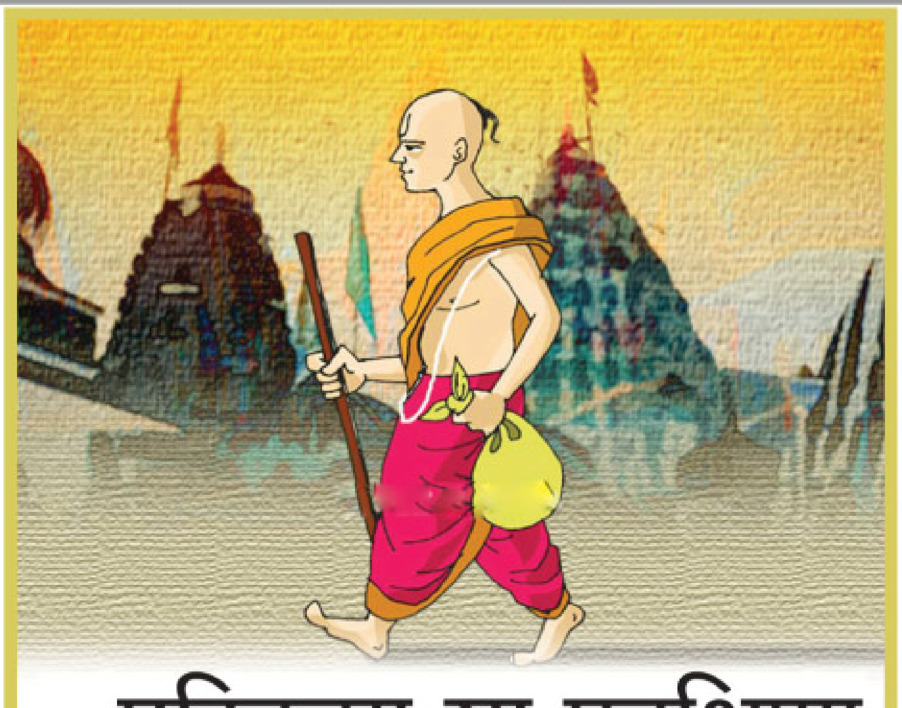

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा

जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा

देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा

जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा

जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा

जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा

जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा

जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा

अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाज्रक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग-अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा

मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा

भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा

जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा

एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा

यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?

- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

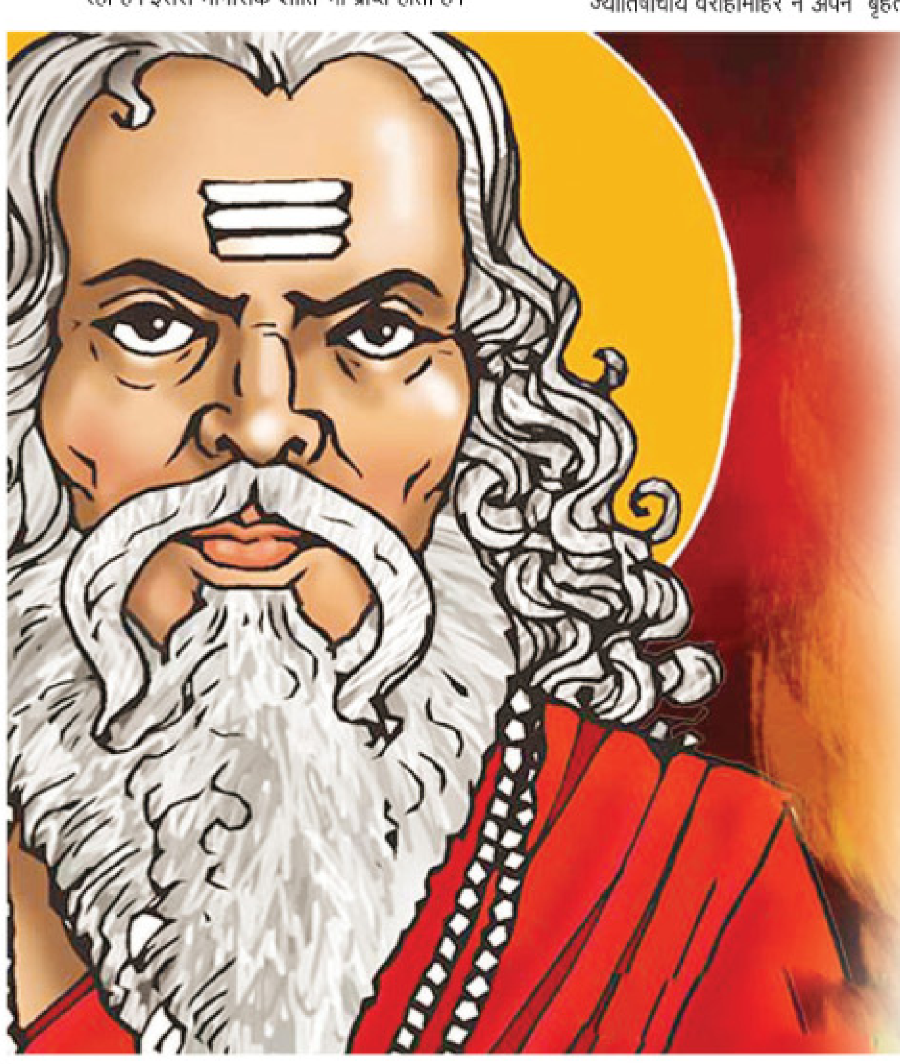

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे मं संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :

- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच-बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों- पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईध्मवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

एमिटी, नोएडा सिटी, एम2एम और नॉर्दन यूनाइटेड का प्रमोशन तय

एजेंसी

नई दिल्ली। डीएसए 'ए' डिवीजन लीग का ताज किसके सिर सजेगा, गुरुवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाने वाले तीन मैचों से तय हो जाएगा। इतना तय है कि एमिटी इंडियन नेशनल एफसी, नोएडा सिटी एफसी, एम2एम और नॉर्दन यूनाइटेड एफसी की टीमें सुपर सिक्स मुकाबलों की सफलता के बाद सीनियर डिवीजन में पहुंच रही हैं। देर शाम को खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में नॉर्दन यूनाइटेड ने हेमंत ठाकुर के गोल की बदौलत एम2एम को 1-0 से हराकर दूसरी जीत के साथ सीनियर डिवीजन के लिए दावा पेश किया। एक अन्य मैच में हॉप्स ने बंग दर्शन पर लालनुपुई के दो गोलों से 3-1 की जीत पाई। बंगदर्शन और हॉप्स के लिए आगे बढ़ने के रास्ते लगभग बंद हो चुके हैं। बंगदर्शन के अंकों का खाता भी नहीं खुल पाया है, जबकि होप्स ने एक मैच जीत तीन अंक जुटाए हैं।

अजमेर में खेल महाकुंभ का आयोजन 30 जुलाई से

अजमेर। राजस्थान में अजमेर नगर निगम की ओर से 30 जून से सात जुलाई तक अजमेर में खेल महाकुंभ का आयोजन किया जायेगा अजमेर नगर निगम 'सम्राट पृथ्वीराज चौहान अजयमेरु खेल महाकुंभ 2024' को लेकर आयोजित बैठक के बाद उपमहापौर एवं कार्यक्रम संयोजक नीरज जैन ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अजमेर के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करके खेलों को बढ़ावा देने और छुपी हुई प्रतिभाओं को बाहर लाने के लिए खेल महाकुंभ 2024 का आयोजन पटेल मैदान, चंद्रवरदाई स्टेडियम और इंदौर स्टेडियम में नगर निगम अजमेर एवं क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है।

चोटिल रेड्डी की जगह जिम्बाब्वे दौरे जायेंगे दुबे

मुम्बई। चोटिल नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को जिम्बाब्वे दौरे की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह जानकारी दी। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि रेड्डी को किस तरह की चोट लगी है, लेकिन चिकित्सा दल उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुये है। 21 साल के ऑलराउंडर रेड्डी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए पहली बार भारतीय टीम में चुना गया था। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 142.92 के स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए और गेंदबाज़ी में 13.1 ओवर करते हुए तीन विकेट लिए। दुबे जो कि इस समय भारत की टी-20 विश्वकप 2024 टीम का हिस्सा हैं। उनके आंकड़े टूर्नामेंट में मिले जुले रहे हैं, जहां पर उन्होंने छह मैच में 107.07 के स्ट्राइक रेट से 106 रन बनाए हैं। उन्होंने आईपीएल के 14 मैचों में 162.29 के स्ट्राइक रेट से 396 रन बनाए थे।

गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हटे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर होने का फैसला किया है। पंचकुला में शुरू हो रही यह प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का अंतिम मौका है। कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने पीटीआई को बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है। भारत के 29 साल के तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। यह देखना होगा कि भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) तूर की नवीनतम समस्या से कैसे निपटता है क्योंकि अधिकारी अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कह रहे हैं। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा दो अगस्त (क्वालिफाइंग दौर) को शुरू होगी और फाइनल तीन अगस्त को होगा।

पिछले महीने एएफआई के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने स्पष्ट किया था कि ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए पेरिस ओलंपिक में चयन के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप (27-30 जून) में भाग लेना अनिवार्य होगा।भारत के गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर होने का फैसला किया है।

टी-20 विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका फाइनल में, अफगानिस्तान को 9 विकेट से दी करारी शिकस्त

एजेंसी

तरोबा। दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार (भारतीय समयानुसार) अफगानिस्तान को 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर आईसीसी टी-20 विश्व कप 2024 के फाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उसका सामना भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल मैच के विजेता से होगा।

57 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक केवल 5 रन बनाकर फजलहक फारूकी की गेंद पर बोल्ड हो गए, लेकिन इसके बाद रीजा हैंड्रिक्स और कप्तान एडन मार्करम ने दूसरे विकेट के लिए नाबाद 55 रनों की साझेदारी कर 8.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 60 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से जीत दिला दी। हैंड्रिक्स 25 गेंदों पर 3 चौके और 1 छक्के की बदौलत 29 और एडन मार्करम 21 गेंदों पर 4 चौकों की बदौलत 23 रन बनाकर नाबाद रहे। मार्को यान्सन (4 ओवर 16 रन 3 विकेट) को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

इससे पहले गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 11.5 ओवर में केवल 56 रन पर समेट दिया। अफगानिस्तान की ओर से अजमतुल्लाह उमरजई (10) के अलावा कोभ भी बल्लेबाज दहाई की संख्या भी पार न कर सका।

मैच में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और उनका यह तब निर्णय गलत साबित हुआ, जब अफगानी टीम ने केवल 28 रन पर 6 विकेट गंवा दिये। यहां से राशिद खान (08) और करीम जनत (08) ने 22 रनों की साझेदारी कर टीम का स्कोर 50 तक पहुंचाया। 50 के कुल स्कोर पर तबरेज शम्सी ने पहले जनत और उसके बाद नूर अहमद (00) को आउट कर बांग्लादेश को स्कोर 50 रनों पर 8 विकेट कर दिया। इसी स्कोर पर एनरिक नार्ट्जे ने राशिद खान को भी बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। 56 के कुल स्कोर पर शम्सी ने नवील उल हक (02) को एलबीडब्ल्यू कर अफगानिस्तान की पारी समेट दी। फजलहक फारूकी 2 रन बनाकर नाबाद रहे।

दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यान्सन और तबरेज शम्सी ने 3-3 विकेट लिये, जबकि कागिसो रबाडा और एनरिक नोर्ट्जे ने 2-2 विकेट हासिल किया।

पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए मंगलवार को जारी बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन की नवीनतम विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। सुहास फ्रांस के दिग्गज लुकास माजुर को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। 40 वर्षीय अर्जुन पुरस्कार विजेता सुहास को टोक्यो पैरालंपिक के एसएल-4 वर्ग के खिताबी मुकाबले में माजुर के खिलाफ हार के चलते रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। सुहास के नाम पर अब 60 हजार 527 अंक हैं जो फ्रांस के उनके प्रतिद्वंद्वी माजुर (58 हजार 953) से अधिक हैं। सुहास ने सोशल मीडिया पर लिखा, अंततः विश्व नंबर एक। यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि आज घोषित नवीनतम बैडमिंटन विश्व महासंघ पैरा बैडमिंटन रैंकिंग में पुरुष सिंगल्स वर्ग में मुझे जीवन में पहली बार विश्व नंबर एक रैंकिंग मिली है। मैंने लंबे समय से विश्व नंबर एक खिलाड़ी फ्रांस के लुकास माजुर की जगह ली। आपके आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी सुहास ने इस साल फरवरी में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को पछाड़कर विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता था।

आईओसी ने खेल और खेल से कहीं अधिक कार्यक्रम का किया शुभारंभ

एजेंस

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने खेल और खेल से कहीं अधिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इसका उद्देश्य खेल के आनंद और मनोरंजन तथा प्रशंसकों के अनुभव का जश्न मनाकर ओलंपिक को दुनिया भर के लोगों के दिलों और जीवन के करीब लाना है। पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों की शुरुआत से एक महीने पहले, आईओसी इस नए मंच के माध्यम से मानवीय संबंध, व्यक्तिगत सशक्तिकरण और विकास, अवसरों और सपनों को साकार करने की कोशिश कर रहा है।

आईओसी ने कहा कि कार्यक्रम एक लघु फिल्म के साथ शुरू होगा, जिसकी शुरुआत पेरिस की सड़कों पर होती है, जहाँ अगले महीने 33वें ओलंपियाड के खेल शुरू होंगे। यह ओलंपिक भावना का अनुसरण करता है - जिसका प्रतिनिधित्व एक जादुई, अदृश्य शक्ति द्वारा किया जाता है जो दुनिया भर में यात्रा करती है, सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों से जुड़ती है, और उनमें कई तरह की भावनाओं को प्रेरित करती है। इसमें

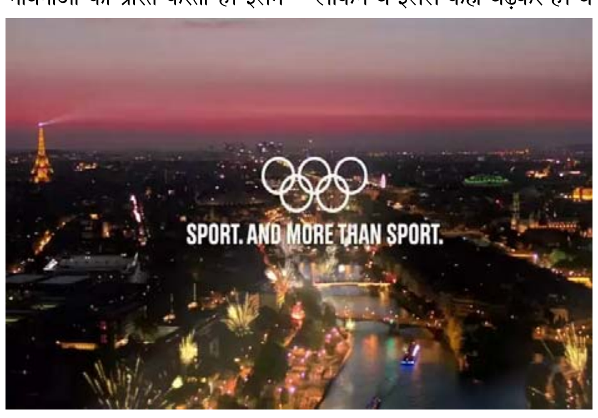

ओलंपिक की दिग्गज जिमनास्ट नादिया कोमनेसी को आम एथलीटों के साथ दिखाया गया है, जो ओलंपिक भावना की सार्वभौमिकता और सभी लोगों के जीवन को छूने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डालती है। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ÷खेल ओलंपिक खेलों के केंद्र में है। लेकिन वे इससे कहीं बढ़कर हैं। वे प्रतिस्पर्धा से परे हैं। वे ओलंपिक मूल्यों को जीने, भावनाओं को महसूस करने, अवसरों का आनंद लेने, अद्भुत यादों को साझा करने के बारे में हैं। यह ओलंपिक खेलों की अनूठी और स्थायी भावना है जिसे हम पेरिस 2024 और उसके बाद देखने वाले हैं।

पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने के बाद जूडोका तूलिका मान की नजरें पदक पर

एजेंसी

नई दिल्ली। तूलिका मान ओलंपिक में जगह बनाने को लेकर सुनिश्चित नहीं थी लेकिन अब पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने के बाद इस भारतीय जूडो खिलाड़ी को पदक जीतने की उम्मीद है और उन्होंने कम से कम कांस्य पदक के प्ले ऑफ में जगह बनाने को लक्ष्य बनाया हैराष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता 25 साल की तूलिका ने 78 किग्रा से अधिक वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए महाद्वीपीय कोटा हासिल किया। तूलिका ने साइ मीडिया से कहा,जूडो हमेशा से ही हैरान करने वाली चीजों से भरा रहा है और कोई नहीं जानता कि कब क्या हो जाए। इसलिए कोई नहीं जानता कि उस दिन क्या होगा। देखिए कैसे मैंने पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई।

उन्होंने कहा,लेकिन अपनी ट्रेनिंग को देखते हुए मुझे उम्मीद है कि अगर मैं फाइनल में जगह नहीं भी बना पाई तो कम से कम कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचूंगी। हम स्वर्ण पदक के लिए ट्रेनिंग कर रहे हैं। क्वालिफाइंग चक्र 22 जून 2022 से 23 जून 2024 था और 2022 में चोट लगने के बाद तूलिका ओलंपिक में क्वालीफाई करने को लेकर आश्वस्त नहीं थी। हालांकि, पिछले महीने अबु धाबी में विश्व चैंपियनशिप के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में कनाडा की पोर्तुओंदो इसासी के खिलाफ जीत ने उनकी ओलंपिक रैंकिंग में सुधार किया। ओलंपिक में हिस्सा लेने जा रही भारत की नौवीं महिला जूडो खिलाड़ी तूलिका ने कहा, यह यात्रा रोमांचक रही है। मेरे कोच (यशपाल सोलंकी) ने कार्यक्रमों का एक कैलेंडर तैयार किया था लेकिन ओलंपिक उसमें शामिल नहीं था।

हालांकि, पिछले साल हांगझोउ में एशियाई खेलों में पांचवें स्थान पर रहने और इस साल अप्रैल में हांगकांग में एशियाई चैंपियनशिप ने उन्हें महत्वपूर्ण अंक हासिल करने में मदद की। दिल्ली की यह लड़की 1345 अंकों के साथ 36वें स्थान पर रही। उन्होंने कहा, %मैंने एशियाई खेल और एशियाई चैंपियनशिप दोनों में तीन-तीन मुकाबले जीते। हांगकांग में मुझे सबसे पहले लगा कि मैं कर (क्वालीफाई) सकती हूं। विश्व चैंपियनशिप में जीत से मदद मिली। तूलिका का मानना है कि चीन की सू शिन खेलों के दौरान उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा, वह मेरी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी होंगी क्योंकि 2022 एशियाई चैंपियनशिप में उनके साथ मुकाबले के दौरान मैं चोटिल हो गई थी। मुझे लगता है कि वह मेरी अब तक की सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी थी। फ्रांस की रोमेन डिको भी एक अच्छी प्रतिद्वंद्वी हैं। वह चीनी की खिलाड़ी की तरह भारी नहीं हैं लेकिन तेज और शक्तिशाली है।%तूलिका मान ओलंपिक में जगह बनाने को लेकर सुनिश्चित नहीं थी लेकिन अब पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने के बाद इस भारतीय जूडो खिलाड़ी को पदक जीतने की उम्मीद है और उन्होंने कम से कम कांस्य पदक के प्ले ऑफ में जगह बनाने को लक्ष्य बनाया है।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे ट्रेविस हेड, सूर्यकुमार यादव को छोड़ा पीछे

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ते हुए जारी टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, आईसीसी पुरुष टी20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में एक नया नंबर एक खिलाड़ी आ गया है, भारत के सूर्यकुमार यादव लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहने के बाद दूसरे स्थान से खिसक गए हैं।

भारत के दाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यकुमार दिसंबर 2023 से पुरुषों की टी20आई रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे। लेकिन टी20 विश्व कप 2024 में हेड के प्रदर्शन ने उन्हें नंबर एक स्थान हासिल करने में मदद की।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रेविस हेड ने टी20 विश्व कप 2024 के अपने आखिरी सुपर आठ मैच में भारत के खिलाफ 76 रनों की पारी खेली। हालांकि, हेड का यह प्रयास बेकार गया और ऑस्ट्रेलिया को भारत से 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा। रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव दूसरे, इंग्लैंड के फिल साल्ट तीसरे, पाकिस्तान के बाबर आजम चौथे और मोहम्मद रिजवान पांचवें स्थान पर खिसक गए। कैरेबियाई बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स चार स्थान ऊपर उठने के बाद चार्ट में शीर्ष दस में पहुंचने वाले एकमात्र नए खिलाड़ी हैं। इस बीच, अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज रैंकिंग में पांच स्थान ऊपर उठकर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा टी20आई ऑलराउंडर्स रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस सूची में चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। भारत के हार्दिक पांड्या तीसरे और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी दूसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के रोस्टन चेस ऑलराउंडर्स में 17 स्थान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अमेरिका में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता से अमेरिकी राजदूत खुश

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट की लोकप्रियता को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी ने टी20 विश्व कप 2024 का आयोजन अमेरिका में कराने का फैसला लिया। मौजूदा टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज के तमाम मैच अमेरिका में ही खेले गए। भारत और पाकिस्तान के बीच इस टूर्नामेंट का महामुकाबला नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। अब भारत में मौजूद अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता पर खुशी जताई है। विश्व कप के सह-मेजबान अमेरिका ने छह जून को ग्रुप ए के लीग मैच में सुपर ओवर में पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को हराया था। इसके बाद बाबर आजम की अगुवाई वाली पाकिस्तान की टीम सुपर आठ में भी प्रवेश नहीं कर सकी और पहले दौर से ही बाहर हो गई थी। गार्सेटी ने पीटीआई से कहा, क्रिकेट एक धर्म है, जैसा कि हम अक्सर भारत में कहते हैं। मुझे लगता है कि यह एक शानदार खेल है जिसकी अभी अमेरिका में लोकप्रियता बढ़ रही है। अमेरिकी टीम भले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई लेकिन मोनांक पटेल की अगुवाई में टीम ने सुपर-8 तक का सफर तय किया। गार्सेटी ने कहा कि अब वह क्रिकेट के प्रशंसक बन गए हैं। उन्होंने कहा, मैं क्रिकेट का दीवाना हो गया हूं, जैसा कि सभी जानते हैं। मुझे क्रिकेट बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि अधिक से अधिक अमेरिकी उस खेल से प्यार करना सीख रहे हैं, जिसे हम 150 साल पहले खेलते थे।

राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप 2024: भारत के शीर्ष ट्रैक और फील्ड एथलीट पेरिस ओलंपिक बर्थ के लिए करेंगे प्रतिस्पर्धा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के शीर्ष ट्रैक और फील्ड एथलीट गुरुवार से यहां शुरू होने वाली राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप के दौरान पेरिस ओलंपिक बर्थ के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह चैंपियनशिप आगामी पेरिस खेलों के लिए अंतिम क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में काम करेगी, जहां एथलेटिक्स स्पर्धाएं 1 अगस्त से शुरू होंगी। संयोग से, चार दिवसीय चैंपियनशिप का अंतिम दिन - 30 जून - ओलंपिक क्वालीफाइंग विंडो की समय सीमा के साथ मेल खाता है। शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे, क्योंकि 7 जुलाई को पेरिस डायमंड लीग से पहले कुछ ही दिन का अंतराल है, जिसमें उन्हें प्रतिस्पर्धा करनी है। उन्होंने पिछले महीने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में भाग लिया था, जिसमें स्वर्ण पदक जीता था।पिछले महीने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने स्पष्ट किया था कि चोपड़ा को छोड़कर बाकी सभी एथलीटों के लिए पेरिस ओलंपिक के लिए चुने जाने के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा एएफआई के नियमों के अनुसार, अगर किसी एथलीट को ओलंपिक, एशियाई खेल या राष्ट्रमंडल खेलों जैसे प्रमुख बहु-खेल आयोजनों के लिए चुना जाना है, तो उसे राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में भाग लेना होगा, जब तक कि महासंघ किसी विशेष एथलीट या उसके कोच के अनुरोध पर छूट न दे। चोपड़ा की अनुपस्थिति

में अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज), किशोर जेना (पुरुषों की भाला फेंक), राम बाबू (पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल) और पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज) जैसे खिलाड़ी चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे, जिनमें से सभी ने क्वालीफाइंग मानकों को पार करके पेरिस खेलों के लिए स्थान पक्का कर लिया है। विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से पेरिस का टिकट बुक करने वाले अन्य एथलीट जैसे ज्योति याराजी (महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), डीपी मनु (पुरुषों की भाला फेंक), तजिंदरपाल सिंह तूर (पुरुषों की शॉटपुट), जेसविन एल्ड्रिन (पुरुषों की लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल और अब्दुल्ला अबूबकर (दोनों पुरुषों की ट्रिपल जंप) भी चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं। धावक अनिमेष कुजूर, 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे - जिन्होंने हाल ही में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है - और लंबी कूद की खिलाड़ी शैली सिंह जैसे उभरते सितारे भी एक्शन में नज़र आएंगे। फेडरेशन कप से बाहर रहने के बाद राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मणिकांत होबलीधर भी एक्शन में वापस आने के लिए तैयार हैं और देश के सबसे तेज़ धावक के टैग के लिए कुजूर, अमलान बोरगोहेन और गुरिंदरवीर सिंह के साथ उनकी 100 मीटर दौड़ की प्रतिस्पर्धा देखना दिलचस्प होगा, हालांकि उनमें से किसी के भी पेरिस में जगह बनाने की संभावना नहीं है। फेडरेशन कप 200 मीटर स्वर्ण पदक विजेता कुजूर भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक बोरगोहेन के खिलाफ़ एक और मुकाबले में उतरेंगे। पेरिस बर्थ बुक करने वाली भारतीय पुरुष और महिला 4×400 मीटर रिले टीमों के लगभग सभी सदस्य व्यक्तिगत क्वार्टर-मील स्पर्धाओं में भाग लेंगे। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 20 किमी रेस वॉकर अक्षदीप सिंह, जिन्होंने पेरिस गेम्स क्वालीफाइंग मार्क को भी पार कर लिया है, प्रवेश सूची से गायब हैं। महिलाओं की 20 किलोमीटर पैदल चाल की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका गोस्वामी, जिन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया है, सूची में नहीं हैं। पहले दिन केवल तीन फाइनल महिलाओं की हैमर थ्रो, पुरुषों की और महिलाओं की 500 मीटर दौड़ होंगे।

पीटी उषा ने एशियाई खेलों में योग को शामिल करने की वकालत की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियाई खेलों के कार्यक्रम में योग को शामिल करने की वकालत की है, क्योंकि देश इस व्यायाम की लोकप्रियता को बढ़ाना चाहता है

एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष राजा रणधीर सिंह को लिखे पत्र में दिग्गज एथलीट ने महाद्वीप के खेल समुदाय से एशियाई खेलों के कार्यक्रम में योग को शामिल करने का आग्रह किया।

उषा ने पत्र में कहा, 21 जून को दुनिया ने 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया और इसके प्रति लोगों की प्रतिक्रिया बहुत बढ़िया रही। विभिन्न देशों के लोगों ने योग को अपनाया है और इससे लाभ उठाया है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह

महत्वपूर्ण है कि वह खेलों के सबसे बड़े उत्सवों में योग को शामिल करने के प्रयासों का नेतृत्व करे।उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि योग के आध्यात्मिक घर और विश्वगुरु के रूप में भारत एशियाई खेलों और अंततः ओलंपिक खेलों में भी इस खेल को शामिल करने के लिए अभियान चला सकता है।

उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि पेरिस में प्रसिद्ध लूवर संग्रहालय आगंतुकों को अगले महीने ओलंपिक से पहले प्रशिक्षकों के साथ योग सत्रों में भाग लेने का अवसर प्रदान करेगा।आईओए अध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया एशियाई खेलों में योग के लिए मामला बनाने के विचार को बहुत प्रोत्साहित और सराहते हैं।उषा ने कहा, उन्होंने मुझसे कहा कि एशियाई खेलों में इसे शामिल करना इस खेल को ओलंपिक में ले जाने की दिशा में पहला कदम होगा। हमें अपने स्वदेशी खेल को ऐसे मंचों पर लाने की जरूरत है।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह करेंगे नेतृत्व

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आगामी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए 16 सदस्यीय भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक होगा। हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, टीम में पांच ओलंपिक पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों के साथ, टीम एक नए दृष्टिकोण से भरी हुई है, जो बेंगलुरु के साई केंद्र में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में गहन प्रशिक्षण और तैयारी से प्रेरित है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का नेतृत्व शीर्ष ड्रैग-फ्लिकर और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि शक्तिशाली मिडफील्डर हार्दिक सिंह उप-कप्तान होंगे। हरमनप्रीत अपने तीसरे ओलंपिक में खेलने के लिए तैयार हैं, उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में भारतीय टीम के सबसे कम उम्र के सदस्य के रूप में पदार्पण किया और इसके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत में योगदान दिया।

टीम चयन पर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, पेरिस ओलंपिक की टीम के लिए चयन प्रक्रिया हमारे खिलाड़ियों में मौजूद प्रतिभा की गहराई के कारण अविश्वसनीय रूप से प्रतिस्पर्धी थी, हालांकि, मुझे विश्वास है कि चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी ने हमारे कठोर तैयारी चरण के दौरान असाधारण कौशल, समर्पण और लचीलापन दिखाया है। हमारी यात्रा उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और विश्व मंच पर भारतीय हॉकी को ऊपर उठाने के सामूहिक प्रयास से चिह्नित है।उन्होंने कहा, यह टीम अनुभवी खिलाड़ियों और होनहार युवा प्रतिभाओं का एक आदर्श मिश्रण है, जो हमें आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक बहुमुखी प्रतिभा और ऊर्जा प्रदान करती है। हमारा ध्यान एक ऐसी एकजुट टीम बनाने पर रहा है जो विभिन्न खेल शैलियों और स्थितियों के अनुकूल हो सके, और मुझे विश्वास है कि हमने इसे हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा, जब हम पेरिस जा रहे हैं, तो हमारा लक्ष्य स्पष्ट है - दिल, कौशल और दृढ़ संकल्प के साथ खेलना। हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करने और सर्वोच्च पोडियम के लिए प्रयास करने के लिए तैयार हैं। यह टीम अवसर का लाभ उठाने और भारत को गौरव दिलाने के लिए तैयार है। हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है और आगे की यात्रा के लिए उत्साहित हैं आगामी पेरिस 2024 ओलंपिक की बात करें तो भारत को मौजूदा चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ने के लिए, टीम को अपने पूल में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और मेजबान देश फ्रांस शामिल हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, इसके बाद 29 जुलाई को अर्जेंटीना के खिलाफ मैच खेलेगी। इसके बाद वे क्रमशः 30 जुलाई और 1 अगस्त को आयरलैंड और बेल्जियम का सामना करेंगे, जबकि उनका अंतिम ग्रुप स्टेज मैच 2 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा।

पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम:

गोलकीपरः पीआर श्रीजेश।

डिफेंडरः जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय।

मिडफील्डरः राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद।

फॉरवर्डः अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मंदीप सिंह, गुरजंत सिंह।

कौन है फिल्म महाराज की किशोरी

शालिनी पांडे

रणवीर सिंह के साथ पर्दे पर कर चुकी हैं रोमांस

आमिर खान के बेटे जुनैद खान भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुके है। उन्होंने ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म महाराज से अपना डेब्यू किया है। हालांकि, उनकी ये फिल्म पर्दे पर रिलीज न होकर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 21 जून को रिलीज हुई है।

फिल्म को दर्शकों की जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और जुनैद की एक्टिंग की भी तारीफ हो रही हैं। इसके अलावा फिल्म में दिखाया गया किशोरी का किरदार भी लोगों को भा गया। किशोरी का रोल निभाने वाली एक्ट्रेस शालिनी पांडे है। जो पहले रणवीर सिंह के साथ भी काम कर चुकी हैं।

कौन है शालिनी पांडे

साल 2022 में रिलीज हुई रणवीर सिंह की फिल्म जयेशभाई जोरदार में शालिनी पांडे नजर आई थीं। इस फिल्म में शालिनी ने जयेश की पत्नी मुद्राका किरदार निभाया था, जो एक बेटी के जन्म के बाद फिर से प्रेग्नेंट होती हैं। इससे पहले वो मेरी निम्मो से अपना बॉलीवुड कर चुकी थी, जो साल 2018 में रिलीज हुई थी।

साउथ फिल्म में भी काम कर चुकी हैं शालिनी

बता दें, शालिनी पांडे ने अपने करियर की शुरुआत साउथ फिल्मों से की थी। उन्होंने साउथ की सुपरहिट अर्जुन रेड्डी में का किया, जिससे वह रातों रात स्टार बन गई थी। इस फिल्म में विजय देवरकोंडा भी नजर आए थे।

रियल लाइफ में बोल्ड हैं किशोरी

फिल्म में भोली भाली लड़की के किरदार में शालिनी नजर आ रही हैं, लेकिन रियल लाइफ में बोल्ड हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक से एक हॉट तस्वीरें शेयर की हुई हैं शालिनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। शालिनी के इंस्टाग्राम पर 2 मिलियन फॉलोअर्स हैं, लेकिन वो खुद किसी को फॉलो नहीं कर रही हैं।

घरवालों के खिलाफ जाकर अभिनेत्री बनीं शालिनी

एक्ट्रेस ने सालों पहले एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उनके पिता को उनका फिल्मों में आना पसंद नहीं था।वह चाहते थे कि उनकी बेटी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करके आईटी कंपनी में जॉब करे, लेकिन किस्मत में पर्दे पर छाया लिखा था।बेटी की पहली फिल्म को हिट होता देख एक्ट्रेस के पिता काफी खुश हुए थे। एक्ट्रेस तेलुगू और हिंदी फिल्मों के अलावा तमिल इंडस्ट्री में भी काम कर चुकी हैं।

अर्जुन कपूर

की बर्थडे पार्टी में शामिल ना होने के बाद Malaika Arora ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

बॉलीवुड के मोस्ट वांटेड मुंडा अर्जुन कपूर आज अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। बर्थडे से एक दिन पहले लेट नाइट पार्टी में अर्जुन कपूर और उनके फ्रेंड्स को देखा गया लेकिन इस पार्टी से मलाइका अरोड़ा कहीं गायब थीं। ऐसे में सोशल मीडिया पर ये अफवाह पहले से ही चल रही है कि दोनों अलग हो चुके हैं।ब इन सबके बीच मलाइका अरोड़ा ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। मलाइका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक कोट शेयर किया है जिसका अर्थ है – मैं उन लोगों को पसंद करती हूं जिनपर मैं आंख बंद होने पर और पीठ पीछे भी भरोसा कर सकूं। अब इस पोस्ट से फैंस ये कयास लगा रहे हैं कि क्या वाकई एक्टर्स के बीच सबकुछ ठीक नहीं है?

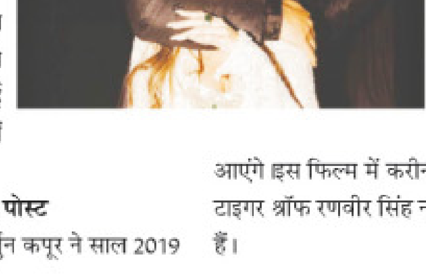

मलाइका अरोड़ा ने लिखा क्रिप्टिक पोस्ट

बता दें कि मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने साल 2019 से एक-दूसरे को ऑफिशियली डेट करना शुरू कर दिया था। हालांकि कुछ समय पहले पिंकविला ने लिखा कि दोनों अलग हो गए हैं। पोर्टल ने लिखा- %मलाइका और अर्जुन का रिलेशनशिप बहुत ही स्पेशल है। दोनों एक दूसरे के दिल में स्पेशल जगह बनाए रखेंगे। इस आधार पर उन्होंने अलग होने का और इस मामले में चुप्पी बनाए रखने का फैसला लिया है। वो किसी को भी अपने इस रिलेशनशिप को खराब नहीं करने देंगे।ॅ

अर्जुन कपूर की आने वाली फिल्में

मलाइका अरोड़ा की पहली शादी अरबाज खान से हुई थी। दोनों करीब 20 साल तक साथ रहे और उनका एक बेटा अरहान खान भी है। वहीं अर्जुन कपूर का नाम अर्पिता खान, परिणीति चोपड़ा और कुशा कपिला के साथ भी जुड़ चुका है। अर्जुन आने वाले समय में रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगे।इस फिल्म में करीना कपूर, अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ रणवीर सिंह नजर आएंगे। अर्जुन इन दिनों मेरी पत्नी का रीमेक में बिजी हैं।

सलमान, शाहरुख और आमिर खान के बारे में ये क्या कह गए नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने करियर में कई बड़े सितारों के साथ काम किया है. हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने इंडस्ट्री के सुपरस्टार सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान का जिक्र किया. नवाजुद्दीन ने सलमान के साथ 'किक' और 'बजरंगी भाईजान', शाहरुख के साथ 'रईस' और आमिर खान के साथ 'सरफरोश' और 'तलाश' में काम किया है. उन्होंने तीनों खान के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया. इसके साथ ही उन्होंने तीनों की खूबियों के बारे में भी बताया है.एक पॉडकास्ट में नवाजुद्दीन सिद्दीकी से पूछा गया कि वो सलमान, शाहरुख और आमिर में से किसे बेस्ट एक्टर मानते हैं? उन्होंने किसी का भी नाम लेने से इनकार करते हुए कहा कि तीनों में अलग-अलग टैलेंट है.

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने क्या कहा ?

सलमान खान को लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि वो एक बेहतरीन इंसान हैं और असल जिंदगी में भी वो सभी का खूब मनोरंजन करते हैं. शाहरुख के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि वो बहुत मेहनती हैं. वो कोई भी काम तब तक नहीं छोड़ते जब तक वो परफेक्ट तरह से पूरा न हो जाए. साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि शाहरुख सबके साथ बेहद हम्बल रहते हैं. आमिर को लेकर नवाजुद्दीन ने कहा कि वो 'परफेक्शनिस्ट' हैं.

नवाजुद्दीन के मुताबिक, आमिर खान का हिंदी सिनेमा में खास योगदान रहा है. तीनों खान से अपनी तुलना पर नवाजुद्दीन ने कहा कि उनकी तुलना सलमान, शाहरुख या आमिर से नहीं की जा सकती है. उनके मुताबिक, उनकी फिल्मों की सफलता से इंडस्ट्री में पैसा आता है, जिसकी वजह से इंडस्ट्री में ऐसी छोटी फिल्में बन पाती हैं, जिनमें मेरे जैसे कलाकार काम करते हैं.फिल्मों की बात करें तो नवाजुद्दीन आखिरी बार हड्डी में नजर आए थे. उनका अगला प्रोजेक्ट क्राइम थ्रिलर 'रौतू का राज' है. इसमें उनके साथ अतुल तिवारी, राजेश कुमार और नारायणी भी अहम रोल्स में हैं. ये फिल्म 28 जून 2024 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी.

Sunny Deol और सुनील शेट्टी ने बढ़ाया मदद के लिए हाथ, निर्माता वाशु भगनानी का दावा

बिल्डर और पूजा एंटरटेनमेंट के मालिक वाशु भगनानी पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। उनकी प्रोडक्शन कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी पिछली कुछ फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप की मार झेलनी पड़ी।बैल बॉटम से लेकर बड़े मियां छोटे मियां और मिशन रानीगंज जैसे महंगी बजट की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाई नहीं कर पाई। बीते दिन ही कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया था कि फिल्मों के लगातार फ्लॉप होने की वजह से वह वित्तीय संकट में आ गए हैं,जिस पर वाशु भगनानी ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सभी के सवालों का जवाब दिया और बताया कि उन्हें पता है कि बॉलीवुड में बिजनेस किस तरह से होता है।

इतना ही नहीं, उन पर 80 परसेंट कर्मचारियों को कंपनी से निकालने के आरोप भी लगे। इन सब विवादों के बीच ही अब बॉलीवुड के कई सितारों ने निर्माता को सपोर्ट किया और मदद का हाथ आगे बढ़ाया है।

अक्षय कुमार ने फिल्म न चलने के बाद किया फोन

वाशु भगनानी ने हाल ही में समाचार एजेंसी एएनआई से खास बातचीत करते हुए बताया कि उन्होंने अपनी कंपनी से किसी कर्मचारी को नहीं निकाला है।एक्टर्स को लोग बिना वजह के बदनाम कर रहे हैं, उनका अपना-अपना रूप होता है, जैसे ही फिल्म नहीं चली, वैसे ही अक्षय कुमार का फोन मुझे आया और उन्होंने कहा कि जो भी होगा हम लोग मिल बांट कर करेंगे। अली अब्बास जफर से भी मेरी वही बात हुई, लेकिन मैं ये आश्वस्त करता हूं कि हम किसी का भी नुकसान नहीं होने देंगे।

सनी देओल ने भी दी निर्माता को सांत्वना

वाशु भगनानी ने आगे बताया कि अक्षय के अलावा इस तरह की खबरें सामने आने के बाद गदर 2 एक्टर सनी देओल का भी फोन आया था और उन्होंने मदद का हाथ आगे बढ़ाते हुए कहा था कि वह उनके साथ खड़े हैं, क्योंकि उन्हें इस बात का एहसास है कि जब पब्लिक इस तरह के आरोप लगाती है, तो इंसान पर क्या बीतती है।वाशु भगनानी ने कहा कि मुझे ये बात सुनकर बेहद ही खुशी हुई, क्योंकि मैंने उनके साथ आज तक किसी भी फिल्म में काम नहीं किया है। निर्माता ने ये भी बताया कि खिलाड़ी कुमार और सनी के अलावा सुनील शेट्टी ने भी उन्हें सपोर्ट किया।